फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 105 प्रभात जयपुर, सोमवार 16 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



The Secret of Banarasi Kadwa And Fekwa

"Benares is older than history, older than tradition, older even than legend, and looks twice as old as all of them put together." - Mark Twain.

She didn't cry She plotted

She worked the backrooms. She twisted arms. She used her charm and her steel-trap mind to draft legislation that was bulletproof

काडमांडू हवाई अड्डे पर 22 करोड़ रु. की कोकीन पकड़ी

काठमांडू, 15 नवंबर। नेपाल में करीब 22 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन के साथ त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। वह 14 नवंबर को थाईलैंड से काठमांडू पहुंचा था।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के एसपी एवं प्रवक्ता दुर्गाराज रेग्मी ने

- एक भारतीय नागरिक कोकीन के साथ गिरफ्तार।

बताया कि भारत के महाराष्ट्र निवासी 52 वर्षीय रेवाज तिघरी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक हवाई मार्ग से ड्रग्स की तस्करी की आशंका को देखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की प्रोफाइलिंग की जा रही थी। इसी क्रम में रेवाज तिघरी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस जांच में पता चला है कि वह इससे पहले दो बार नेपाल आ चुका है। पहली बार उसने हवाई मार्ग से नेपाल की यात्रा की थी, जबकि दूसरी बार भारत से सड़क मार्ग के जरिए नेपाल पहुंचा था। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिसम्बर के पहले सप्ताह में हो सकता है संसद का शीतकालीन सत्र

सरकार महिला आरक्षण व परिसीमन विधेयक पास कराना चाहती है

नई दिल्ली, 15 नवंबर। संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो सकता है। सरकार एक ऐसा संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की कोशिश में है, जो महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से जोड़ता है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपना विरोध तेज करने की तैयारी कर रहे हैं।

- संविधान संशोधन विधेयक पास करने के लिये दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। इस समय एनडीए के पास 320 सदस्य हैं तथा उसे कुल 361 सदस्यों का समर्थन चाहिये।

जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित कानून के तहत परिसीमन के जरिए लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इससे 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना संभव हो सकेगा। सरकार के शीर्ष स्तरों पर सत्र की संभावित तारीखों को लेकर चर्चा चल रही है।

हालांकि, इस विधयेक को पारित कराने के लिए जरूरी समर्थन जुटाना एक बड़ी चुनौती है। संविधान संशोधन के लिए सदन में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन का अवश्यकता होती है।

वर्तमान लोकसभा में, तीन सीटें खाली हैं, ऐसे में अगर सभी 540 सदस्य मतदान करते हैं, तो दो-तिहाई बहुमत के सिए 361 वोटों की जरूरत होगी।

सत्ताधारी एनडीए के पास 320 सदस्य हैं, इसलिए जरूरी आंकड़ा छूने के लिए उसे विपक्ष के समर्थन की आवश्यकता होगी। हालांकि, सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को भरोसा जताया कि विधेयक 15 से 18 वोटों के अंतर से पारित हो जाएगा।

इंडिगो फ्लाइट की पुणे में इमरजेंसी लैंडिंग

पुणे,15 नवंबर। गुवाहाटी जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट 6ई 0623 में आज रविवार सुबह तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।

पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को बताया कि टेक-ऑफ के बाद विमान का लैंडिंग गियर (पहियों वाला हिस्सा) अंदर नहीं गया और बाहर

- टेक ऑफ के बाद लैंडिंग गियर अंदर नहीं जाने से यह स्थिति बनी।

ही रह गया। इंडिगो की इस फ्लाइट में यात्री और क्रू मेंबर सहित कुल 192 लोग सवार थे।

पुणे एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष धोके ने कहा, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने फुल इमरजेंसी घोषित की, जिसके बाद सभी जरूरी इमरजेंसी प्रोटोकॉल तुरंत लागू कर दिए गए। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फायर सर्विस, एम्बुलेंस और अन्य इमरजेंसी टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया।

एहतियात के तौर पर, विमान को रनवे के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने पंजाब में चार सदस्यीय समन्वय समिति बनाई

यह फैसला बाहरी नेताओं की संभावित एंट्री पर स्थानीय असंतोष को रोकने की रणनीति है

चंडीगढ़ , 15 नवंबर। पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी सियासी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी संगठन को मजबूत करने और दूसरी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को कांग्रेस में शामिल करने की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए प्रदेश कांग्रेस ने चार सदस्यीय उच्चस्तरीय समन्वय समिति का गठन किया है।

- पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह द्वारा गठित इस समिति में विजय इंदर सिंगला, अरुणा चौधरी, कुशलदीप सिंह ढिल्लों और हरदेव लाडी शामिल हैं।

अब किसी भी बाहरी नेता की कांग्रेस में एंट्री से पहले संबंधित विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं और जिला कांग्रेस कमेटी के प्रधान की राय लेना अनिवार्य होगा।

पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परगट सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार समिति में सीडब्ल्यूसी सदस्य विजय इंदर सिंगला, विधायक और सीएलपी की उपनेता अरुणा चौधरी, पूर्व विधायक कुशलदीप सिंह ढि ल्लों और विधायक हरदेव सिंह लाडी को शामिल किया गया है।

यह समिति दूसरी राजनीतिक पार्टियों को छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने के इच्छुक नेताओं के संबंध में समन्वय स्थापित करने के साथ उनकी जॉइनिंग प्रक्रिया की निगरानी भी करेगी।

पार्टी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी नेता को कांग्रेस में शामिल करने का फैसला एकतरफा नहीं होगा। इसके लिए संबंधित विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के साथ विचार-विमर्श करना जरूरी होगा।

कांग्रेस के इस फैसले को चुनाव से पहले पार्टी में संभावित नेताओं की एंट्री को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष रोकने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

अक्सर दूसरी पार्टियों से आने वाले नेताओं को टिकट या संगठन में अहम जिम्मेदारी मिलने की संभावना के चलते पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं में नाराजगी पैदा हो जाती है। ऐसे में कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से राहुल को सत्ता नहीं मिलेगी- अमित शाह

उन्होंने कहा सत्ता में आना चाहते हों तो राहुल विदेश जाना बंद कर गांवों में जाना शुरु करें

पुणे, 15 नवंबर। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत, उसके लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों को बदनाम कर रहे हैं।

- केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि चुनाव में जीतना और हारना राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के कामकाज पर निर्भर करता है।

अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से उन्हें सत्ता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी सत्ता में वापस आना चाहते हैं, तो उन्हें विदेश जाना बंद करना होगा। उन्हें भारत के गांवों में जाना शुरू करना चाहिए।

अमित शाह पुणे में राष्ट्रीय भारी इंजीनियरिंग सहकारी क्षेत्र को फिर से खड़ा करने की पहल की आधारशिला रखने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। इसी निराशा में पार्टी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और उसके नेतृत्व को निशाना बना रही है।

शाह ने 13 और 14 नवंबर को हैदराबाद में हुए भारत सम्मेलन पर भी तंज कसा। इस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार ने किया था। उन्होंने कहा कि इसमें देश और विदेश से वामपंथी विचारधारा को बढ़ ावा देने वाले लोगों को बुलाया गया था।

अमित शाह ने कहा कि चुनाव जीतना या हारना राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के कामकाज पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 2004 से 2014 तक 10 साल देश में सरकार चलाने का मौका मिला था। लेकिन उसके कार्यकाल में 12 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ। शाह ने कहा कि आखिरकार जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। इसके बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 15 नवंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा

- उपराष्ट्रपति व लोकसभा अध्यक्ष ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सांसदों और अन्य गणमान्य लोगों ने भी भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया। राज्यसभा सचिवालय के अनुसार, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर पर प्रेरणा स्थल पर विभिन्न राज्यों के छह जनजातीय लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

नाटो में शामिल होना है तो डोनबास क्षेत्र रुस को सौंपें- ट्रंप

अमेरिका के सुझाव पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की हैरान रह गए

नई दिल्ली, 15 नवंबर। अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के बदले डोनबास का इलाका रूस को सौंपने का सुझाव दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को जारी अपने बयान में इस बात की जानकारी दी। जेलेंस्की ने कहा कि इस बातचीत से संकेत मिलता है कि पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो में यूक्रेन की सदस्यता का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। ठंड का मौसम शुरू होने से पहले रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं।

- यूक्रेन लम्बे समय से नाटो में शामिल होने की कोशिश कर रहा है तथा रुस इसे अपनी सुरक्षा को खतरे के रुप में देखता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के विशेष दूत जैरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने गुरुवार को पुतिन और जेलेंस्की से अलग-अलग मुलाकात की थी। इससे पहले अबू धाबी में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ दो दिनों तक बातचीत हुई थी, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। जेलेंस्की ने बताया, अमेरिकियों ने एक सवाल उठाया- अगर यूक्रेन, नाटो में शामिल हो जाता है, तो क्या वह डोनबास से पीछे हट जाएगा? पहली बार यह मुद्दा उठाया गया है।

जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन को इस तरह की रक्षा सहायता देने, हमारी सेना और हमारी रक्षा क्षमता को देखने के बाद पश्चिमी देश यूक्रेन को यूं ही नहीं जाने दे सकते। जेलेंस्की के मुताबिक, इस बातचीत से साफ है कि यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता का मुद्दा एक बार फिर एजेंडे में आ गया है।

यूक्रेन लंबे समय से नाटो में शामिल होने की कोशिश कर रहा है, जबकि रूस इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में देखता है और इस मुद्दे को अपनी रेड लाइन बता चुका है। हालांकि, नाटो और अमेरिका ने जेलेंस्की के इस दावे पर अभी तक सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। डॉनल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, हम इस युद्ध को खत्म करने का रास्ता निकालने के लिए लगातार कोशिश करते रहेंगे। संवेदनशील बातचीत के लिए जरूरी गोपनीयता बनाए रखना भी हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान कई नए विचार सामने आए हैं, जिन पर विचार किया जा रहा है।

पहाड़गंज में निर्माणाधीन इमारत ढही, आठ घायल

दिल्ली, 15 नवंबर। पहाड़गंज इलाके में रविवार को एक निर्माणाधीन इमारत का हिस्सा ढ ह गया। जिसमें आठ लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

- इमारत में होटल निर्माण कार्य चल रहा था।

इमारत काशेरूवालान, संगत तराशन, पहाड़गंज में सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सामने इमारत में एक होटल का निर्माण कार्य चल रहा था। घटना के समय दूसरी मंजिल की छत (लेंटर) डाली जा रही थी। इसी दौरान इमारत का एक हिस्सा अचानक गिर गया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि सहायक खंभे गीले थे। इमारत भी एक तरफ झुकी हुई प्रतीत हुई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरबीआई ने डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी रोकने के लिये दिशा-निर्देश जारी किये

नई दिल्ली, 15 नवंबर। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान से जुड़े साइबर खतरों और धोखाधड़ी को रोकने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत गैर-बैंकिंग भुगतान प्रणाली चलाने वाली कंपनियों

- सभी गैर बैंकिंग भुगतान प्रणाली संचालकों को 6 घंटे के अंदर किसी भी असामान्य घटना की जानकारी देनी होगी।
- रिजर्व बैंक ने डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा के लिये सख्त शर्तें रखी हैं। इनमें सॉफ्टवेयर की सुरक्षा प्रणाली का ऑडिट व तीसरे पक्ष की सेवायें देने वाली कंपनियों से जुड़े नियम शामिल हैं।

को किसी भी असामान्य घटना की जानकारी छह घंटे के अंदर देनी होगी। इसमें साइबर हमला, प्रणाली का अचानक बंद होना और भुगतान के निपटारे (सेटलमेंट) में देरी जैसी घटनाएं शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस नियम का मकसद डिजिटल भुगतान को ज्यादा सुरक्षित बनाना है। इससे साइबर धोखाधड़ी के बढ़ ते मामलों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

आरबीआई के नए निर्देश सभी गैर-बैंकिंग भुगतान प्रणाली संचालकों (पीएसओ) पर लागू होंगे। इन कंपनियों को तय प्रारूप में छह घंटे के भीतर केंद्रीय बैंक को घटना की जानकारी देनी होगी। इससे आरबीआई समय रहते दखल दे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गंभीर रुप ले रहा है बंगाल की खाड़ी का चक्रवाती तूफान

दक्षिण और पूर्वी भारत के कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी

नई दिल्ली, 15 नवंबर। देश के मौसम में एक साथ कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उत्तर भारत में जहां ठंड और कोहरे का प्रभाव बढ़ ने लगा है, वहीं बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहा मौसमी सिस्टम चक्रवाती तूफान में बदलने की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते दक्षिण और पूर्वी भारत के कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने विभिन्न राज्यों के लिए बारिश, तेज हवाओं और आंधी-तूफान को लेकर चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना स्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र अब गहरे निम्न दबाव के बाद दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया है। संभावना है कि सोमवार को दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर यह चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके बाद मंगलवार को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर पहुंचकर यह गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। मौसम प्रणाली के लगातार उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ ते हुए आंध्र प्रदेश के तट की ओर जाने की संभावना जताई गई है।

इस मौसमी सिस्टम के प्रभाव से तटीय क्षेत्रों में 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। समुद्र में स्थिति प्रतिकूल रहने और तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की आशंका को देखते हुए संबंधित राज्यों में सतर्कता बरतने की जरूरत है।

चक्रवाती तूफान के संभावित प्रभाव को देखते हुए दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 19 और 20 नवंबर को भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 18 और 19 नवंबर को कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने विभिन्न राज्यों में बारिश, तेज हवाओं और आंधी -तूफान की चेतावनी जारी की है।

से तेज हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वी भारत के राज्यों में भी चक्रवाती तूफान का असर देखने को मिल सकता है। ओडिशा में 19 से 21 नवंबर के बीच बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राज्य के तटीय इलाकों में 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और आंधी-तूफान की आशंका है।

पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों में 19 और 20 नवंबर को भारी बारिश हो सकती है। वहीं, झारखंड में 20 और 21 नवंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

इज़रायल के हवाई हमले में हमास का शीर्ष कमांडर मारा गया

तेल अवीव, 15 नवंबर। इज़रायल ने दावा किया है कि उनकी सेना ने दक्षिणी गाजा में रात भर चले हवाई हमले में हमास के एक शीर्ष कमांडर को मार गिराया है। इस बीच, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी हेलीकॉप्टर बेस पर मौजूद एक रडार सिस्टम को निशाना बनाया है।

- हमास ने बयान जारी कर इसकी पुष्टि की।

अमेरिकी सैन्य कमान ने इस दावे पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

इज़रायल ने दावा किया है कि उसने हवाई हमले के दौरान हमास के एक शीर्ष कमांडर को मार गिराया है। हमास ने एक बयान जारी कर पुष्टि की कि उनकी रफाह ब्रिगेड के कमांडर, समीर महमूद हसन अबू यूनिस मारे गए हैं। हमास ने बताया कि आज ही उन्हें दफनाया जाएगा। इज़रायल की सेना के अनुसार, अबू यूनिस शनिवार आधी रात के तुरंत बाद हुए एक हमले में मारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्पेसएक्स ने रचा इतिहासः अंतरिक्ष से लौटे यान को हवा में ही कैच किया

केप कैनवेरल, 15 नवंबर। एलन मस्क के स्टारशिप ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। अंतरिक्ष से लौटने वाले स्पेसएक्स के "स्टारशिप" अंतरिक्ष यान को पहली बार लॉन्च टावर पर लगी विशाल मैकेनिकल भुजाओं (चॉपस्टिक्स) या "मेकाज़िला" की मदद से हवा में ही कैच कर लिया गया। ऐसा

- अंतरिक्ष में 22 घंटे बिताने और पृथ्वी के 14 चक्कर लगाने के बाद "स्टारशिप" अंतरिक्ष यान सुरक्षित लौटा
- एलन मस्क के स्पेसएक्स के अनुसार ऊपरी स्टेज स्टारशिप ने कक्षा में पहुंच कर 26 एडवांस्ड स्टारलिंक सैटेलाइट तैनात किये और करीब 260 किलोमीटर की ऊंचाई पर 14 चक्कर पूरे किये।

पहली बार हुआ है। अंतरिक्ष में करीब 22 घंटे बिताने और पृथ्वी के 14 चक्कर लगाने के बाद यह सुरक्षित वापस लौटा।

यह स्टारशिप की पहली मिड-एयर रिकवरी है। इसे लॉन्च री-यूज़ेबल रॉकेट का टास्क पूरा करने में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

स्टारशिप ने बादलों से उतरते हुए इंजन दोबारा जलाए, सीधा खड़ा हुआ और धीरे-धीरे लॉन्च टॉवर की विशाल भुजाओं में समा गया।

इंजन बंद होने के बाद यान जमीन से ऊपर निलंबित अवस्था में रहा। स्पेसएक्स ने इस ऐतिहासिक लैंडिंग का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मेरे दायें हाथ में कर्म है और बायें हाथ में जय! –अथर्ववेद

आत्मकथा : लेखक का सच, पाठक की अपेक्षाएं

दूसरों के जीवन में झांकना मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है और आत्मकथा हमें यह मौका देती है। और फिर, यदि आत्मकथा किसी ऐसे व्यक्ति की हो जिसका सार्वजनिक जीवन, राजनीति और सत्ता के गलियारों से गहरे जुड़ाव रहा हो तो यह उत्सुकता कई गुना बढ़ जाती है। पाठक केवल उसके जीवन की कहानी नहीं जानना चाहते, वे उन घटनाओं के भीतर झांकना चाहते हैं जिनके वे स्वयं भी किसी न किसी रूप में साक्षी रहे हैं। सोनिया गांधी की सद्य प्रकाशित आत्मकथा: Belonging: A Journey of Love को लेकर भी कुछ ऐसा ही माहौल है। भारतीय सार्वजनिक जीवन में सोनिया गांधी की सुदीर्घ और प्रभावशाली उपस्थिति ने उनकी आत्मकथा में हमारी दिलचस्पी को बहुत बढ़ा दिया है। यही वजह है कि उनकी आत्मकथा के बाजार में आते ही चर्चाओं का बाज़ार गर्म हो गया है। लगता है जैसे पूरा भारतीय समाज दो खेमों में बंट गया है। लेकिन इस पूरे प्रसंग को केवल सोनिया गांधी के राजनीतिक समर्थन या विरोध के चश्मे से देखना शायद उचित नहीं होगा। यह अवसर आत्मकथा नाम की एक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक विधा और उसे पढ़ने के हमारे तौर-तरीकों पर विचार करने का भी है।

आत्मकथा आखिर है क्या? क्या वह अपने जीवन का सिलसिलेवार ब्यौरा है? क्या वह घटनाओं, व्यक्तियों और तारीखों का ऐसा विवरण है जिसे इतिहास की किताब की तरह परखा जा सके? या वह अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखने, समझने और उसका अर्थ तलाशने की एक कोशिश है? वस्तुत: आत्मकथा इन सबका मिला-जुला रूप हो सकती है। लेकिन सबसे पहले वह लेखक का अपने जीवन के साथ संवाद है। इसमें घटनाएं जितनी महत्त्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्त्वपूर्ण है उन घटनाओं को देखने वाला व्यक्ति, उसकी स्मृतियां, उसकी संवेदनाएं और उसका दृष्टिकोण। इस विधा की खूबी यह है कि इसमें व्यक्ति अपने बारे में बोलता है। वह अपने समय, परिवेश, संबंधों, सफलताओं और असफलताओं को अपने ढंग से देखता है। वह चाहे तो अपनी कमजोरियों को स्वीकार करे, अपनी भूलों पर पछताए, अपनी उपलब्धियों का बखान करे या कुछ अनुभवों को निजी रखे। आत्मकथा का कोई एक अनिवार्य ढांचा नहीं है। न ही यह आवश्यक है कि हर आत्मकथाकार अपने जीवन के प्रत्येक प्रसंग पर समान विस्तार से बात करे।

हमारी और दुनिया की अनेक प्रसिद्ध आत्मकथाएं इस विविधता की साक्षी हैं। महात्मा गांधी कीसत्य के प्रयोगमें उनकी नैतिक और आध्यात्मिक यात्रा के साथ कमजोरियों, भूलों और प्रयोगों का भी उल्लेख है। इसका महत्त्व इस बात में है कि गांधी स्वयं को किस निर्ममता से परखने का प्रयास करते हैं। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा में एक व्यक्ति के बौद्धिक विकास के साथ अपने समय की राजनीति और राष्ट्रीय आंदोलन का व्यापक परिदृश्य उपस्थित होता है। हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा-श्रृंखला क्या भूलूँ क्या याद करूँ, नीड का निर्माण फिर, बसेरे से दूर और दशद्वार से सोपान तकनिजी जीवन, परिवार, प्रेम और साहित्य के अनेक रंग सामने लाती है। अमृता प्रीतम की रसीदी टिकट एक स्त्री के निजी अनुभवों और संवेदनाओं की बेबाक अभिव्यक्ति है। इसी क्रम में प्रभा खेतान की अन्या से अनन्या और मन्नू भंडारी की एक कहानी यह भी को भी याद किया जा सकता है। और इन्हीं के साथ याद की जा सकती हैं दलित आत्मकथाएं भी, जिनमें ओमप्रकाश वाल्मीकि की जूठन प्रमुख है।

विदेशी आत्मकथाओं में रूसो की Confessions का उल्लेख जरूरी है, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तित्व के उन पक्षों को भी सामने रखा जिन्हें छिपाना अधिक सुविधाजनक हो सकता था। बेंजामिन फ्रैंकलिन की आत्मकथा आत्मनिर्माण, श्रम और सार्वजनिक जीवन की कहानी है। नेल्सन मंडेला की Long Walk to Freedom में एक व्यक्ति का संघर्ष दक्षिण अफ्रीका की मुक्ति और नस्लभेद के विरुद्ध आंदोलन की कथा से जुड़ जाता है। माया एंजेलो की Know Why the Caged Bird Sings निजी अनुभवों के माध्यम से नस्लीय भेदभाव, स्त्री होने की चुनौतियों और आत्मसम्मान की लड़ाई का चित्र उभारती है। इन आत्मकथाओं की विषयवस्तु और लेखन शैली अलग-अलग हैं, लेकिन इनमें एक समानता है। हर लेखक ने अपने जीवन को अपनी दृष्टि से देखा और प्रस्तुत किया है। यही आत्मकथा की मूल प्रकृति है।

इस संदर्भ में अपने समाज की ओर देखें तो एक विचित्र स्थिति दिखाई देती है। हम दूसरों के जीवन में गहरी दिलचस्पी लेते हैं, लेकिन अपने बारे में कुछ कहने की बात आती है तो सहज नहीं रह जाते। अपनी कमजोरियों, असफलताओं, ईर्ष्याओं, महत्वाकांक्षाओं, गलत निर्णयों और निजी संबंधों के अंतर्विरोधों को सार्वजनिक करना हमें कठिन लगता है। इसके पीछे हमारे सामाजिक संस्कार भी हैं। हमारे यहां व्यक्ति की प्रतिष्ठा अक्सर परिवार और समुदाय की प्रतिष्ठा से जुड़ी होती है। अपने बारे में कुछ ऐसा कह देना जो परिवार की स्थापित छवि के अनुकूल न हो, पूरे परिवार को असहज कर सकता है। अपनी गलती स्वीकार करना भी सहज मानवीय व्यवहार के बजाय कमजोरी समझ लिया जाता है। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों को यह आशंका भी रहती है कि उनके किसी निजी स्वीकार को राजनीतिक हथियार बना लिया जाएगा। यहीं मुझे हरिवंश राय बच्चन याद आते हैं जिन्होंने लिखा था:– मैं छुपाना जानता तो जग मुझे साधु समझता/ शत्रु मेरा बन गया है, छल रहित व्यवहार मेरा। इसलिए हमारे यहां आत्मकथा लिखने वाला व्यक्ति कई बार अपने जीवन का लेखा-जोखा देने के बजाय अपना पक्ष रखने लगता है। वह अपने समय का साक्षी कम और अपने पक्ष का वकील अधिक दिखाई देता है। यह भी संभव है कि वह कुछ प्रसंगों को जानबूझकर छोड़ दे या उन्हें इस तरह प्रस्तुत करे कि उसकी अपनी छवि पर आंच न आए। लेकिन क्या इससे उसकी आत्मकथा को पढ़ने और समझने की हमारी जिज्ञासा और जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? क्या किसी आत्मकथा में आत्मरक्षा या आत्मऔचित्य की प्रवृत्ति दिखाई देने पर उसे एक झटके में खारिज कर देना चाहिए? मुझे ऐसा नहीं लगता। यह भी लेखक के व्यक्तित्व और उसकी आत्मदृष्टि को समझने का एक सूत्र हो सकता है।

इस बात को समझा जाना चाहिए कि आत्मकथा केवल किसी और की ज़िंदगी में झांकने का सुराख नहीं होती है। वह हमें भी आत्मावलोकन का अवसर सुलभ कराती है। आत्मकथा की सार्थकता इसी में है कि वह हमें किसी दूसरे व्यक्ति को उसके अपने सच के साथ समझने का अवसर देती है, और पाठक की परिपक्वता इसमें है कि वह उस सच को परखते हुए भी लेखक के दृष्टिकोण का सम्मान करना सीखे।

यहां आत्मकथा और इतिहास के बीच का अंतर समझना जरूरी है। आत्मकथा इतिहास की पुस्तक नहीं है, हालांकि इतिहास के अध्ययन के लिए वह महत्त्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध करा सकती है। इतिहासकार अनेक स्रोतों, दस्तावेजों और परस्पर विरोधी विवरणों की जांच करता है। आत्मकथाकार अपने अनुभवों और स्मृतियों के सहारे अतीत को देखता है। स्मृति कोई कैमरा नहीं है जो हर घटना को उसी रूप में सुरक्षित रखे। और फिर कैमरे का भी कोई न कोई एंगल होता है। समय के साथ कुछ घटनाएं धुंधली पड़ती हैं, कुछ अधिक स्पष्ट हो जाती हैं और कुछ का अर्थ बदल जाता है। इसलिए आत्मकथा में किसी घटना के विवरण का लेखक की स्मृति और दृष्टिकोण से प्रभावित होना स्वाभाविक है।

यहीं से आत्मकथा को पढ़ने का सलीका सामने आता है। हमें यह देखने की कोशिश करनी चाहिए कि लेखक ने क्या लिखा है, न कि इस बात पर नाराज होना चाहिए कि उसने क्या नहीं लिखा। उसने किसी घटना को किस तरह देखा, किन प्रसंगों को महत्त्व दिया, किन्हें छोड़ दिया और अपने जीवन के बारे में क्या निष्कर्ष निकाला, इन सब पर विचार किया जा सकता है। उसकी स्थापनाओं से असहमति भी हो सकती है। लेकिन यह उम्मीद करना कि वह अपनी आत्मकथा में वही सब लिखेगा जो हम उससे लिखवाना चाहते हैं, उसके साथ अन्याय होगा। हर व्यक्ति को अपने जीवन की निजता और अपने अनुभवों के चयन का अधिकार है। कोई व्यक्ति अपने जीवन के सभी प्रसंग सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है। किसी आत्मकथा में किसी प्रसंग का उल्लेख न होना उस प्रसंग के बारे में किसी निष्कर्ष का आधार नहीं बन सकता। लेखक की चुप्पी को स्वीकारोक्ति मान लेना भी उतना ही अनुचित है जितना उसकी हर बात को अंतिम सच मान लेना।

हां, इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आत्मकथाकार को तथ्यात्मक शुद्धता की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाए। यदि वह कोई ऐसी बात कहता है जो प्रमाणित ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत है, तो प्रमाणों और साक्ष्यों के आधार पर उसका खंडन होना चाहिए। सोनिया गांधी की इस किताब में ऐसी अनेक चूकों और ग़लतियों की तरफ ध्यान आकर्षित किया भी गया है। यदि किसी दूसरे पक्ष के पास किसी उल्लिखित घटना का भिन्न विवरण है तो उसे भी सामने आना चाहिए। आत्मकथा के लेखक का सम्मान करने का अर्थ उसके हर कथन को स्वीकार करना नहीं है। लेकिन असहमति का आधार तथ्य और तर्क होना चाहिए, हमारी राजनीतिक पसंद-नापसंद या पूर्वनिर्धारित अपेक्षाएं नहीं।

सोनिया गांधी की आत्मकथा के संदर्भ में भी यही कसौटी अपनाई जानी चाहिए। उनकी कही हुई बातों की जांच हो, उनके निष्कर्षों से असहमति हो तो तर्क सामने आएं। किसी घटना के उनके विवरण को दूसरे उपलब्ध प्रमाणों के साथ रखकर परखा जाए। लेकिन यह अपेक्षा कि वे अपनी आत्मकथा में उन सभी प्रश्नों के उत्तर दें जो उनके राजनीतिक विरोधियों के मन में हैं, या उन सभी प्रसंगों पर अपनी बात रखें जिन्हें पाठक महत्त्वपूर्ण मानते हैं, उचित नहीं होगी। यह उनका जीवन है, उनका अनुभव है और उसे प्रस्तुत करने का उनका अपना तरीका है। पुस्तक का मूल्यांकन उसमें लिखी गई बातों के आधार पर होना चाहिए, न कि पाठक की अपूर्ण रह गईं अपेक्षाओं के आधार पर। हम किसी के अनुभवों से सहमत हों या असहमत, उनसे कुछ सीखें या उन्हें चुनौती दें, यह हमारा अधिकार है। लेकिन किसी व्यक्ति को अपने अतीत का ऐसा हिसाब देने के लिए बाध्य करना, जो हमारी कल्पना और अपेक्षा के अनुकूल हो, पाठकीय उदारता नहीं है। आत्मकथा लेखक का आत्मकथ्य है, पाठक की प्रश्नावली नहीं। लेखक अपने जीवन को जिस रोशनी में देखता है, उसी में उसे हमारे सामने रखता है। पाठक को उस रोशनी की तीव्रता पर सवाल उठाने का अधिकार है, उसे दूसरी रोशनी में देखने का भी। लेकिन यह अधिकार नहीं कि वह लेखक से अपनी पसंद की रोशनी में अपना जीवन दिखाने की मांग करे।

इस बात को समझा जाना चाहिए कि आत्मकथा केवल किसी और की ज़िंदगी में झांकने का सुराख नहीं होती है। वह हमें भी आत्मावलोकन का अवसर सुलभ कराती है। आत्मकथा की सार्थकता इसी में है कि वह हमें किसी दूसरे व्यक्ति को उसके अपने सच के साथ समझने का अवसर देती है, और पाठक की परिपक्वता इसमें है कि वह उस सच को परखते हुए भी लेखक के दृष्टिकोण का सम्मान करना सीखे।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

पुरुष खलनायक और नारी देवी समान, कहीं यह सामाजिक अन्याय तो नहीं?



सुनील दत्त गोयल

आज के सामाजिक विमर्श में एक अजीब तरह का माहौल बनता जा रहा है। ऐसा लगता है जैसे पुरुष और महिला दो बराबर इंसान नहीं, बल्कि एक पीड़ित और दूसरा हमेशा दोषी पक्ष हैं। महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाना बिल्कुल जरूरी है, लेकिन क्या हर पुरुष को संभावित अपराधी मान लेना भी न्याय है? क्या पति या पुरुष का होना ही उसे संदेह के घेरे में खड़ा करने के लिए पर्याप्त है?

नारी को अबला कहकर सदियों तक उसके साथ अन्याय हुआ, इसमें कोई दो राय नहीं। लेकिन इसका समाधान यह नहीं हो सकता कि अब पुरुष को हर समस्या की जड़ और हर रिश्ते का खलनायक बना दिया जाए। नारी को देवी बनाने की कोशिश में भी हमने उसका सामान्य मानवीय अस्तित्व छीन लिया था। कभी उसे अबला कहा, कभी देवी कहा, कभी त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति बना दिया। जरूरत इस बात की है कि महिला को महिला ही रहने दिया जाए, एक स्वतंत्र और सम्मानित इंसान के रूप में। ठीक उसी तरह पुरुष को भी केवल कमाने वाली मशीन, कठोर व्यक्ति या संभावित अपराधी समझना बंद करना होगा।

परिवार पति और पत्नी दोनों से बनता है। दोनों के अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। बराबरी का अर्थ यह नहीं कि एक पक्ष को कानून और सामाजिक सहानुभूति मिले, जबकि दूसरा हमेशा सफाई देता रहे।

नारी अधिकारों के नाम पर कानूनी सुरक्षा के दुरुपयोग पर भी चर्चा जरूरी है। यदि कोई पत्नी पति को मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित करे, वैवाहिक विवादों में मुकदमे की धमकी दे या उसकी भावनाओं और आत्मसम्मान की अनदेखी करे, तो ऐसे व्यवहार को नारीवाद नहीं कहा जा सकता। समानता का अर्थ अधिकारों के साथ जवाबदेही भी है, चाहे मामला किसी भी पक्ष का हो।

बराबरी का मतलब अधिकारों की बराबर हिस्सेदारी है, अत्याचार करने की छूट नहीं। यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पुरुषों के मानसिक उत्पीड़न पर सार्वजनिक चर्चा बेहद कम दिखाई देती है। किसी पुरुष के साथ वैवाहिक हिंसा हो, उसे लगातार अपमानित किया जाए, उसकी कमाई पर नियंत्रण रखा जाए, उसे बच्चों से दूर करने की धमकी दी जाए या उसके खिलाफ झूठे आरोप लगाए जाएं, तो समाज अक्सर उसे गंभीरता से नहीं लेता। उलटे उससे कहा जाता है, तुम पुरुष हो, सहन करो। यही सोच बदलनी होगी। मीडिया में महिलाओं के साथ अन्याय को प्रमुखता मिलती है, लेकिन मानसिक प्रताड़ना, अपमान या झूठे आरोपों से पीड़ित पुरुषों की कहानियां अक्सर अनसुनी रह जाती हैं। यह दोहरा मापदंड भी चिंता का विषय है।

महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और यौन अपराध वास्तविक समस्याएं हैं, जिनके खिलाफ मजबूत कानून जरूरी हैं। लेकिन कानून के दुरुपयोग पर भी निष्पक्ष चर्चा होनी चाहिए। विवाह युद्ध का मैदान नहीं है। पति-पत्नी एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी समझने लगें, तो नुकसान केवल उनका नहीं, पूरे परिवार का होता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान बच्चों को होता है।

बच्चे यह नहीं देखते कि कानून किसके पक्ष में है, वे सिर्फ देखते हैं कि माता-पिता एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। लगातार तनाव, मुकदमेबाजी और आरोप-प्रत्यारोप उनके मानसिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए गंभीर अपराध या वास्तविक सुरक्षा खतरे को छोड़कर, हर वैवाहिक विवाद को तुरंत कानूनी युद्ध बनाने के बजाय संवाद, परामर्श और मध्यस्थता को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दुनिया के अधिकांश देशों में कानून का मूल सिद्धांत समान कानूनी संरक्षण है। भारत का संविधान भी समानता और कानून के समक्ष समान संरक्षण की गारंटी देता है। फिर भी महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई लिंग-विशिष्ट कानून और प्रावधान मौजूद हैं। सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान न्याय सुनिश्चित कर रहे हैं या कहीं लैंगिक असंतुलन भी पैदा कर रहे हैं? कानून का उद्देश्य किसी एक लिंग को विशेषाधिकार देना नहीं, बल्कि हर नागरिक को समान न्याय, सुरक्षा और गरिमा देना होना चाहिए।

कानून और मीडिया, दोनों स्तरों पर एक और सवाल महत्वपूर्ण है। मुकदमा सही हो या गलत, फैसला बाद में होता है, लेकिन महिला की पहचान अक्सर छिपी रहती है और पुरुष का नाम जल्दी सार्वजनिक हो जाता है। बाद में निर्दोष साबित होने पर भी तब तक उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा और करियर को नुकसान हो चुका होता है। क्या अदालत के फैसले से पहले ही किसी व्यक्ति को दोषी मान लेना न्यायसंगत है?

कानूनी व्यवस्था का एक पहलू और विचारणीय है। महिला से जुड़े मामलों में महिला पुलिस थानों और कई बार महिला अधिकारियों या न्यायिक अधिकारियों की भूमिका को प्राथमिकता दी जाती है। सवाल है, क्या इसका अर्थ यह है कि पुरुष अधिकारियों की निष्पक्षता पर भरोसा नहीं किया जा सकता? और यदि ऐसा नहीं है, तो फिर यह व्यवस्था अपने आप में लैंगिक असमानता का संकेत क्यों न मानी जाए? आखिर पुरुष की बात कौन सुनेगा? यदि शुरुआत से ही यह मान लिया जाए कि महिला की बात महिला अधिकारी ही बेहतर समझ सकती है, तो क्या इससे न्यायिक प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही एक तरह का पूर्वाग्रह पैदा नहीं होता?

आज महिलाएं शिक्षा, रोजगार और हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं और कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रही हैं। यह निश्चित रूप से सकारात्मक बदलाव है। लेकिन समानता के साथ यह सवाल भी जरूरी है कि विशेष अधिकारों की सीमा क्या होनी चाहिए। किसी एक वर्ग की सुरक्षा दूसरे वर्ग के अधिकारों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

कानून का उद्देश्य पुरुषों को कटघरे में खड़ा करना नहीं, बल्कि हर नागरिक को समान न्याय, सुरक्षा और गरिमा देना होना चाहिए। पुरुष कोई अलग प्रजाति नहीं है। वह भी किसी का बेटा, भाई, पति या पिता है। हर पुरुष को संभावित खलनायक मानने की सोच परिवार और समाज दोनों के लिए नुकसानदेह है। हमें ऐसा समाज बनाना है जहां पुरुष और महिला एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हों।

एक कचौरी, दो समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसा!

नारी अपने आप की, नहीं किसी के बाप की!

इस तरह के कथित नारे आजकल सड़कों पर, टीवी और सोशल मीडिया पर से सुनने को मिलते हैं। इससे यह सवाल उठता है कि हमारी नई पीढ़ी की कुछ लड़कियाँ किस दिशा में जा रही हैं, उनकी सोच का स्तर क्या है और उनके भविष्य की दिशा क्या होगी। इस पर मुझे अलग से टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं है।

अभी हाल ही में इन्हीं प्रदर्शनों के दौरान एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें बहुत-सी महिलाएँ इस तरह के नारे गा रही थीं। वहाँ डीजे चलाने वाले पुरुष थे, शराब परोसने वाले पुरुष थे और बाउंसर भी पुरुष ही थे। उन्हीं पुरुषों के सामने ये नारे लगाए जा रहे थे। तो जब पुरुषों पर भरोसा ही नहीं है, तो सबसे पहले बाउंसरों को हटाकर देखिए कि फिर क्या होता है!

अगर इन महिलाओं को पुरुषों से इतनी ही तकलीफ है, तो वे अपने घर जाएँ। घर में उनके पिताजी, भाई, नाना, मामा, दादा, फूफा और जीजा जैसे रिश्तों में पुरुष ही मिलेंगे। पहले उनकी आँखों में आँखें डालकर उनसे सवाल करें और उन्हें थप्पड़ मारें। उनसे कहें कि हमें तुम पर भरोसा नहीं है।

ऐसी घटनाओं से यही सवाल उठता है कि आखिर इन महिलाओं को पुरुषों पर भरोसा करना है या नहीं, और यदि नहीं, तो उनके इस विरोधाभास का आधार क्या है?

क्या आपने कभी अपने पूरे जीवनकाल में किसी पुरुष या मर्द को इस तरह के नारे लगाते हुए देखा या सुना है? पुरुष अकेले ही अपनी यात्राओं में कठिनाइयाँ और पीड़ाएँ सह लेता है, लेकिन इस तरह की बेतुकी बातें नहीं करता।

प्रकृति ने जीवन की संरचना ही नर और मादा के संतुलन और सहयोग पर आधारित की है। मनुष्य हों, पशु-पक्षी हों या वनस्पतियां, जीवन की निरंतरता के लिए प्रकृति ने अलग-अलग जैविक भूमिकाएं निर्धारित की हैं। परागण से लेकर प्रजनन तक, प्रकृति का मूल सिद्धांत सहयोग और संतुलन है, संघर्ष नहीं।

लैंगिक समानता का अर्थ पुरुष और महिला को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा करना नहीं, बल्कि दोनों को समान सम्मान, अवसर और न्याय देना है। नारीवाद का उद्देश्य महिलाओं को पुरुषों से ऊपर उठाना नहीं, बल्कि बराबरी का अधिकार दिलाना है। पुरुष का सम्मान, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान और पिता होने के अधिकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। महिला के साथ अन्याय हो तो आवाज उठनी चाहिए और पुरुष के साथ अन्याय हो तो भी। झूठे आरोप लगाने वाला कोई भी हो, उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। कानून महिलाओं की सुरक्षा करे, लेकिन निर्दोष पुरुषों को भी न्याय मिले।

असली लक्ष्य पुरुष या महिला की जीत नहीं, बल्कि न्याय की जीत है। महिला को सम्मान देने के लिए पुरुष का अपमान जरूरी नहीं है। यही वास्तविक समानता का आधार है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

भारतीय पंथनिरपेक्षता की अवधारणा : संविधान सभा की बहसों का पुनर्पाठ

बॉम्बे उच्च न्यायालय की दीपावली संबंधी टिप्पणियों के संदर्भ में



सूर्यप्रतापसिंह राजावत

बॉम्बे उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियों ने दीपावली, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय पंथनिरपेक्षता की अवधारणा को लेकर एक बार फिर संवैधानिक विमर्श को प्रासंगिक बना दिया है। दीपावली के अवसर पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अभिनेता दीया मिर्जा द्वारा प्रस्तुत एक वीडियो को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के सोशल मीडिया मंचों से हटाए जाने का मामला न्यायालय के समक्ष आया। इस प्रकरण पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति गिरीश एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति डॉ. नीला गोखले की खंडपीठ ने प्रश्न उठाया कि क्या भारत एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र नहीं है? न्यायालय ने कहा कि किसी व्यक्ति को केवल उसके धर्म अथवा पंथ के आधार पर किसी त्योहार के उत्सव से अलग नहीं किया जा सकता। पर्यावरण संरक्षण किसी एक धर्म या समुदाय का विषय नहीं, बल्कि सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है, क्योंकि सभी एक ही वायु में साँस लेते हैं।

न्यायालय की ये टिप्पणियाँ हमें एक महत्त्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न पर पुनर्विचार करने का अवसर देती हैं– भारत में पंथनिरपेक्षता का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या इसका अर्थ सार्वजनिक जीवन से धर्म और आध्यात्मिक परंपराओं को पूरी तरह अलग कर देना है, अथवा भारतीय पंथनिरपेक्षता की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक और सभ्यतागत विशेषताएँ हैं? इन प्रश्नों का उत्तर खोजने के लिए वर्तमान पीढ़ी, विशेषकर न्यायपालिका और संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों को संविधान सभा की बहसों का पुन: अध्ययन करना चाहिए। संविधान की व्याख्या उसके निर्माण के समय हुए वैचारिक विमर्श और ऐतिहासिक परिस्थितियों से अलग करके नहीं की जा सकती।

इसी संदर्भ में 27 दिसंबर 1948 को संविधान सभा में एच. वी. कामथ द्वारा प्रस्तुत संशोधन संख्या 1146 पर हुई बहस विशेष महत्त्व रखती है। उन्होंने शपथ अथवा प्रतिज्ञान के प्रारूप में परिवर्तन का प्रस्ताव रखते हुए यह सुझाव दिया था कि ईश्वर के नाम पर, मैं शपथ लेता हूँ का विकल्प उपलब्ध होना चाहिए, जबकि जो व्यक्ति ऐसा नहीं करना चाहते, वे सत्यनिष्ठापूर्वक प्रतिज्ञान कर सकें। इस प्रकार उनके प्रस्ताव में ईश्वर के नाम पर शपथ और बिना किसी धार्मिक उद्घोष के प्रतिज्ञान, दोनों विकल्पों को स्थान देने का प्रयास था।

अपने प्रस्ताव के समर्थन में कामथ ने ईश्वर और मानव जीवन के संबंध को स्पष्ट करते हुए प्रसिद्ध अंग्रेजी कवि फ्रांसिस थॉम्पसन की कविता द हाउंड ऑफ हेवन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य जितना अधिक ईश्वर से दूर भागने का प्रयास करता है, ईश्वर उतनी ही अधिक तत्परता से उसका अनुसरण करता है। कविता की पंक्तियाँ हैं–fled Him down the nights and down the days, I fled Him down the arches of the years.; अर्थात मनुष्य रातों, दिनों और वर्षों के लंबे गलियारों में ईश्वर से भागता रहता है, किंतु ईश्वर अविचल गति से उसका पीछा करता रहता है।

कामथ ने अपने तर्क के समर्थन में राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और सरदार वल्लभभाई पटेल के वक्तव्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्वतंत्रता दिवस के संदेश में कहा था कि ईश्वर की सहायता और गांधीजी के नेतृत्व में भारत ने स्वतंत्रता का संघर्ष जीता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद की अस्थायी सरकार के नेतृत्व में ईश्वर के नाम पर मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कहकर शपथ ली थी। सरदार पटेल ने भी देश में स्थिरता स्थापित होने पर ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की थी। इन उदाहरणों के माध्यम से कामथ ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय जीवन में आध्यात्मिक चेतना के महत्त्व को रेखांकित किया।

उन्होंने सदन को स्मरण कराया कि भारत एक अमर आध्यात्मिक विरासत का उत्तराधिकारी है। यह विरासत भौतिक अथवा सांसारिक नहीं, बल्कि आत्मा की शाश्वत विरासत है। उन्होंने आठाह किया कि भारत अपनी प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक प्रतिभा के प्रति सच्चा बना रहे। स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने आध्यात्मिक रूप से विश्व को जीतने की आकांक्षा व्यक्त की। अंत में महात्मा गांधी के प्रिय भजन की पंक्तियाँ उद्धृत कीं–ईश्वर-अल्लाह तेरे नाम, सबको सन्मति दे भगवान। यह अभिव्यक्ति भारतीय परंपरा में विभिन्न आस्थाओं के समन्वय और पारस्परिक सम्मान की भावना को दर्शाती है।

कामथ के वक्तव्य का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष पंथनिरपेक्षता की उनकी व्याख्या थी। उन्होंने उन राजनेताओं की आलोचना की, जो पश्चिमी नारों का अनुकरण करते हुए यह मानते थे कि पंथनिरपेक्ष राज्य में ईश्वर का उल्लेख वर्जित होना चाहिए। उनके अनुसार, पंथनिरपेक्ष राज्य का अर्थ ऐसा राज्य है, जो सत्य, ईश्वर और शाश्वत मूल्यों से प्रेरित हो, किंतु किसी विशेष धर्म अथवा पंथ के प्रति पूर्वाग्रह न रखता हो। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति, नीतियाँ और सभ्यता आध्यात्मिक चेतना से विकसित हुई हैं। यदि इस चेतना को ही निष्कासित कर दिया जाए, तो स्वराज का वास्तविक अर्थ समाप्त हो जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके स्वप्न का स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि रामराज्य था। भारत की वास्तविक पीड़ा केवल राजनीतिक स्वतंत्रता खोने की नहीं, बल्कि आध्यात्मिक स्वतंत्रता के क्षीण होने की भी थी। उन्होंने सोमनाथ पर हुए आक्रमण का उल्लेख करते हुए इसे भारत की आध्यात्मिक स्वतंत्रता पर आघात बताया। उनके अनुसार, वास्तविक स्वराज का अर्थ रामराज्य था। पंथनिरपेक्षता की गलत व्याख्या का उदाहरण देते हुए उन्होंने आकाशवाणी के अधिकारियों के एक सम्मेलन का उल्लेख किया, जहाँ उनके अनुसार गीता, रामायण, कुरान और बाइबिल के पाठ को बंद करने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने प्रश्न किया कि यदि पंथनिरपेक्षता का अर्थ यह है कि बच्चे रामायण, गीता, कुरान अथवा ग्रंथ साहिब से परिचित ही नहीं होंगे, तो ऐसी राजनीतिक स्वतंत्रता का क्या मूल्य है?

उन्होंने प्रभावशाली शब्दों में कहा कि यदि रामराज्य से ईश्वर को ही निष्कासित कर दिया गया, तो भारत राम के बिना अयोध्या बनकर रह जाएगा। उन्होंने ब्रिटिश संसद का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ भी संसदीय कार्यवाही प्रार्थना के पश्चात प्रारंभ होती है। इससे ब्रिटेन को सांप्रदायिक राज्य नहीं कहा जा सकता। आयरलैंड और अन्य देशों में भी सार्वजनिक जीवन में ईश्वर को पूरी तरह विस्मृत नहीं किया गया है। अंतत: उन्होंने कहा कि भारतीय राज्य को ईश्वरविहीन राज्य के रूप में नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों से संपन्न राज्य के रूप में देखा जाना चाहिए। यही उनके अनुसार भारतीय पंथनिरपेक्षता का अर्थ था।

इस बहस का महत्त्व केवल शपथ के प्रारूप तक सीमित नहीं है। यह भारत की सभ्यतागत विरासत और संवैधानिक पहचान के बीच संबंधों पर संविधान निर्माण के समय उपस्थित वैचारिक विमर्श को सामने लाती है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियाँ हमें इन ऐतिहासिक बहसों की ओर लौटने का अवसर देती हैं। वर्तमान पीढ़ी, विशेषकर न्यायाधीशों, विधिवेत्ताओं और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े व्यक्तियों के लिए संविधान सभा की बहसों का अध्ययन आवश्यक है। भारतीय पंथनिरपेक्षता को समझने के लिए संवैधानिक निष्पक्षता के साथ भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि को समझना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

संविधान सभा की 27 दिसंबर 1948 की बहस हमें स्मरण कराती है कि भारतीय पंथनिरपेक्षता केवल एक राजनीतिक अवधारणा नहीं, बल्कि भारत की संवैधानिक और सभ्यतागत पहचान से जुड़ा गंभीर वैचारिक प्रश्न भी है। इन बहसों का पुनर्पाठ संविधान को उसकी मूल भावना और ऐतिहासिक संदर्भों में समझने की दिशा में आवश्यक कदम है।

–सूर्यप्रतापसिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

राशिफल



पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 16 नवम्बर, 2026

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत-2083, श्रवण नक्षत्र रात्रि 2:17 तक, गंड योग प्रात: 5:16 तक, गर करण दिन 3:11 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थि

'छठ महापर्व सनातन संस्कृति व लोक परंपराओं का प्रतीक : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री विद्याधर नगर की जेडीए और गौतम विहार कॉलोनी में छठ पूजा कार्यक्रमों में शामिल हुई

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं विद्याधर नगर विधायक दिया कुमारी ने आज लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र की जेडीए कॉलोनी एवं गौतम विहार कॉलोनी में आयोजित छठ पूजा के पावन कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने माताओं-बहनों एवं



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी।

- उन्होंने भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, खुशहाली की कामना की

समस्त श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर दिया कुमारी ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति, अटूट आस्था, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और लोक परंपराओं का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व समाज में श्रद्धा, समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। छठ पूजा के पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सूर्य उपासना और छठी मैया की आराधना की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष उमेश गुप्ता, राजेश शाह, आशुतोष पंत, विशाल सिंह , सोहन चौधरी, उदय शाह जी, मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजू मीणा, पार्षद प्रत्याशी हनुमान सैनी व सुमन अग्रवाल, सुनील कारोड़िया, रोशन सैनी , रोहिताश, सुरेश, आदि मौजूद रहे।

देवली में 500 किलो अवैध मछली पकड़ी

देवली। पिछले कई महीनो से बीसलपुर बांध में मत्स्य एक्ट का ठेका नहीं हुआ है। इसी कारण बीसलपुर बांध के जलाशय से प्रतिदिन लाखों रुपए कीमत की मछलिया चोरी चुपके निकाली जा रही है। ऐसे में देखने वाली बात तो यह है कि प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए का राजस्व देने वाला बीसलपुर बांध के जलाशय से प्रतिदिन लाखों रुपए कीमत की मछलियां चोरी होने की जानकारी जयपुर और टोंक जिला मत्स्य विभाग बखूबी प्राप्त है। उसके बावजूद मत्स्य विभाग ने अब तक बीसलपुर बांध के जलाशय से मछली आखेट का ठेका जारी नहीं किया है।

गौरतलब है कि अभी हाल ही में चार दिन पहले बीसलपुर बांध के नेगड़िया नदी मैं हो रहे अवैध मछली शिकार के विरुद्ध देवली पुलिस ने कार्रवाई की थी।

इस कार्रवाई को लेकर शहर मे स्थानीय पुलिस पर कई सवालिया खड़े हो गये थे और पुलिस की उक्त कार्रवाई चर्चाओं का विषय बनी हुई थी। शायद इसी को ध्यान में रखकर देवली पुलिस ने एक बार फिर उक्त अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई करने की क्रियता दिखा कर भारी मात्रा में अवैध मछलिया जप्त कर ली।

देवली पुलिस ने रविवार को बीसलपुर बांध में मछलियां चोरी करने वाले सक्रिय गिरोह के सरगना के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 500 किलो अवैध मछलियों सहित एक पिकअप वाहन को जप्त किया है।

- पुलिस ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए एक पिकअप वहां में रखी 500 किलो अवैध मछली के साथ पिकअप वाहन को जब्त किया



जयपुर के गलता तीर्थ स्थल पर श्रद्धालुओं ने छट पूजा कर सुख-शांति की मंगल कामना की।

नियम तोड़ने वाले 3 हजार 727 वाहन चालकों पर कार्रवाई

जयपुर। राजधानी में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत रविवार को एक ही दिन में 3 हजार 727 वाहन चालकों के चालान काटे गए। इनमें नो-पार्किंग जोन में खड़े 2 हजार 735 वाहन शामिल हैं।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान पर्यटन सीजन के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक जयपुर पहुंच रहे हैं। इससे शहर में यातायात का दबाव बढ़ गया है। कई चौपहिया वाहन चालक मुख्य मार्गों पर ही वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जेजेएम पर गहलोत पहले अपने कार्यकाल का हिसाब दें : दिलावर

जयपुर। जल जीवन मिशन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से लगाए गए आरोपों पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पलटवार किया है। दिलावर ने कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल पर जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत को वर्तमान सरकार पर सवाल उठाने से पहले अपने कार्यकाल में योजना के तहत हुए कार्यों और खर्च की गई राशि का हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए।

मंत्री दिलावर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जल जीवन मिशन में बड़े स्तर पर अनियमितताएं हुईं। उन्होंने कहा कि जनता के लिए स्वीकृत राशि कहां खर्च हुई और उसका वास्तविक लाभ किसे मिला, इसका जवाब तत्कालीन सरकार को देना चाहिए। दिलावर ने कहा कि अब फाइलों में काम होने की बात कहकर जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया जा रहा है।

- उन्होंने कहा कि जनता के लिए स्वीकृत राशि कहां खर्च हुई और उसका वास्तविक लाभ किसे मिला, इसका जवाब देना चाहिए
- दिलावर ने कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल पर जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाया

उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि जिनके शासनकाल में भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर मामले सामने आए, वे आज दूसरों को नसीहत दे रहे हैं।

दिलावर ने जल जीवन मिशन से जुड़े मामलों का हवाला देते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार के समय पीएचईडी विभाग के मंत्री सहित कई लोगों को जेल जाना पड़ा था। उन्होंने गहलोत से कहा कि दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपने शासनकाल में सामने आए मामलों का जवाब दें।

दिलावर ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में खर्च की गई राशि और हुए कार्यों का पूरा हिसाब जनता के सामने आना चाहिए। उन्होंने गहलोत से अपने कार्यकाल की फाइलें खुलवाकर उनकी जांच और खर्च का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की।

शिक्षा मंत्री ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के एक पूर्व सदस्य द्वारा डेढ़ करोड़ रुपए देकर नियुक्ति हासिल करने संबंधी कथित बयान को भी गंभीर बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय नियुक्तियां किस स्तर पर होती थीं और पूरे मामले में किन लोगों की भूमिका थी। दिलावर ने कहा कि ऐसे आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर भव्य समारोह आयोजित

जयपुर। जयपुर के महेश नगर स्थित 80 फीट रोड के अंबेडकर पार्क में 15 नवंबर को धरती आबा एवं महान आदिवासी जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। समारोह में भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान, आदिवासी अस्मिता तथा जल-जंगल-जमीन के अधिकारों के लिए उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

- समारोह में भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान, आदिवासी अस्मिता तथा जल-जंगल-जमीन के अधिकारों के लिए उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

कार्यक्रम का आयोजन संयोजक पूर्ण सिंह मोरिये एवं सह-संयोजक आर.एस. देव के संयोजन में किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेन्द्र सेन, सदस्य राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग एवं पूर्व नेशनल कोऑर्डिनेटर ऑल इंडिया कांग्रेस ओबीसी विभाग, रामेश्वर पुरसार्थी जी तथा सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मलिक जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, विचारों और आदिवासी समाज के अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र सेन ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान, अधिकार और सामाजिक चेतना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत, शोषण और अन्यायपूर्ण व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष कर आदिवासी समाज में नई चेतना का संचार किया।

सेन ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन पर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित एवं जागरूक किया।

जेडीए में लापरवाही पर कार्रवाई, 13 अधिकारियों-कर्मचारियों को चार्जशीट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने लापरवाह और अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। विभिन्न मामलों में 13 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आरोप पत्र (चार्जशीट) जारी किए गए हैं, जबकि 9 कार्मिकों के विरुद्ध परिनिंदा और वेतनवृद्धि रोकने जैसी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। कई अन्य कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए हैं।

- 9 कार्मिकों को परिनिंदा और वेतनवृद्धि रोकने का दंड, कई को नोटिस; 6 अभियंताओं पर विकास कार्यों में अनियमितता के आरोप
- विकास कार्यों में लापरवाही और पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने पर 6 अभियंताओं को चार्जशीट दी गई

जेडीए में जनता से जुड़ी अधिकांश सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इनके समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए एसओपी भी निर्धारित है। इसके बावजूद ऑनलाइन सेवाओं से संबंधित पत्रावलियों के निस्तारण में लापरवाही मिलने पर एक अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी और एक वरिष्ठ सहायक को परिनिंदा का दंड दिया गया। वहीं दो प्रशासनिक अधिकारियों की क्रमशः एक और दो वेतनवृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकी गईं।

अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई में ढिलाई बरतने पर भी प्रवर्तन अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है। दो अलग-अलग मामलों में एक प्रवर्तन अधिकारी की एक-एक वेतनवृद्धि रोकी गई, जबकि अतिक्रमण की शिकायत पर समय पर कार्रवाई नहीं करने वाले एक अन्य प्रवर्तन अधिकारी को परिनिंदा का दंड दिया गया।

कार्यालयीन कार्यों में लापरवाही पर दो सूचना सहायकों को दंडित किया गया है। शिकायतों के निस्तारण में अनियमितता मिलने पर एक अधिशाषी अभियंता को प्राधिकरण से कार्यमुक्त किया गया। वहीं विकास कार्यों में लापरवाही और पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने पर 6 अभियंताओं को चार्जशीट दी गई है। न्यायालयीन प्रकरण में समय पर पत्रावली प्रस्तुत नहीं करने पर एक अन्य अभियंता के विरुद्ध भी आरोप पत्र जारी किया गया।

शहर के सौंदर्यीकरण से जुड़े मीडियन, रोड साइड प्लांटेशन, ग्रीन बेल्ट और पौधों के रखरखाव में लापरवाही पर एक क्षेत्रीय अधिकारी एवं एक वनपाल के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

जेडीए आयुक्त ने स्पष्ट किया कि राजकीय दायित्वों में लापरवाही, अनियमितता और अनावश्यक देरी करने वाले किसी भी अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। प्रक्रियाधीन मामलों में भी संबंधित कार्मिकों के जवाब और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गणेश मंदिर में अन्नकूट महोत्सव

जयपुर । दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में रविवार को विशाल अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान प्रथम पूज्य गणेश के जयकारों से मंदिर परिसर सहित आसपास का क्षेत्र गूंज उठा। महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा दिल्ली और आगरा रोड से भी श्रद्धालु समूहों में पहुंचे।

मंदिर प्रबंध समिति के संरक्षक रघुवीर शरण अग्रवाल, अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं संयोजक संजय गोयल पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव के अवसर पर प्रथम पूज्य गणेश का विशेष श्रृंगार कर उन्हें विशेष पोशाक धारण कराई गई। इसके बाद गणेशजी और स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव को अन्नकूट प्रसादी का भोग लगाया गया। प्रथम पूज्य के दरबार में लड्डुओं की आकर्षक झांकी सजाई गई, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

भोग के बाद अन्नकूट प्रसादी वितरण शुरू हुआ। सबसे पहले विभिन्न मंदिरों के संत-महात्माओं ने प्रसादी ग्रहण की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ली।

पश्चिमी विक्षोभ से बदला मौसम, 10 जिलों में यलो अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव आया है। रविवार सुबह से सीकर और अलवर सहित कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। जयपुर समेत कई जिलों में आसमान में बादल छाए हुए हैं और ठंडी हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के 10 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बारिश और बादलों के चलते कई जिलों में दिन के तापमान में दो से तीन डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर और सीकर जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई।शनिवार को जैसलमेर के मोहनगढ़ में पांच मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान चित्तौड़गढ़ में 36 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम न्यूनतम तापमान सिरोही में 13.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीकर में पिछले कई दिनों से मौसम शुष्क रहने के बाद रविवार सुबह बदलाव देखने को मिला। देर रात से ही आसमान में बादल छाए रहे और सुबह सांवलोदा पुरोहितान सहित कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। अलवर में भी सुबह से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। यहां तापमान में करीब दो डिग्री की गिरावट आई है।

राजधानी जयपुर में रविवार सुबह से बादल छाए रहे और ठंडी हवाओं के कारण मौसम में ठंडक महसूस हुई। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं जोधपुर में शनिवार को बारिश की संभावना के बावजूद मौसम शुष्क रहा। यहां अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को भी जोधपुर में बारिश का अलर्ट है।

अजमेर में अधिकतम तापमान 32.4 और न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री दर्ज किया गया। कोटा में दिन का तापमान बढ़कर 34.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री रहा। यहां सुबह और शाम हल्की ठंड का असर बना हुआ है।

मौसम में बदलाव के साथ प्रदेश में दिन और रात के तापमान में अंतर बना हुआ है। शुक्रवार को भीलवाड़ा में न्यूनतम तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार 16 नवंबर से प्रदेश में मौसम साफ रहने की संभावना है।

सार-समाचार

सराफ ने सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया



जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने विधायक कोष के द्वारा प्रदत्त राशि से वार्ड 84 में शिव शक्ति मंदिर के पास गीजगढ़ विहार में बनाए गए सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। नटवर कुमावत ने बताया कि गीजगढ़ विहार में विधायक कोष से स्थानीय लोगों की मांग पर सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है। जिसका आज भव्य लोकार्पण किया गया। स्थानीय लोगों एवं विकास समिति के सदस्यों ने जोरदार स्वागत कर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, विकास समिति अध्यक्ष मनीष गोयल,सचिव निशा जैन, पार्षद प्रत्याशी हेमराज खींची, डॉक्टर जगदीश मोदी, एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

विद्यांश ने युवा संसद में कममेंडेशन फॉर एक्सीलेंस अवॉर्ड हासिल किया



जयपुर। जयपुर के होनहार 13 वर्षीय छात्र विद्यांश को कममेंडेशन फॉर एक्सीलेंस अवार्ड और 7 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में यूथ अफेयर्स की ओर से हाल ही आयोजित दो दिवसीय युवा संसद जयपुर 2.0 के मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी थे। युवा संसद में देशभर से आए स्कूल, कॉलेज के छात्रों और वर्किंग प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विद्यांश ने सोनिया गांधी के प्रतिनिधि के रूप में अपनी बात रखी। पहले दिन का विषय " से तक: भारत की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार" था, जिसमें पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा हुई। वहीं दूसरे दिन "महिला आरक्षण और परिसीमन" पर बहस हुई। विद्यांश ने आत्मविश्वास के साथ सोनिया गांधी का प्रतिनिधित्व करते हुए शिक्षा प्रणाली, पेपर लीक और महिला आरक्षण पर प्रभावी भाषण दिया। उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति, समर्पण और संसदीय कार्यवाही में बेहतरीन योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया। पुरस्कार यूथ अफेयर्स के फाउंडर हसन अमान और सयंतनी ने प्रदान किये । कार्यक्रम में कुल 40 हजार रुपये के कैश प्राइज पूल की घोषणा की गई थी, जिसमें से विद्यांश को 7 हजार रुपये का पुरस्कार मिला।

जयपुर में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी आज जयपुर के शास्त्री नगर में भारत विकास परिषद, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र द्वारा आयोजित क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 2026 के समापन सत्र में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और भारतीय लोक संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति है। इस तरह के आयोजन राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वंचित वर्ग के बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया



कार्यक्रम में बच्चों को उपहार वितरित किए ।

जयपुर। बाल दिवस के अवसर पर मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान की ओर से जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग के बच्चों के साथ बाल दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को खुशियों के पल प्रदान करने के साथ उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना था।

ट्रस्ट सीइओ कौशल सत्यार्थी ने कहा कि बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह हमें प्रत्येक बच्चे को समान अवसर, सम्मान, शिक्षा और बेहतर भविष्य प्रदान करने की जिम्मेदारी का भी एहसास कराता है। ट्रस्ट ने भविष्य में भी बच्चों की शिक्षा, प्रतिभा विकास एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए ऐसे आयोजन निरंतर करते रहने का संकल्प व्यक्त किया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य , चिकित्सक ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम में बच्चों के लिए मनोरंजक खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां, चित्रकला प्रतियोगिता, स्टोरीटेलिंग आदि रोचक आयोजन किए गए। इस अवसर पर सभी बच्चों को उपहार वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। ट्रस्ट निरंतर वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। ट्रस्ट की महासचिव दुर्गा वर्मा ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

जयपुर स्थापना दिवस पर राजस्थान फोटो फेस्टिवल की पेंटिंग प्रदर्शनी शुरू

जयपुर । जयपुर स्थापना दिवस और शहर के 300 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो एवं पेंटिंग प्रदर्शनी के पांचवें संस्करण का रविवार को शुभारंभ हुआ। आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलरी में आयोजित

- 100 से अधिक फोटोग्राफर और कलाकारों ने लिया भाग
- 19 नवंबर तक आईटीसी राजपूताना में देख सकेंगे शहरवासी पुरानी और नई जयपुर की विरासत



राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो एवं पेंटिंग प्रदर्शनी के पांचवें संस्करण का रविवार को शुभारंभ हुआ

प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस पवन अरोड़ा, राजस्थली की निदेशक माया ठाकुर, आईटीसी की रेजिडेंट मैनेजर पारुल कपूर, आईएएस गोपालराम बिरदा, आरएएस पंकज ओझा और टीटू तनवानी ने किया।

यह प्रदर्शनी 19 नवंबर तक चलेगी। इसमें शहरवासी जयपुर की पुरानी और नई तस्वीरों के माध्यम से शहर के इतिहास, संस्कृति और स्थापत्य विरासत को करीब से देख सकेंगे। प्रदर्शनी में हेरिटेज स्मारकों, परकोटा क्षेत्र, मंदिरों, त्योहारों, पुरानी गलियों और जयपुर की सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ी तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। पूर्व महाराजा भवानी सिंह की पुरानी तस्वीरें भी आकर्षण का केंद्र रहीं।

मुख्य अतिथि पवन अरोड़ा ने प्रदर्शित तस्वीरों और पेंटिंग्स की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर शुरू हुई यह प्रदर्शनी शहर के इतिहास, संस्कृति और विरासत को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। जयपुर की विरासत को संजोकर रखना और इसकी खूबसूरती बनाए रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने जयपुर वासियों से अपील की कि वे प्रदर्शनी देखने आएं और शहर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जयपुर के 300 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वर्ष 2026-27 में पूरे साल कला और संस्कृति से जुड़े आयोजन किए जाएंगे।

अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर हुए ब्लास्ट मामले में पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया

आईएसआई के कहने पर रेलवे ट्रैक पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाकर पैसेंजर ट्रेन को उड़ाने की साजिश थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर तीन नवम्बर को हुए ब्लास्ट के मामले में राजस्थान एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। ब्लास्ट में पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया है, जिसमें आईएसआई के कहने पर रेलवे ट्रैक पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाकर पूरी पैसेंजर ट्रेन को उड़ाने की साजिश थी। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे लाइन पर 50 जीबी गांव के पास हुए ब्लास्ट के मामले गुरदासपुर से एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एटीएस के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और आतंकी नेटवर्क ने भारत के युवाओं और लड़कियों को पैसे व प्यार के जाल में फंसाने का नया मॉडल अपनाया है। ब्लास्ट के मामले में पकड़े गए दोनों आरोपियों को महज 2.23 लाख रुपए दिए गए थे। इनमें एक लाख कैश और बाकी ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए थे। पाकिस्तानी हैंडलर के जाल में फंसकर ड्रोन से गिराए गए टाइम बम रेल पटरी पर लगाए थे। गनीमत रही कि टाइमिंग में चूक होने से यह बम पैसेंजर ट्रेन के गुजरने के करीब आधे घंटे बाद फटा, जिससे एक बड़ा रेल हादसा टल गया था। एटीएस ने पंजाब के गुरुदासपुर से महकदीप कौर(19) और उसके साथी देवेंद्र सिंह(23) को गिरफ्तार किया है।



रेलवे ट्रेक पर ब्लास्ट के मामले में गिरफ्तार युवक व युवती।

- ब्लास्ट के मामले में पकड़े गए दोनों आरोपियों को महज 2.23 लाख रुपए दिए गए थे, पाकिस्तानी हैंडलर के जाल में फंसकर ड्रोन से गिराए गए टाइम बम रेल पटरी पर लगाए थे
- दोनों गिरफ्तार आरोपियों को रविवार को अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एंव न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 में पेश किया, जहां से आठ दिन की रिमांड पर भेजा
- आरोपियों के पास से 30 हजार रुपए, दो विदेशी पिस्टल और 40 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं, जिन पर 'पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी' की मुहर लगी है

दोनों को रविवार को अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एंव न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 में पेश किया गया, जहां से आठ दिन की रिमांड पर भेजा है।

एटीएस के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी महकदीप कौर की शादी करीब 2 साल पहले करण नाम के युवक से हुई थी, 24 दिसंबर 2024 को उनका तलाक हो गया। फरवरी 2025 में करण हेरोइन तस्करी के मामले में जेल चला गया। जब महकदीप जेल में करण से मिलने गई, तो करण ने उसे पैसों के इंतजाम के लिए पाकिस्तान बैठे 'लवली' नाम के एक तस्कर का नंबर दिया। देवेंद्र और महकदीप 12वीं में स्कूल में साथ में पढ़ते थे और रिलेशनशिप में थे। महकदीप ने देवेंद्र से बात की। फिर करण से नंबर लेने के बाद पाकिस्तान में लवली से बात करना चालू कर देती है। लवली ने उसे बताया कि मेरा एक दोस्त शाह है, जो पाकिस्तान में है। इसके बाद महकदीप का शाह से संपर्क हुआ और वह उसके प्यार में पड़कर रोमांटिक बातें करने लग जाती है। 12 अक्टूबर को शाह ने वीडियो कॉल पर महकदीप और देवेंद्र की बात पाकिस्तान में बैठे अपने 'चाचा' से करवाई। चाचा ने दोनों को भारी रकम की लालच देकर रेलवे ट्रैक पर आईईडी टाइम बम लगाने का काम सौंपा। इसके बाद शाह ने वीडियो कॉल के जरिए ही दोनों को टाइम बम सेट करने और ब्लास्ट करने की ट्रेनिंग दी। दोनों आरोपी पहली बार 6 अक्टूबर को श्रीगंगानगर के विजयनगर आए, लेकिन बताई गई लोकेशन पर बम नहीं मिलने के कारण खाली हाथ लौट गए। इसके बाद 12-13 अक्टूबर को वे दोबारा आए और रामसिंहपुर-विजयनगर के बीच पटरी पर दो टाइम बम लगाए। हालांकि, तार टूटने और तकनीकी खराबी के कारण दोनों बम नहीं फटे। जब दोनों ने फोन कर किसी स्थानीय व्यक्ति से ब्लास्ट की पुष्टि की और बम न फटने की बात पता चली तो पाकिस्तानी हैंडलर चाचा और लवली ने दोनों को जमकर फटकार लगाई।

एटीएस के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि तीसरी बार दोनों 30 अक्टूबर को श्रीगंगानगर पहुंचे और श्रीगंगानगर के एमआर होटल में रुके। उन्हें पंजाब बॉर्डर पर ड्रोन ड्रॉपिंग के जरिए भेजा गया बम मिला। 1 और 2 नवंबर को मौका नहीं मिलने के बाद, 3 नवंबर की शाम दोनों ने 50 जीबी गांव के पास पटरी पर टाइम बम लगाया और वापस पंजाब भाग गए। रात करीब 9:45 बजे तेज धमाका हुआ, जिससे ट्रैक करीब 10 घंटे बाधित रहा।

एडीजी ने बताया कि एटीएस ने 5 लाख से अधिक मोबाइल डेटा और 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद अमृतसर की सीआई सेल और गुरदासपुर एसपी की मदद से दोनों को कलानौर थाना क्षेत्र से दबोचा। आरोपियों के पास से 30 हजार रुपए नकद, दो विदेशी पिस्टल और 40 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं, जिन पर 'पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री' की मुहर लगी है।

बीकानेर आईजी ओमप्रकाश और श्रीगंगानगर एसपी हरिशंकर ने बताया कि पाकिस्तान बॉर्डर से सटे पंजाब के जिलों (गुरदासपुर, तरनतारन, फाजिल्का) और राजस्थान के श्रीगंगानगर की भाषा व संस्कृति एक जैसी है। बॉर्डर पार बैठे हैंडलर इसी समानता और रिश्तेदारियों का फायदा उठाकर स्थानीय युवाओं को आसानी से अपना मोहरा बना रहे हैं। फिलहाल पुलिस उस कैब ड्राइवर से भी पूछताछ कर रही है, जिसने आरोपियों को श्रीगंगानगर से विजयनगर छोड़ा था।

उदयपुर जिले में दो कारों से 95 किलो डोडा-चूरा बरामद

नुकीली स्टिक फेंककर तस्करों की कार का टायर पंक्चर किया

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले की गोगुंदा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक साथ दो बड़ी कार्रवाई की हैं। पुलिस टीम ने एक के बाद एक दो कारों से करीब 95 किलो अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। उदयपुर की तरफ से आ रहे तस्करों ने पुलिस की नाकेबंदी देखकर रुकने के बजाय गाड़ियां भगाने की कोशिश की। इस पर पुलिस जवानों ने नुकीली स्टिक फेंककर एक कार के टायर पंक्चर कर दिए और दूसरी कार का पीछा किया। खुद को चारों तरफ से घिरता देख दोनों कारों में सवार तस्कर टोल प्लाजा के पास गाड़ियां लावारिस छोड़कर जंगल में भाग निकले।

- गिरफ्तारी से बचने के लिये दो गाड़ियों को छोड़कर जंगल में भागे तस्कर
- पुलिस को ब्रेजा कार के अंदर से अलग-अलग नंबरों की प्लेटें भी मिली

उदयपुर एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर गोगुंदा थानाधिकारी प्रवीण सिंह राजपुरोहित और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की है। हाईवे पर एक ही जगह लगातार दो गाड़ियां पकड़े जाने से डोडा चूरा तस्करों में हड़कंप मच गया। पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की आई-10 कार में अवैध डोडा-चूरा भरकर ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने तुरंत बायण माता कट पर सख्त नाकेबंदी कर दी और गाड़ियों की चेकिंग शुरू की। इसी दौरान उदयपुर की तरफ से एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार आती दिखाई दी। पुलिस ने जब मौके पर दोनों गाड़ियों की तलाशी ली, तो उनके अंदर कट्टों में भरा डोडा-चूरा मिला। पुलिस ने जब इसका वजन करवाया तो आई-10 कार से करीब 46 किलो और ब्रेजा कार से करीब 49 किलो डोडा-चूरा निकला। पुलिस ने कुल 95 किलो डोडा-चूरा और दोनों कारों को जब्त कर गोगुंदा थाने पर खड़ा करवाया है। तलाशी के दौरान पुलिस को ब्रेजा कार के अंदर से अलग-अलग नंबरों की प्लेटें भी मिली हैं। तस्कर अलग-अलग इलाकों में पुलिस और टोल कैमरों को चकमा देने के लिए इन फर्जी नंबर प्लेटों का इस्तेमाल करते थे। भागे हुए तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने आसपास के जंगलों और पहाड़ियों में करीब 3 घंटे तक सघन तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन घने जंगल की वजह से तस्कर हाथ नहीं लगे। दोनों गाड़ियां टोल प्लाजा के ठीक पहले और आगे लावारिस हालत में मिली हैं। ऐसे में पुलिस अब टोल प्लाजा और हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि कार चला रहे तस्करों के हुलिए और चेहरे पहचाने जा सके। इसके अलावा ब्रेजा कार में अलग-अलग नंबर प्लेट मिलने की वजह से पुलिस अब दोनों कारों के इंजन और चेसिस नंबर के जरिए परिवहन विभाग से उनके असली मालिकों का रिकॉर्ड निकाल रही है।

कॉलेज जाने की बात कहकर निकली युवती लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 21 साल की युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती अपने ननिहाल से कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी। अलमारी में रखे जेवरात, नगदी रुपए और डॉक्यूमेंट भी गायब मिले। अब पुलिस युवती की तलाश कर रही है।

युवती के लापता होने के केस में उसके मामा ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी भांजी हमेशा से ही ननिहाल में रह रही है। 11 नवंबर की सुबह वह कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। जब उसे कॉल किया तो

- अलमारी में रखे जेवरात, नगद रुपए और डॉक्यूमेंट भी गायब मिले

मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ था। कॉलेज में जाकर मालूम किया तो पता चला कि आज तो कॉलेज की छुट्टी थी। इसके बाद जब घर जाकर अलमारी चेक की तो भांजी के डॉक्यूमेंट्स, नगदी और जेवरात गायब मिले। मामा ने एक युवक पर शक जताया, क्योंकि उस युवक ने धमकी दी थी कि वह भांजी को लेकर चला जाएगा। ऐसे में जब शक के आधार पर उस युवक के भाई को कॉल किया गया तो उसने भी कोई ठीक जवाब नहीं दिया। फिलहाल पुलिस युवती की तलाश कर रही है।

वहीं 17 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने के केस में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी बेटी नौ नवंबर की शाम घर से बिना बताए कहीं पर चली गई। इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चल पाया। जब परिवार ने अपने स्तर पर मालूम किया तो सामने आया कि कोई युवक अपने दो दोस्तों के साथ आया था जो उनकी बेटी को लेकर चला गया। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोटा में युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार जवाहर नगर निवासी 19 वर्षीय युवक तलवंडी स्थित अपने दादी के निवास पर गया था, जहां युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया। परिजनों ने जब युवक को फंदे पर लटका देखा तो उसे उतारकर निजी अस्पताल लेकर गये, जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिये रैफर किया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जवाहर नगर पुलिस ने बताया कि जवाहर नगर निवासी गीत जैन (19) जो पिता के साथ मैस का संचालन करता था, तलवंडी स्थित अपने दादी के घर पर गया हुआ था, जहां युवक ने कमरे में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया।

गले में रस्सी का फंदा फंसने से 13 साल के बच्चे की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर थाना क्षेत्र के पीपलूंद गांव में एक 13 वर्षीय मासूम की गले में रस्सी का फंदा फंसने से दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

- जहाजपुर थाना क्षेत्र के पीपलूंद गांव की है घटना

घटना जहाजपुर थाना क्षेत्र के पीपलूंद गांव की है। यहाँ रहने वाले राजू गुर्जर का 13 वर्षीय बेटा विकास शनिवार सुबह अपने घर पर ही खेल रहा था। खेलते-खेलते अचानक वह एक बड़े हादसे का शिकार हो गया। खेल के दौरान ही गले में रस्सी का फंदा कस जाने से उसकी हालत गंभीर हो गई। पास ही मौजूद उसके भाई शंकर ने जब विकास को इस हालत में देखा, तो उसकी चीख निकल पड़ी। भाई की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य तुरंत मौके पर दौड़े। परिजन आनन-फानन में मासूम विकास को लेकर जहाजपुर अस्पताल पहुँचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत की खबर मिलते ही माता-पिता और परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में जिस बच्चे की किलकारियां गूंजती थीं, वहाँ अब सिर्फ चीख-पुकार और सिसकियां गूँज रही हैं। विकास तीन भाई-बहनों में इकलौता भाई था। महज 13 साल की उम्र में उसकी इस तरह अचानक हुई मौत से पूरा पीपलूंद गांव शोक में डूबा हुआ है। सूचना मिलते ही जहाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल, पुलिस इस पूरे हादसे के कारणों की बारीकी से जांच कर रही है।

उदयपुर में पांच दिन में 2.9 डिग्री तापमान गिरा

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। तापमान में लगातार गिरावट के साथ अब सर्दी का असर धीरे-धीरे तेज होने लगा है। रात और सुबह के समय ठिठुरन महसूस होने लगी है।

रविवार को भी सुबह से मौसम में ठंडक बनी रही। बीते पांच दिनों में दिन के तापमान में 2.9 डिग्री और रात के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को भी सुबह से मौसम में ठंडक बनी रही। बीते पांच दिनों में दिन के तापमान में 2.9 डिग्री और रात के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

बीकानेर में पश्चिमी विक्षोभ से मौसम बदला

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक साबित हुई। पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार रात बीकानेर शहर सहित आसपास के इलाकों में कई दौर में बारिश हुई। रविवार सुबह भी श्रीडूंगरगढ़ और आसपास के गांवों में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई है और मौसम में ठंडक बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर तक बीकानेर में बादल नहीं थे। तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, लेकिन शाम होते-होते आसमान में बादल छा गए। शाम करीब 7 बजे बारिश शुरू हुई, जो लगभग 15 मिनट तक तेज गति से बरसी। इसके बाद रात 8 बजे, साढ़े 9 बजे और उसके बाद करीब 12 बजे फिर तेज बारिश हुई। शहर के कई इलाकों में अलग-अलग समय पर बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में बीकानेर के तापमान में गिरावट आई है। शनिवार दोपहर जहां अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वहीं रविवार सुबह यह 30 डिग्री से नीचे आ गया। न्यूनतम तापमान भी 21 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते मौसम में ठंडक महसूस की जा रही है। बीकानेर शहर के अलावा श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में भी रविवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। ग्रामीण इलाकों में बादलों की आवाजाही के साथ बारिश का दौर जारी रहा।

मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दो दिन बारिश की संभावना जताई थी। इसके बाद सोमवार से मौसम साफ होने की उम्मीद है। सोमवार को नोखा, जसरासर और पांचू क्षेत्र में ग्राम पंचायतों के चुनाव भी होने हैं। ऐसे में बारिश मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। हालांकि बारिश की संभावना कम होने के चलते इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के मतदान केंद्रों तक पहुंचने की उम्मीद है।

उदयपुर में पर्यटकों को परेशान करने वाले तीन युवक पकड़े

कम रेट पर शॉपिंग और होटल बुक कराने का दबाव बना रहे थे

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में आने वाले टूरिस्ट को साइड सीन, सस्ती दर पर शॉपिंग और होटल में ठहराने के लिए बार-बार परेशान करने के मामले में सूरजपोल थाना पुलिस ने 3 लपकों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ राजस्थान पर्यटन व्यवसाय अधिनियम के तहम मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने पर्यटकों को परेशान करते अकरम और कालू खान को आरएमवी रोड पार्किंग, वहीं एक अन्य को जुनेद को गुलाबबाग के पास से पकड़ा है।

- लपकों के पास गाइड या अन्य कोई वैध लाइसेंस नहीं था

जानकारी के अनुसार गश्त कर रही पुलिस ने इन लपकों द्वारा टूरिस्ट को परेशान करते हुए देखा था। लपकों से पूछताछ की तो उनके पास गाइड या अन्य कोई वैध लाइसेंस नहीं था। मामले की जांच कर रहे हैड कॉन्स्टेबल सज्जनसिंह ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद इनकी जमानत हो गई। अब पुलिस द्वारा कोर्ट में इनका चालान पेश कर आगे की कार्रवाई होगी। आगे भी टूरिस्ट को परेशान करने वाले लपकों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि लपकों ने शहर में हैंडीक्रॉफ्ट और राजस्थानी ड्रेसेज आदि की शॉप और कुछ होटल्स से 30 प्रतिशत कमीशन फिक्स कर रखा है। साइट सीन विजिट कराने की आड़ में ये अपनी चुनिंदा शॉप पर शॉपिंग का दबाव बनाते हैं। कम रेट का लालच देकर वहां खरीदारी के लिए ले जाते हैं।

गोवर्धन में गूंजे अष्टछाप के पद, संगीत महोत्सव में गायकों ने प्रस्तुति दी

जयपुर। राजस्थान की समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं संगीत परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग स्थित देवस्थान विभाग राजस्थान के श्री वनबिहारी मंदिर पर कदमखंडी, जतीपुरा में अष्टछाप के महान संत-कवि एवं संगीतज्ञ अष्टसखा गोविंद स्वामी की बैठक पर संगीत महोत्सव का आयोजन किया गया। 'कृष्ण सखा गोविंद स्वामी जी-रसिक अनन्यनि को पथ बाँको' शीर्षक से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अष्टछाप के महान कवियों के पदों का शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित रागों में गायन किया गया। विशेष रूप से अष्टसखा गोविंद स्वामी के चुनिंदा पदों की संगीतमय प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं संगीतप्रेमियों को भावविभोर कर दिया।



कार्यक्रम में अष्टसखा गोविंद स्वामी के पदों की संगीतमय प्रस्तुतियां दी गई।

- कदमखंडी स्थित गोविंद स्वामी की बैठक में हुआ अनूठा संगीत महोत्सव, 600 से अधिक पदों के रचयिता संत-कवि को स्वरांजलि दी

अष्टसखा गोविंद स्वामी राजस्थान की सांस्कृतिक, कृष्ण भक्ति एवं ब्रज परंपरा के महान संवाहक संत-कवि एवं संगीतज्ञ थे। उनका जन्म राजस्थान के भरतपुर जिले के अटारी गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी विलक्षण काव्य प्रतिभा और संगीत साधना के माध्यम से श्रीकृष्ण भक्ति को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें राधा के भाई श्रीदामा का अवतार माना जाता है। ब्रजभाषा में उनके द्वारा रचित 600 से अधिक पद उनकी आध्यात्मिक अनुभूति, काव्य प्रतिभा और संगीत साधना के परिचायक हैं। उनकी रचनाओं में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, मधुर भावों, स्वरूप सौंदर्य और दिव्य लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण मिलता है। गोवर्धन की पावन भूमि पर स्थित उनकी बैठक आज भी उनकी साधना और भक्ति परंपरा की स्मृति को संजोए हुए है। अष्टछाप की परंपरा भारतीय भक्ति साहित्य, संगीत और कृष्णभक्ति की अत्यंत समृद्ध विरासत है। इस परंपरा के आठ महान कवि-संगीतज्ञों को अष्टछाप कहा जाता है।

कार्यक्रम का आयोजन ब्रज संस्कृति संगीत समिति, वृंदावन के तत्वावधान में अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान के सहयोग से शास्त्रीय संगीतज्ञ ब्रज रसिक मधुकरजी के संयोजन में किया गया। उल्लेखनीय है कि अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान अष्टछाप के कवियों, उनके साहित्य, संगीत और आध्यात्मिक योगदान पर शोध एवं अनुसंधान के कार्य में सक्रिय है। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि गोविंद स्वामी के चुनिंदा पदों का पारंपरिक शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित रागों में सस्वर गायन किया गया। हवेली संगीत, शास्त्रीय गायन एवं कथक की सांगीतिक और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से अष्टछाप की परंपरा को अभिव्यक्ति दी गई। इस अवसर पर देवस्थान विभाग राजस्थान के वनबिहारी मंदिर के पुजारी नंदलाल शर्मा ने आयोजन के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कदमखंडी स्थित गोविंद स्वामी की बैठक में इस प्रकार का विशिष्ट संगीत आयोजन पहली बार हुआ है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को ब्रज की प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भी इस अद्भुत आयोजन के लिए शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान के संस्थापक एवं संरक्षक, प्रख्यात भागवताचार्य पंडित योगेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज के मंगलकामना संदेश के साथ उनकी टीम ने सहभागिता की। इस अवसर पर अष्टसखा गोविंद स्वामी की वंश परम्परा के कीर्तनकार डॉ. भगवान मकरंद (कामवन), जयपुर से वरिष्ठ साहित्यकार श्री रामानंद राठी, डॉ. योगेश कुमार शर्मा, सुशांति फाउंडेशन की संस्थापक राधे राधे पुष्पाजी तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. गोवर्धन लाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त अष्टछाप साहित्य, ब्रज संस्कृति और कृष्णभक्ति में रुचि रखने वाले सैकड़ों श्रद्धालु एवं भक्तजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं डॉ गोवर्धन लाल शर्मा द्वारा सम्पादित एक सुंदर रंगीन लघु पुस्तिका 'अष्टछाप : श्रीकृष्ण के अष्टसखा' का भी विमोचन हुआ, जिसे सभी श्रद्धालुओं को निशुल्क वितरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों संतों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

दुबई में हुये सड़क हादसे में चूरू जिले के तीन लोगों की मौत

चूरू, (निसं)। दुबई में हुए भीषण सड़क हादसे ने चूरू जिले के दांदू गांव के तीन परिवारों के चिराग हमेशा के लिए बुझा दिए। हादसे में जान गंवाने वाले धर्मपाल झाझड़िया और नरेंद्र झाझड़िया का रविवार को गांव में गमगीन माहौल के बीच अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व शनिवार को अम्मीलाल झाझड़िया का शव गांव पहुंचने पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ तीन युवकों की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा छा गया और हर आंख नम हो गई। हादसे में गंभीर घायल विजेंद्र सिंह का दुबई के अस्पताल में उपचार जारी है।

- एक गंभीर घायल, तीनों मृतकों का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार हुआ

प्राप्त जानकारी के अनुसार दांदू निवासी कृष्ण झाझड़िया दुबई के एक होटल में नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को रविवार की छुट्टी होने के कारण कार चालक 40 वर्षीय धर्मपाल झाझड़िया अपने साथी 40 वर्षीय अम्मीलाल झाझड़िया, 35 वर्षीय नरेंद्र झाझड़िया, विजेंद्र सिंह और ओमप्रकाश मेघवाल को उनके मकान से निजी कार में कैंप लेकर आए थे। पांचों ने दिनभर कैंप में समय साथ बिताया। शाम को धर्मपाल चारों साथियों को उनकी कंपनी के कमरे पर छोड़ने जा रहे थे। इस दौरान दुबई के जबजा इलाके में एक मोड़ पर उनकी कार ट्रोले से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अम्मीलाल झाझड़िया, नरेंद्र झाझड़िया और धर्मपाल झाझड़िया की मौके पर ही मौत हो गई। विजेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि ओमप्रकाश मेघवाल को मामूली चोट आई। हादसे की सूचना दुबई में ही एक कंपनी में कार्यरत विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद और धर्मपाल के छोटे भाई कृष्ण को मिली। तीन युवकों की मौत की खबर सुनकर दोनों स्तब्ध रह गए। उन्होंने तत्काल अस्पताल में भर्ती विजेंद्र की स्थिति की जानकारी ली। फिलहाल विजेंद्र का दुबई के अस्पताल में इलाज चल रहा है। कृष्ण ने बताया कि तीनों युवकों के शव भारत लाने की प्रक्रिया धर्मपाल के फूफा के बेटे चूरू निवासी राकेश मील और विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद ने पूरी करवाई।

कोई सात महीने पहले तो कोई 11 साल से कर रहा था दुबई में नौकरी :-हादसे का शिकार हुए युवकों में कोई पहली बार रोजगार की तलाश में दुबई गया था तो कोई वर्षों से वहां काम कर रहा था। अमीलाल करीब सात महीने पहले ही पहली बार दुबई गए थे और एक कंपनी में मजदूरी करते थे। नरेंद्र भी पहली बार 24 अक्टूबर को ही दुबई गये थे। वहीं धर्मपाल पिछले 11 वर्षों से दुबई की अजीजी कंपनी में बस चालक के रूप में कार्यरत थे। विजेंद्र सिंह छह महीने पहले दुबई की ट्रांसगार्ड कंपनी में काम करने गए थे। ओमप्रकाश मेघवाल भी दुबई की एक कंपनी में नौकरी करते हैं।

शव पहुंचते ही गांव में मचा कोहराम :-ग्रामीणों ने बताया कि विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद 12 नवंबर की रात दुबई से दांदू गांव पहुंचे थे। उन्होंने सबसे पहले परिवार के प्रमुख सदस्यों को हादसे की जानकारी दी। घटना बेहद दर्दनाक होने के कारण शुरुआत में परिवार की महिलाओं को इसकी सूचना नहीं दी गई। गांव के कुछ लोगों को हादसे के बारे में पहले ही पता चल गया। शनिवार को जब अमीलाल का शव गांव पहुंचा, तब परिवार की महिलाओं को भी पूरी घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद परिवारों में कोहराम मच गया। रविवार को धर्मपाल और नरेंद्र के शव गांव पहुंचे तो बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके घरों पर एकत्र हो गए। गमगीन माहौल में दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

पीछे छोड़ गए मासूम बच्चें, नरेंद्र की पत्नी थी सात माह की गर्भवती :-इस हादसे ने तीनों परिवारों को गहरा आघात पहुंचाया है। अमीलाल के 15 वर्षीय बेटा और 12 वर्षीय बेटी हैं। धर्मपाल अविवाहित थे। वहीं नरेंद्र की एक साल की बेटी है और उनकी पत्नी सात माह की गर्भवती हैं। ऐसे में नरेंद्र की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अमीलाल के छोटे भाई संजय हैं। धर्मपाल के बड़े भाई मुकेश कुमार और छोटे भाई कृष्ण कुमार हैं, जबकि नरेंद्र के बड़े भाई गोविंद हैं। घायल विजेंद्र के बड़े भाई प्यारेलाल और श्रीचंद हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अमीलाल, विजेंद्र और धर्मपाल के सिर से पहले ही पिता का साया उठ चुका था।

जयपुर में अस्थाई रैन बसेरों का संचालन शुरू

जयपुर। प्रदेश के कई इलाकों में गुलाबी सर्दी की शुरुआत के साथ ही राजधानी जयपुर में बेघर और आश्रयहीन लोगों को राहत देने के लिए अस्थाई रैन बसेरों का संचालन शुरू कर दिया गया है। सर्दी के मौसम में खुले आसमान के नीचे रात गुजारने वाले जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है।

नगर निगम की ओर से गांधी नगर रेलवे स्टेशन, रामनिवास बाग, मालवीय नगर, बांगड़ अस्पताल परिसर, जगतपुरा रेलवे स्टेशन और शास्त्री नगर सहित शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों और अस्पतालों के आसपास अस्थायी रैन बसेरों की व्यवस्था की जा रही है। इन आश्रय स्थलों पर ठहरने वाले लोगों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारियां की जा रही हैं।

रैन बसेरों के संचालन से बेसहारा और जरूरतमंद लोगों को ठंड के मौसम में सुरक्षित छत मिल सकेगी। साथ ही, रात के समय खुले में सोने को मजबूर लोगों को सर्दी के प्रकोप से बचाने में मदद मिलेगी। नगर निगम की ओर से इन व्यवस्थाओं को सुचारु रखने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद लोग इनका लाभ उठा सकें।

सस्ता आईफोन दिलाने का झांसा देकर 1.45 लाख रुपए ठगने वाला गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर सस्ते इलेक्ट्रॉनिक सामान का लालच देकर ऐंठता था एडवांस राशि

जयपुर। सस्ते दाम पर आईफोन दिलाने का झांसा देकर 1 लाख 44 हजार 999 रुपए की ऑनलाइन ठगी करने के आरोपी शोएब अहमद को पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से सस्ते आईफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने का झांसा देकर लोगों से अग्रिम राशि वसूलता था और बाद में सामान की आपूर्ति नहीं करता था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि ऑनलाइन ठगी की वारदातों पर अंकुश लगाने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष निर्देश दिए गए थे। जिसके चलते पत्रकार कॉलोनी थानाधिकारी कविता यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी सहायता से आरोपी शोएब अहमद (42) निवासी चित्तौड़गढ़ को



ऑनलाइन ठगी करने के आरोपी शोएब अहमद को पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ चित्तौड़गढ़, कोटा, गाजियाबाद और बरेली के विभिन्न थानों में धोखाधड़ी, चिटफंड और आईटी एक्ट के तहत करीब सात मामले पहले से दर्ज हैं।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया पर सस्ते आईफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने का विज्ञापन देकर ग्राहकों से अग्रिम राशि मंगवाता था। इसके बाद अलग-अलग स्टोर से सामान की डिलीवरी लेने का झांसा देकर उन्हें गुमराह करता था।

पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। आशंका है कि पूछताछ में अन्य राज्यों में की गई ठगी की वारदातों

- आरोपी के खिलाफ राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सात मामले दर्ज

का भी खुलासा हो सकता है।

इस कार्रवाई में एएसआई रामधन, कांस्टेबल मुकेश कुमार, श्योपाल, दिनेश कुमार और तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल लोकेश शामिल रहे।

थानाधिकारी कविता यादव के अनुसार 11 अगस्त 2026 को सुनीता बागड़ा ने पत्रकार कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि शोएब नाम के व्यक्ति ने उन्हें सस्ते दाम पर आईफोन उपलब्ध कराने का झांसा दिया और 1,44,999 रुपये लेने के बाद भी मोबाइल नहीं दिया। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच पड़ताल करते हुए आरोपी शोएब अहमद को चिन्हित करते हुए पकड़ा है।

टीन मिस राजस्थान के ऑडिशन में 800 गर्ल्स ने पेश की दावेदारी

जयपुर। राजस्थान की किशोरियों को अपनी प्रतिभा और हुनर दिखाने का मंच देने के उद्देश्य से आयोजित प्रदेश के पहले टीनएज ग्रुप स्टेट पेजेंट टीन मिस राजस्थान का जयपुर ऑडिशन भव्य रूप से आयोजित हुआ। इसमें राजस्थान के विभिन्न शहरों और कस्बों से 13 से 19 वर्ष की 800 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर प्रतिष्ठित खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश की। आयोजन में प्रतिभागियों के साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में पहुंचे और बेटियों का उत्साहवर्धन किया।

पेजेंट की फाउंडर डायरेक्टर एकता जैन और सूर्यांश मिश्रा ने बताया कि यह राजस्थान का पहला टीनएज ग्रुप पेजेंट मंच है। इसके माध्यम से 13 से 19 वर्ष की किशोरियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। चयनित प्रतिभागियों को बिना किसी शुल्क के फैशन और पेजेंट जगत के विशेषज्ञों द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल, मंच पर प्रस्तुति और मॉडलिंग जैसे विषय शामिल होंगे। ऑडिशन के जूरी पैनल में मिस राजस्थान की आयोजक निमिषा मिश्रा, फाउंडर डायरेक्टर एकता जैन, मिस राजस्थान 2026 विजेता श्रीजा गुप्ता, रनरअप सुहानी जैन, कुसुम सोनी और निहारिका माथुर शामिल रहीं।

सार-समाचार

'शांति को जन-जन तक पहुंचाने में जैन धर्म का बड़ा योगदान'



जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रविवार को टोंक जिले की नगरपालिका निवाई पहुंचे। जहां बागडे जैन संत आचार्य सुंदर सागर जी महाराज के50वें स्वर्णिम जन्मोत्सव समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल बागडे ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा,आत्मसंयम और त्यागशील जीवन जीने की सीख देता है। भगवान महावीर स्वामी ने संयम और सरलता को जीवन का आदर्श रुप बताया है। शांति और अहिंसा को जन-जन तक पहुंचाने में जैन धर्म का बहुत बड़ा योगदान है। यह जीवित प्राणियों में अनुशासित और आत्मिक शुद्धता पर जोर देता है। राज्यपाल बागडे ने जैन श्रद्धालुओं से कहा कि सनातन संस्कृति में गौमाता की सेवा को सबसे बड़ा और पुण्यकारी माना गया है। जैन धर्म गौमाता की देखभाल,गौशालाओं में आर्थिक दान,चारे की व्यवस्था और संरक्षण में भी अग्रणी है। उन्होंने आचार्य सुंदर सागर जी महाराज और अन्य साधु साध्वियो को प्रणाम निवेदित किया और उनका आशीर्वाद लिया।

एक साल से फरार दस हजार रुपए का इनामी लुटेरा गिरफ्तार



जयपुर। जयपुर पुलिस आयुक्तालय की ओर से वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की खोह नागोरियान थाना पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी अपराधी अशफाक हुसैन उर्फ लक्की को गिरफ्तार किया है। आरोपी माणक चौक थाने में दर्ज लूट के एक मामले में वांछित था। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि नागोरियान थाना पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी अपराधी अशफाक हुसैन उर्फ लक्की को (36) निवासी बरोनी जिला टोंक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ माणक चौक थाने में प्रकरण दर्ज है। इस प्रकरण में वह पिछले एक साल से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

समवशरण विधान में विराजमान होंगे 24 भगवान

जयपुर। मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित आदिनाथ भवन में चातुर्मास कर रहे निर्यापक श्रमण विलोक सागर महाराज, मुनि विबोध सागर महाराज के सानिध्य में अष्टानिका महापर्व पर 24 समवशरण विधान का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 16 नवंबर को प्रात: 7 बजे आदिनाथ मंदिर से घट यात्रा से होगी। घट यात्रा में बैंड-बाजे के साथ श्रीजी को 24 भक्त सिर पर लेकर और सैकड़ों महिलाएं कलश लेकर चलेंगी। जुलूस में मुनि संघ का सानिध्य भी प्राप्त होगा। पांडाल में पहुंचने के बाद श्रीजी का अभिषेक और पांडाल शुद्धि होगी। ध्वजारोहण दीक्षांत हाडा करेंगे। आठ दिन चलने वाले इस आयोजन में हजारों श्रद्धालु धर्म लाभ लेंगे। 17 नवंबर से 25 नवंबर तक चलने वाले इस अष्टानिका महापर्व में धर्म, भक्ति और आध्यात्म की झलक देखने को मिलेगी

मुखर्जी कॉलोनी में स्नेह मिलन समारोह आयोजित

जयपुर। शास्त्रीनगर की मुखर्जी कॉलोनी में पार्षद दिवाली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। आयोजक पार्षद ज्ञानचंद खंडेलवाल ने बताया कि मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ थे। उन्होंने सभी पार्षदों से आव्हान किया कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरे। विशिष्ट अतिथि महापौर सुनील कोठारी ने जयपुर शहर को स्वच्छ बनाने के लिए पार्षदों से रोड मैप बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता, भाजपा महामंत्री संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, जिला अध्यक्ष अमित गोयल, डॉ अपूर्व सिंह, भाजपा नेता चंद्र मोहन बटवाडा सहित कई पार्षद उपस्थित रहे।

सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन सात दिसंबर को

जयपुर। जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक एकता, समरसता और सहयोग की भावना को साकार करने की दिशा में ब्राह्मण महिला परिषद एवं सुफल फाउंडेशन एक सराहनीय पहल करने जा रहे हैं। संस्था के तत्वावधान में आगामी 7 दिसंबर को जन उपयोगी भवन, जवाहर नगर, सेक्टर-3 में सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर हाथोज धाम स्थित श्री दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर प्रांगण में स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया। संस्था की ओर से नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए सोने-चांदी के आभूषण सहित लगभग 50 प्रकार के उपहार दिए जाएंगे। इस अवसर पर एडवोकेट गीता शर्मा (प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष), वीणा शर्मा (उपाध्यक्ष), कृष्ण श्रृंगी (महामंत्री), कल्पना शर्मा (वार्ड अध्यक्ष), हेमलता शर्मा, अरुणा शर्मा, विकास शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्कॉर्पियो से कार की भिड़ंत में 5 घायल

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर मूंडिया बायपास पर शनिवार रात दो कारों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें 5 जने घायल हो गए। सभी घायलों को निवाई सदर पुलिस ने राहगीरों एवं स्थानीय निवासियों के सहयोग से उप जिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को जयपुर रैफर कर दिया गया। गुंसी चौकी प्रभारी हरीमन मीणा ने बताया कि शुजालपुर जिला शाहजहांपुर मध्यप्रदेश निवासी शब्बीर खान मंसूरी पुत्र बफाती, तौफीक खान पुत्र अब्दुल हमीर पठान, नफीस खां पुत्र हाफिज पठान, मोहम्मद नौशाद एवं मजीद खान पुत्र हबीब पठान कार में सवार होकर जयपुर की ओर जा रहे थे।

मैरिज गार्डन में मामूली विवाद पर युवक के पेट में घोंपी कैंची

जयपुर। ज्योति नगर थाना क्षेत्र स्थित एक मैरिज गार्डन में शनिवार रात मामूली कहासुनी के बाद एक युवक ने दूसरे के पेट में कैंची घोंप दी। कैंची से दो वार किए जाने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

ज्योति नगर थानाधिकारी गुंजन वर्मा के अनुसार शास्त्री नगर के नाहरी का नाका निवासी आमिर अहमद (28) शादी समारोहों में तंदूर लगाने का काम करता है। शनिवार शाम वह अपने साथी अंसार और मोहम्मद ग्यास के साथ वेदा मैरिज गार्डन में काम करने गया था। यहां गोपाल नाम का व्यक्ति फूलों की सजावट का काम कर रहा था।

रात करीब आठ बजे काम के दौरान गोपाल खाने में डालने वाले रंग की डिब्बी उठा ले गया। इस बात को लेकर आमिर और गोपाल के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर गुस्साए गोपाल ने हाथ में मौजूद कैंची से आमीर के पेट पर दो वार कर दिए। हमले में आमिरलहूलुहान होकर जमीन पर गिर

- विवाद बढ़ने पर गुस्साए गोपाल ने हाथ में मौजूद कैंची से आमीर के पेट पर दो वार कर दिए। हमले में आमिरलहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा
- एसएमएस अस्पताल में भर्ती, आरोपी गोपाल फरार

पड़ा।

वारदात के बाद आरोपी गोपाल मौके से फरार हो गया। गार्डन में काम कर रहे साथियों ने आमिर को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल पहुंचाया।

मेडिकल सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने घायल के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

श्री बद्रीनाथ शीतकालीन दर्शन महोत्सव आज से

जयपुर। श्री बद्रीनाथ धाम नटवाड़ा में आयोजित दो दिवसीय श्री बद्रीनाथ शीतकालीन दर्शन महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर का विमोचन कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल जाट, विधायक रामसहाय वर्मा, पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा व भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा , महामंत्री घनश्याम गुप्ता, कोषाध्यक्ष भंवरलाल जाट, उपाध्यक्ष बद्री विजय सहित श्री बद्रीनाथ धाम प्रबंध एवं विकास समिति ट्रस्ट नटवाड़ा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं भक्तगण मौजूद थे। श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट शीतकाल में 6 माह बंद रहते है। जिस पर बद्रीनाथ धाम के दर्शनों के लिए एकमात्र विकल्प श्री बद्रीनाथ धाम नटवाड़ा ही है। यहां हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शीतकालीन दर्शन महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसको लेकर सोमवार को अभिषेक पूजन एवं अर्चन, अलौकिक श्रृंगार दिव्य दर्शन, दोपहर 2:15 बजे संगीतमय सुन्दर काण्ड पठन व सायं 5:15 बजे महाआरती होगी।

ग्राम विकास से साकार होगा विकसित राजस्थान का संकल्प : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार की ग्राम विकास की अवधारणा केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर, समृद्ध और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने की दूरगामी सोच पर आधारित है। गांवों में आधारभूत सुविधाओं के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, तकनीक और शहरी सुविधाओं का विस्तार करना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। इससे गांवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन पर प्रभावी अंकुश लगेगा और विकसित राजस्थान के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिला स्वयं सहायता समूहों को 1,000 करोड़ रुपए की आजीविका सहायता तथा 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का बैंक ऋण उपलब्ध कराने का प्रस्ताव ग्रामीण

- भजनलाल सरकार विकसित गांव,समृद्ध किसान,सशक्त महिला और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के साथ बढ़ रही आगेः मदन राठौड़

अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देगा। प्रदेश की 25 लाख महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाने और 20 हजार डेयरी सहकारी समितियां स्थापित करने की योजना से महिलाओं की आय बढ़ेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राठौड़ ने कहा कि गांवों में शिक्षा और डिजिटल सुविधाओं का विस्तार भी विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक उच्च माध्यमिक विद्यालय, इंटरनेट सुविधा और अटल ज्ञान केंद्र विकसित करने का संकल्प भाजपा सरकार ने लिया है। इसके साथ ही 15 हजार स्कूल भवन, 35 हजार अतिरिक्त कक्षाएं और 20 हजार शौचालयों के निर्माण की घोषणा ग्रामीण विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिणक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। पंचायत स्तर पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, जांच सुविधाओं, दवाइयों और टेलीमेडिसिन सेवाओं को मजबूत करने की योजना बनाई गई है। इसके अतिरिक्त पात्र विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं की पेंशन 1,500 रुपए प्रतिमाह करने, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की सहायता 5,000 रुपए से बढ़ाकर 8,000 रुपए करने तथा 20 लाख निर्माण श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का संकल्प समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सुरक्षा प्रदान करेगा।

शिल्प कलाओं के 3214 कारीगरों का डिजिटल जिओटागिंग

जयपुर। गुलाबी नगरी की पहचान उसकी ऐतिहासिक इमारतों और पर्यटन के साथ-साथ यहां की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा से भी है, लेकिन इन कलाओं को जीवंत रखने

- एग्जीबिशन सीन एट लास्ट में जयपुर के हुनरमंद कारीगरों को मिला मंच

वाले कारीगर अक्सर पहचान और उचित मंच से वंचित रह जाते हैं।

इसी अंतर को दूर करने के उद्देश्य से जयपुर में पले-बढ़े तीन युवा सह-संस्थापक तिरशिव ओहलान, समरवीर सिंह शेखावत और अनिका सिंह ने इस पहल कारीगर की शुरुआत की। उनका उद्देश्य राजस्थान की पारंपरिक कलाओं को संरक्षित करने के साथ उन कारीगरों को पहचान दिलाना है, जिनके हुनर से जयपुर की सांस्कृतिक पहचान बनी हुई



''सीन एट लास्ट'' प्रदर्शनी का उद्घाटन डायरेक्टर, राजस्थान टूर के मधुवंती सिंह ने किया।

है। अब इसी उद्देश्य के अंतर्गत सीन एट लास्ट' नाम से विशेष प्रदर्शनी रविवार को जयपुर में बानी पार्क स्थित कृपाल कुंभ में आयोजित की गई। जिसका विधिवत उद्घाटन डायरेक्टर, राजस्थान टूर के मधुवंती सिंह ने किया। इनके अलावा, जयपुराइट्स के साथ राजस्थान सरकार के समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष, अर्चना शर्मा; सवाई मानसिंघ म्यूजियम ट्रस्ट की डायरेक्टर, रामा दत्त और फॉर्मर विधान सभा स्पीकर, दीपेंद्र सिंह भी शामिल हुए।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

जयपुर। आरोग्य परमार्थ सेवा समिति के तत्वावधान में डिग्गी कल्याण जी धाम एवं लावा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर नर सेवा ही नारायण सेवा के उद्देश्य को लेकर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 394 रोगियों का नि:शुल्क उपचार किया गया। समिति के सचिव एडवोकेट रमाकांत शर्मा एवं लक्ष्मीचंद शर्मा ने बताया कि डिग्गी एवं ग्राम पंचायत लावा में शिविर में डॉ. प्रिंस लदाणा एवं भरत शर्मा द्वारा दूर दराज से आए कमर, घुटने दर्द एवं सर्वाइकल के रोगियों ने का नि:शुल्क उपचार किया गया। इस दौरान लावा में करीब 67 रोगियों का उपचार किया गया। इसके पश्चात शाम को डिग्गी कल्याण जी के मंदिर में पुलिस ग्राम रक्षक सुरेंद्र शर्मा पूर्व उप सरपंच शर्मा गिरिराज शर्मा ब्रजराज शर्मा, जसवंत जैन एवं कालू शर्मा ने डॉ. प्रिंस लदाणा एवं भरत शर्मा को माला एवं श्री कल्याण जी का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया।

अहिंसा व आत्मसंयम ही जीवन को सार्थक बनाते हैं: सुंदर सागर

जयपुर। बीकॉम व कंप्यूटर जैसी आधुनिक शिक्षा हासिल करने के बाद कोई युवा करियर व सांसारिक उपलब्धियों की राह चुनने के बजाय आत्मकल्याण के लिए घर-परिवार छोड़ दे तो यह बदलाव सहज नहीं होता। दिल्ली के प्रदीप कुमार जैन का जीवन इसी वैराग्य व आत्मखोज की यात्रा का उदाहरण है। वर्तमान में सुंदर सागर महाराज के रूप में पहचाने जाने वाले आचार्य का रविवार को 50वां अवतरण दिवस आयोजित मनाया गया।

करीब तीन दशक की साधना में तप, स्वाध्याय, साहित्य व धर्मसंघ के मार्गदर्शन को जीवन का उद्देश्य बनाया। उनका जीवन केवल तपस्या की कहानी नहीं, बल्कि आधुनिक शिक्षा से आत्मचिंतन, गृहस्थ जीवन से त्याग व व्यक्तिगत साधना से समाज को दिशा देने तक का सफर रहा है। 9 नवंबर 1976 को दिल्ली के पहाड़ी धीरज, सदर बाजार में जन्मे प्रदीप कुमार जैन ने बीकॉम व कंप्यूटर की शिक्षा हासिल की। सामान्य गृहस्थ जीवन व आधुनिक शिक्षा के बीच उनमें धर्म, अध्यात्म व जीवन के वास्तविक उद्देश्य को जानने की जिज्ञासा विकसित हुई। 14 साल की उम्र में पहली बार आचार्य सन्मती सागर महाराज के दर्शन के बाद से ही उनके प्रति श्रद्धा जाग गई थी।

भौतिक सुख-सुविधाओं से आगे आत्मा के शाश्वत स्वरूप को समझने की भावना ने उन्हें वैराग्य की दिशा में प्रेरित किया। यही बदलाव आगे चलकर उनके जीवन का निर्णायक मोड़ बना। 16 जुलाई 1996 को उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मति सागर महाराज के सान्निध्य में प्रदीप कुमार जैन ने जैनेश्वरी मुनि दीक्षा ग्रहण की। इस दीक्षा के साथ उन्होंने गृहस्थ जीवन का त्याग कर दिगंबर श्रमण परंपरा के नियम अंगीकार किए। आचार्य सन्मति सागर उनके दीक्षा गुरु रहे।

प्रदेश कांग्रेस और आरएलपी के बीच बढ़ रही राजनीतिक दूरियां, लोकसभा चुनाव का गठबंधन टूटा ?

जयपुर । पिछले लोकसभा चुनाव में प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के बीच आपस में जो गठबंधन हुआ था, वह गठबंधन अब कहीं ना कहीं टूट गया है, प्रदेश में जब से पंचायत राज संस्था के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई, तब से ही चुनाव प्रचार में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संरक्षक तथा नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के बीच आपस में जोरदार जुबानी जंग सुनने को मिल रही है जिसमें दोनों ही नेता एक दूसरे पर कभी हास्यास्पद बयान दे रहे हैं, तो कभी दोनों ही नेता एक दूसरे को चिढ़ाने वाले बयान और कभी-कभी एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाने वाले बयान दे रहे हैं, जिससे एक तरफ जहां प्रदेश की जाट राजनीति काफी गर्म हो गई है, तो दूसरी तरफ कहीं ना कहीं लोकसभा चुनाव में

- प्रदेश में पंचायत राज संस्था के चुनाव में प्रचार के दौरान गोविंद सिंह डोटासरा और हनुमान बेनीवाल की जुबानी जंग से एक तरफ जहां जाट राजनीति गर्म हो गई है, तो दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के बीच आपस में हुआ गठबंधन कहीं ना कहीं अब टूट गया है

कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के बीच आपस में जो दोस्ती का सिलसिला शुरू हुआ था, वह दोस्ती अब टूट गई है बड़ी बात यह है कि डोटासरा और बेनीवाल दोनों ही जाट बिरादरी के नेता हैं, और इन दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से जाट समाज में अपने वर्चस्व की लड़ाई भी चल रही है, लेकिन पंचायत राज संस्था के चुनाव में जिस तरह से दोनों ही नेता एक दूसरे के खिलाफ जहर उगल रहे हैं, उससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भले ही लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की जीत के रथ को रोकने के लिए कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने आपस में नागौर में दोस्ती कर ली हो लेकिन अब यह बिल्कुल भी नहीं लग रहा कि वर्ष 2028 के विधानसभा और वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में दोनों दल साथ मिलकर भाजपा का मुकाबला करेंगे, क्योंकि पंचायत राज संस्था के चुनाव में डोटासरा और बेनीवाल ने एक दूसरे के खिलाफ जो बयान बाजी की है, ऐसी बयानबाजी दोनों नेताओं के मुंह से पहले कभी सुनने को नहीं मिली राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं कि शायद ही अब आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में इन दोनों दलों के बीच आपस में दोस्ती हो

जानकार लोगों का कहना है कि प्रदेश की राजनीति में जाट समाज का शुरू से ही प्रभाव रहा है, भाजपा तथा कांग्रेस दोनों ही प्रमुख दल विधानसभा चुनाव में जाट समाज के लोगों को ज्यादा टिकट भी देते रहे हैंइसलिए अब जिस तरह से डोटासरा और बेनीवाल दोनों जाट नेताओं के बीच आपस में जोरदार टकराव के हालात बने हुए हैं, उसे देखते हुए जाट समाज में भी इन दोनों नेताओं के आपस की लड़ाई काफी चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हालांकि हनुमान बेनीवाल की पार्टी का एक भी विधायक अभी राजस्थान विधानसभा में सदस्य नहीं है, हनुमान बेनीवाल भी पिछला लोकसभा चुनाव कांग्रेस पार्टी के समर्थन से ही जीत पाए थे, पिछले लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के बड़े लीडर उम्मेदाराम बेनीवाल कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर लोकसभा चुनाव में बाड़मेर जैसलमेर से कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े, और चुनाव जीते भी तो दूसरी तरफ नागौर लोकसभा सीट पर कांग्रेस पार्टी ने हनुमान बेनीवाल को लोकसभा चुनाव में पूरा समर्थन दिया जिसमें बेनीवाल चुनाव जीत भी गए, लेकिन इसके बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कई और बड़े नेता कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए जिससे कहीं ना कहीं बेनीवाल की कांग्रेस पार्टी से नाराजगी ज्यादा हो गई।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर। बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर क्रो दी जैक्सन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी ऑफ़ द एम्प्लाय ऑफ़ रेलवे लिमिटेड द्वारा अरावली सभागार, गणपति नगर, जयपुर में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में लगभग 300 विद्यार्थी एवं अभिभावक शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सत्येंद्र यादव एवं नितेश कुमार मीणा ने कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, परा स्नातक एवं खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सोसाइटी मे अंशधारक रेल अधिकारियों /कर्मचारियों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने बच्चों को मेहनत, अनुशासन एवं लगन के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सोसाइटी पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था सदस्यों के आर्थिक हितों के साथ-साथ उनके परिवार एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रतिबद्ध है।

मुरलीपुरा में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को लेकर बैठक संपन्न

जयपुर। वंदनीय माताजी भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी एवं दिव्य अखंड दीप शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आगामी 25, 26 एवं 27 दिसंबर को मुरलीपुरा स्थित तोंदवाल चैतन्य तीर्थ में आयोजित होने वाले 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं युवा चेतना शिविर की तैयारियों को लेकर रविवार को दादी का फाटक स्थित राधा कृष्ण शिव मंदिर में कार्यकर्ता गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी का शुभारंभ वेदमाता गायत्री एवं गुरुसत्ता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, गायत्री मंत्रोच्चार एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। गायत्री परिवार जयपुर जोन के समन्वयक सुशील शर्मा ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए आयोजन की रूपरेखा एवं विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आयोजन के माध्यम से गुरुसत्ता के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं में संस्कार, सेवा, साधना और राष्ट्र निर्माण की भावना जागृत करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए

- 25 से 27 दिसंबर तक तोंदवाल चैतन्य तीर्थ में होगा तीन दिवसीय आयोजन

सभी कार्यकर्ताओं को अभी से सक्रिय होकर जुटना होगा।

प्रहलाद शर्मा ने आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कार्यकर्ताओं की अलग-अलग टोलियां गठित करने पर जोर दिया। महेंद्र कुमार ने एक से 24 दिसंबर तक लगातार चलने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। हेमंत चतुर्वेदी ने साधना के माध्यम से शक्ति अर्जन करने का आव्हान किया, वहीं हेमंत मिश्रा ने युवा चेतना शिविर की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। बैठक में आयोजन की सफलता के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं से संबंधित एक दर्जन समितियों का गठन किया गया तथा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

ARBiT
it happens here...

UNESCO: Promoting Global Peace Through Knowledge

On November 16, 1945, the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO) was officially established, marking a significant step towards global cooperation in education, science, and culture. Born in the aftermath of World War II, UNESCO aimed to foster peace, human rights, and sustainable development by promoting collaboration among nations. Its mission includes preserving cultural heritage, advancing scientific knowledge, supporting quality education, and encouraging freedom of expression. Over the decades, UNESCO has launched numerous programs, from protecting World Heritage sites to promoting literacy and scientific research, making it a cornerstone of international efforts to build a more informed and harmonious world.

राष्ट्रदूत
MONDAY
16 November 2026
A-B

#1911

She didn't cry She plotted

She worked the backrooms. She twisted arms. She used her charm and her steel-trap mind to draft legislation that was bulletproof



The sidewalk trembled with a sickening, wet thud.

New York City. March 25, 1911.

Washington Square Park.

Frances Perkins was enjoying a cup of tea in a townhouse when she heard the fire engines.

She ran outside.

She looked up at the Asch Building.

Smoke was billowing from the upper floors of the Triangle Shirtwaist Factory.

But it wasn't just smoke.

Frances watched in horror as young women, some no older than 14, climbed onto the window ledges to escape the inferno behind them.

The fire escape had collapsed. The doors were locked from the outside by managers who wanted to prevent "theft."

There was nowhere to go.

So, they jumped.

Frances stood frozen on the pavement as 146 workers died.

She heard the sound of their bodies hitting the stone.

Most people saw a tragedy.

Frances Perkins saw a crime scene.

In that moment, the polite social worker died, and the most dangerous woman in American politics was born.

She didn't cry. She plotted.

She realized that charity wasn't enough. Kindness wasn't enough.

She needed power.

She spent the next two decades climbing the political ladder, fighting toe-to-toe with the corrupt hallucinations of Tammany Hall.

She became the expert on worker safety.

Then, in 1933, the phone rang.

It was President-elect Franklin D. Roosevelt.

He wanted her to be his Secretary of Labor.

It was an impossible offer. No woman had ever served in the U.S. Cabinet.

The press called the idea "sentimental." The unions were skeptical. The business tycoons were terrified.

Frances went to meet FDR.

She didn't just say yes. She walked in with a piece of paper.

She looked the President in the eye and issued an ultimatum.

"I will take the job," she said, "but only if you promise to back me on these demands."

She read from her list: A 40-hour workweek. A minimum wage. Unemployment compensation. Worker's compensation. A ban on child labour. Social Security.

It was a wishlist of "radical" ideas that had never existed in America. FDR smiled and said, "I promise."

She took the job.

Then, she walked into a buzzsaw.

For 12 years, she was the most hated person in Washington. Conservative Congressmen tried to impeach her.

Newspapers mocked her tricorn hats and her "mannish" demeanour.

Business leaders called her a communist for suggesting that children shouldn't work in coal mines.

She ignored them all.

She worked the backrooms. She twisted arms. She used her charm and her steel-trap mind to draft legislation that was bulletproof.

When the Social Security Act was stalled in committee, she locked the door and refused to let the men leave until they found a solution.

She didn't care about being liked. She cared about the girl on the sidewalk.

She kept a copy of the Triangle Shirtwaist Fire investigation on her desk every single day.

It was her fuel.

By the time she left office, she had rewritten the social contract of the United States.

She took a country where old age meant starvation, and created a safety net.

She took a country where weekends didn't exist, and gave us Saturday and Sunday.

She is the reason you have a fire exit.

She is the reason you get overtime pay.

She is the reason your 10-year-old is in school, not a factory.

Frances Perkins died in 1965.

She is rarely the face on the posters. She isn't on the currency.

But she is the architect of the middle class.

She proved that the government isn't just a referee for the rich, it is a shield for the vulnerable.

She saw the worst of humanity on a sidewalk in 1911, and she spent the rest of her life forcing America to be better.











The Secret of Banarasi Kadwa And Fekwa

People usually visit Varanasi out of belief, out of doubt or out of curiosity and the city has always served to convert those beliefs into doubts, those doubts into beliefs and the curiosities into indifference. Situated by the banks of River Ganga, the city gets its name from the river's two tributaries, 'Varuna' flowing north of the city, and 'Asi' (or Assi), now barely a stream flowing in the south part of the city near Assi Ghat. Other well-known names of this city are 'Benaras' and 'Kashi.' The word Kashi is derived from the Sanskrit root word kas, which means 'to shine,' the reason why it is also referred as the City of Light.



Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

A saree becomes special when it is handed down from one generation to another, weaving love and memories.

The vibrancy and admiration of Benarasi saree need no introduction. It has always found its unique admiration in the trousseau of a lady and has been as much a fashion statement as an obeisance to tradition. Its glory has rung the bells of all the couture of fashion aficionados, from big-ticket to celebrities in India to fashionistas in Europe.

The 'city of temples,' the 'holy city of India,' 'the city of lights,' or 'the cultural capital of India,' it has been bestowed numerous names. But apart from it being the undeniable apex of the Indian religious cosmos, its lineage, and grandeur, the city of Banaras also is a remarkable source of premium sarees. Banaras is not merely a city that beholds multiple things at once, it is the emotion that brings people together.

As a child, I remember being utterly besotted by the richness of the silk saree. Since then, I have fallen in love a thousand times. Benarasi silk saree is known for its extremely finesse, softness, gleam, super easy to drape, yet has grandeur and luxurious look. The breathtaking Benarasi opulence never ceases to amaze.

Benarasi (or Banarasi) is a generic name for sarees from Varanasi. What we commonly refer to is actually called Benarasi Brocade saree. There are various distinct saree names like Brocade, Jamdani, Tissue, Jamawar Tanchoi, Jangla, Shikargah for sarees made in Banaras. Each type is defined by the quality and weight of the silk yarn, the gold yarn and the overall design of the saree. Benarasi textile common vocabulary includes names like Katan, Kadhua, Jangla, Alfi, and many more.

I found myself mesmerized by the grandiosity of it all. Galaxy of design patterns, quality and distinctive names make Benarasi stand out among all the other weaves in Indian textile. Besides the beauty and elegance of this unmatched work of weaving, these sarees also possess traditional importance in India. Benarasi sarees straddles tradition and innovation, pushing boundaries of their craft repertoire.

History and Tradition

Firmly rooted in Banaras, this ancient melting pot of culture, tradition and history is also an age-old center of philosophy, theosophy, medicine and learning. The name of this ancient city is also famous with some of the oldest temples, most exquisite pans (betel leaf), finest fabrics and various ghats situated on the river Ganga. Banaras is synonymous for its legendary delectable street food.

People usually visit Varanasi out of belief, out of doubt or out of curiosity and the city has always served to convert those beliefs into doubts, those doubts into beliefs and the curiosities into indifference. Situated by the banks of River Ganga, the city gets its name from the river's two tributaries, 'Varuna' flowing north of the city, and 'Asi' (or Assi), now barely a stream flowing in the south part of the city near Assi Ghat. Other well-known names of this city are 'Benaras' and 'Kashi.' The word Kashi is derived from the Sanskrit root word *kas*, which means 'to shine,' the reason why it is also referred as the City of Light.

One of the ancient names of the city is Kashi, from nearly 3000 years ago. Sanskrit word, *Kash*, translating to "to shine, to look brilliant or beautiful." Carrying forward the basis of this foundation, the city is also called the 'City of Light,' which illuminates liberation, 'moksha.' Varanasi is another ancient name with its origin dating back to the Buddhist Jataka tales and the Mahabharata. Varanasi was the name given to the sacred city as part of the independent India

Banaras, in the first millennium BC, rose to the status of an important center of art, culture and education. But, apart from it being the undeniable apex of the Indian religious cosmos, its lineage, and grandeur, the city of Banaras also is a remarkable and important center of weaving. In 5th and 6th century BC, exquisitely woven cotton fabrics from Kashi became the most sought after commodity all over the world. In the ancient time, Banaras was famous for the weaving of cotton saree and fabrics, but slowly switched over to silk weaving, during the Mughal period around 14th century. Weaving of brocades with intricate designs using gold and silver threads was the specialty of Banaras. Silk weavers from Gujarat migrated to Kashi in the 17th century after a famine in 1603. Development of brocade and zari work in the city saw new heights during Mughal period, especially in the reign of emperors such as Akbar. What we see today is amalgamation of Mughal and Hindu, motifs, technique with Indian style of weaving was created by a confluence of Hindu and Mughal aesthetics.

The city has seen many changes in preferences of colours, patterns, motifs, borders and styles over the years. Between 350 AD to 500 AD, floral patterns, animal and bird depictions gained popularity. By the 13th century, 'Bootidar' designs were excessively in demand. Banaras was a thriving sector of cotton textile industries in the sixteenth century. With the advent of Mughals and following cultural concoction in the 16th century, patterns like florals and 'Jali' or 'Jaal' came in vogue, giving a new flavour to Indian fashion trends. Soon, in the 19th century, Indian designs started showing a close resemblance to Victorian style wallpapers and Geometrical patterns (a carry forward of the Mughal Lattice work). The Benarasi silk saree gained prominence only during the 19th century CE. A single look at the motifs will give you an idea about how complex and varied the influences have been. In fact, weaves have developed a hierarchy within them that makes this specialization possible.

Like old wine in new bottles, the real Zari and Brocade Benarasi sarees, that are a specialty of the city, have reinvented themselves with every era without losing out on their original charm. Jacquard technique also went through a variety of changes during Italian Renaissance along with Chinese, Indian and Persian influences in motifs over time.

Benarasi silk sarees are produced in cottage industries known as *karkhanas*, scattered in districts around Varanasi. The artisans, colloquially referred to as *karigars*, traditionally weaved the brocades on a drawloom known as 'jalla' and the entire supplementary design on the silk was done by hand, with heddles called 'naksh.' During the 19th century, jalla drawlooms were replaced with a jacquard mechanism, which was simpler to operate.

Handloom silk industry of the region around Varanasi encompassed Gorakhpur, Mirzapur, Chandauli, Bhadohi, Jaunpur and Azamgarh districts. Only brocade made in the six identified districts of state of Uttar Pradesh, namely Varanasi, Mirzapur, Chandauli, Bhadohi, Jaunpur and Azamgarh districts, can be legally sold as Banaras brocade.

Due to the distinct motifs of each karkhana, Benarasi silk sarees have been ordained with various forms within the form. Each cluster of karkhana has recognizable minute decorations, while other variations in weaving processes also occur and lead to variations with style and finesse. Despite the temptation of power looms and bringing in a lot of innovations into their weave, these karigars are keeping the art of hand-woven Benarasi thriving.

"Benares is older than history, older than tradition, older even than legend, and looks twice as old as all of them put together." - Mark Twain.

The Kadwa and the Fekwa

A Banarasi silk saree is not merely a garment. It is architecture in thread, storytelling in silk, and one of the most sophisticated weaving traditions ever developed in India. Behind the shimmering zari, floral vines, and intricate motifs lies a highly technical world of weaving methods that most buyers never see.

Among the many styles of Banarasi weaving, two techniques stand apart for both their craftsmanship and philosophical difference: **Kadwa and Fekwa.**

To the untrained eye, both may appear similar from the front. But for weavers in Varanasi, the distinction is enormous. It determines the time required, the complexity of labour, the texture of the fabric, and ultimately, the artistic value of the saree itself.

The word "Kadwa" comes from the Hindi phrase "Kadha Huya," meaning "embedded inside." The name perfectly describes the essence of the technique. In a Kadwa Banarasi saree, each individual motif, known traditionally as a boota or buti, is separately handwoven into the fabric using multicoloured tillis or small thread arrangements.

Unlike printed patterns or mechanically repeated designs, the motifs in Kadwa weaving are literally built into the cloth itself. The process resembles embroidery, but instead of stitching over fabric, the design becomes part of the weave during the weaving process itself. This gives Kadwa weaving extraordinary artistic freedom.

A skilled weaver can create almost any imagery within the technique. Floral vines, Mughal-inspired patterns, birds, temples, royal processions, and even entire narrative scenes can be woven into the saree. In highly elaborate pieces, stories from the Ramayana and the Mahabharata can appear across the drape in woven form.

The craftsmanship required is immense. Because every motif is individually woven by hand, Kadwa sarees are extremely time-consuming to produce. A single saree may take nearly three months to complete depending on the intricacy of the design. The process demands constant attention, precision, and coordination between threads, colours, and zari work.

One of the defining features of a Kadwa saree can be seen on the reverse side. Since each motif is independently woven and neatly integrated into the structure of the fabric, the back appears clean and finished. There are no loose floating threads surrounding the motifs. The design feels complete from both sides.

Fekwa weaving, by contrast, follows a very different philosophy.

In the Fekwa technique, the motifs are not individually handwoven into isolated sections. Instead, an additional set of threads, extra wefts running across the width of the fabric, passes continuously through the entire saree while weaving. The motif appears where required, but the supplementary threads continue across the fabric regardless of whether the design is visible in that section.

Once the weaving is complete, the excess threads are cut away from areas where they are unnecessary. This makes the process much faster than Kadwa weaving. A Fekwa Banarasi saree that visually resembles a Kadwa design may be completed in as little as two weeks instead of several months. However, the structural difference becomes visible when examining the reverse side of the saree.

In a Fekwa weave, loose or partially cut supplementary threads can usually be seen behind the motifs. Depending on the skill and neatness of the finishing process, these extra warp or weft remnants may appear more or less refined. Unlike the clean backside of a Kadwa saree, the reverse side of a Fekwa saree often reveals the mechanics of its construction.

The use of continuous extra threads also makes the fabric heavier compared to Kadwa weaving. Neither technique is "fake" or inferior in an absolute sense. Both belong to authentic Banarasi weaving traditions and serve different purposes. Fekwa allows more affordable and faster production while still preserving the visual richness associated with Banarasi textiles. Kadwa, meanwhile, represents the pinnacle of weaving artistry, slower, rarer, more detailed, and deeply labour intensive.

In many ways, the difference between Kadwa and Fekwa reflects two philosophies of textile creation.

One builds every motif individually into the soul of the fabric.

The other creates beauty through repetition and efficient structure. Together, they reveal why the Banarasi saree remains one of India's greatest textile achievements, not simply because of how it looks, but because of the astonishing intelligence hidden within its weave.

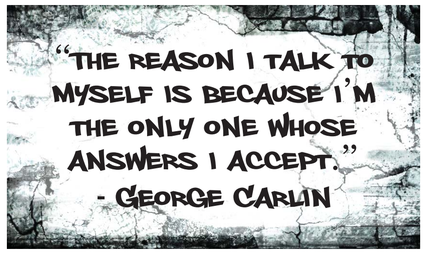
rajeshsharma1049@gmail.com

#BANARASI SILK









THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



पुष्कर पशु मेले में आकर्षण का केन्द्र बना मारवाड़ी नस्ल का घोड़ा ''देव कांटा''

''बादल'' नाम का सफेद घोड़ा भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुष्कर मेला मैदान में पहुंचा





अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में लाये गये सफेद घोड़े ''बादल'' और साढ़े चार वर्षीय घोड़े ''देव कांटा'' को देखने के लिये लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

पुष्कर, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में प्रदर्शन के लिए देशभर के नामी अश्वपालन केंद्रों से एक से बढ़कर एक शानदार घोड़े पहुंच रहे हैं। इन घोड़ों को देखने के लिए मेला मैदान में बड़ी संख्या में पशु प्रेमियों और मेलार्थियों की भीड़ उमड़ रही है। मेले में मारवाड़ी नस्ल का शानदार कद-काठी वाला काले रंग का साढ़े चार वर्षीय घोड़ा ''देव कांटा'' विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उसकी दमदार बनावट, शानदार कद-काठी और आकर्षक व्यक्तित्व को देखकर लोग उसकी ओर खिंचे चले आ रहे हैं। ''देव कांटा'' की ऊंचाई 65 प्लस बताई जा रही है। अश्व जानकारों ने इसकी कीमत करोड़ों रुपये तक आंकी है, लेकिन घोड़े के मालिक सोनू चौधरी इसे अनमोल मानते हैं।

- **अश्व जानकारों ने ''देव कांटा'' की कीमत करोड़ों रुपये तक आंकी है, लेकिन घोड़े के मालिक सोनू चौधरी इसे अनमोल मानते हैं**

नसीराबाद निवासी घोड़े के मालिक सोनू चौधरी ने बताया कि देव कांटा के पिता काला कांटा मारवाड़ी नस्ल के प्रसिद्ध घोड़े हैं, जबकि इसकी मां गोल्डन स्टार है।

उन्होंने बताया कि ''देव कांटा'' की नस्ल से प्रजनन कराने की कीमत लाखों रुपये है। एक बार प्रजनन कराने के लिए एक लाख रुपये लिए जाते हैं। अब तक ''देव कांटा'' से 35 बार प्रजनन कराया जा चुका है, जिसके शानदार परिणाम सामने आए हैं। सोनू चौधरी के अनुसार काला कांटा और देव कांटा की नस्ल से अच्छी एवं शानदार गुणवत्ता वाले घोड़े पैदा हो रहे हैं। ''देव कांटा'' से पैदा हुए घोड़ों की खरीद-फरोख्त भी काफी महंगी कीमतों पर होती है। इसी वजह से देव कांटा अपनी नस्ल और प्रजनन क्षमता के कारण विशेष पहचान बना चुका है।

पुष्कर मेले में बाउंसरों की सुरक्षा के बीच पहुंचा सफेद घोड़ा बादल :- अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में एक से बढ़कर एक शानदार घोड़ों का आगमन जारी है। रविवार को ''बादल'' नाम का सफेद घोड़ा विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुष्कर मेला मैदान पहुंचा। घोड़े को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बादल घोड़े की सुरक्षा में करीब 30 से 40 बाउंसर तैनात रहे। ढोल-धमाकों के साथ घोड़े को मेले में लाया गया। जैसे ही बादल मुख्य सड़क पर पहुंचा, उसे देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। करीब डेढ़ घंटे तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बादल को उसके तंबू तक पहुंचाया गया। इस दौरान घोड़े को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क के दोनों ओर जमा हो गए। इसके चलते मुख्य मार्ग पर जाम जैसी स्थिति बन गई। बादल की आकर्षक बनावट और उसके साथ चल रही सुरक्षा व्यवस्था मेले में लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही।

सिंघाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के ढाणी हुक्मा के पास देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 24 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में भैंसावता कलां निवासी भूपेंद्र उर्फ टिल्लू (24) पुत्र नेमीचंद की जान चली गई। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक की महज 9 माह की बेटी है, जिसके सिर से पिता का साया उठ गया।

जानकारी के अनुसार भूपेंद्र देर रात बाइक से सिंघाना से अपने गांव भैंसावता कलां लौट रहा था। इसी दौरान ढाणी हुक्मा के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि

- **नौ माह की मासूम के सिर से पिता का साया उठा**

बाइक के परखच्चे उड़ गए और भूपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके पर रूकने के बजाय वाहन सहित फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल भूपेंद्र को सिंघाना के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एएसआई विनोद कुमार लामोरिया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करवाया। भूपेंद्र मुर्गी फार्म के दाने की गाड़ी चलाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। उसकी असमय मौत से परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। पीछे 9 माह की मासूम बेटी सहित परिवार के सदस्य रह गए हैं। जिस उम्र में बेटी को पिता के स्नेह और सहारे की जरूरत थी, उसी उम्र में वह पिता के साये से वंचित हो गई।

एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि हादसे को अंजाम देकर फरार हुए अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही लोगों से पूछताछ कर वाहन के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। परिजनों की ओर से रिपोर्ट मिलने पर मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर : सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में आवारा जानवर के अचानक सड़क पर आने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों हादसे पशु को बचाने के प्रयास में हुए। पहला मामला जोधपुर-जैसलमेर हाईवे का है। बालोतरा जिले के रहने वाले राजूसिंह ने पुलिस को बताया कि 14 नवंबर को उनका बेटा तनुसिंह (20) अपने साथी ईश्वरसिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। जैसलमेर रोड पर स्थित हनुमान का बाडिया के पास अचानक मोटरसाइकिल के सामने एक आवारा पशु आ गया। पशु को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिल से नियंत्रण छूट गया और बाइक बेकाबू होकर पास की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तनुसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

वहीं विवेक विहार थाना क्षेत्र के ई-सेक्टर में भी दुर्घटना में युवक की मौत का मामला सामने आया है। प्रदीप रावल ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि 13 नवंबर को उसका भाई अजय पाल रावल (24) भगतासनी हाउसिंग बोर्ड से अपनी मोटरसाइकिल लेकर सांगरिया गांव जा रहे थे। रास्ते में अचानक सामने एक नीलगाय आ गई। नीलगाय को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और स्लिप हो गई। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण अजय पाल की मौके पर ही मौत हो गई।

तार चोरी के मामले में रेलवे सुरक्षा बल ने तीन आरोपियों को पकड़ा

89.600 किलो ओएचई तार, पिकअप, बाइक, कैंची, प्लास एवं तार काटने में प्रयुक्त अन्य उपकरण जब्त

कोटा, (निसं)। मंडल में ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) तारों की चोरी के मामले का खुलासा करते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएस) टीम ने रेल संपति चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में चार अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है, जबकि छह संदिग्धों से पूछताछ जारी है। मामले का खुलासा करने के लिये आरपीएफ अधिकारियों द्वारा 5 टीमों का गठन कर आरोपियों की धरपकड़ और चोरी में शामिल नेटवर्क का पता लगाने के लिए सघन जांच की जा रही है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा मंडल में 9 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच ओएचई तार काटने एवं चोरी की चार घटनाएं सामने आई हैं। इनमें जुल्मी-झालावाड़ सिटी रेलखंड पर दो तथा अलनिया-दाढ़देवी और बरुंदनी-

- **मामले में चार अन्य आरोपियों की पहचान कर तलाश की जा रही है**

पारसोली रेलखंड पर एक-एक घटना शामिल है। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आरपीएफ द्वारा आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी और चोरी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। रामगंजमंडी आरपीएफ पोस्ट द्वारा ओएचई चोरी के दो मामलों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सफलता प्राप्त की। कार्रवाई के दौरान लगभग 89.600 किलोग्राम ओएचई तार, जिसकी कीमत 32,166 रुपये है, बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त एक पिकअप वाहन, मोटरसाइकिल, लोहे की बड़ी कैंची, प्लास एवं तार काटने में प्रयुक्त अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। इस संबंध में रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम एवं रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने कहा कि ओएचई तार काटने की घटनाएं केवल रेलवे संपत्ति की चोरी नहीं, बल्कि यात्रियों एवं रेल परिचालन की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर अपराध हैं। रेलवे प्रशासन ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने और सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन श्रीवास्तव के नेतृत्व में आरपीएफ द्वारा अन्य आरोपियों की तलाश और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही राजस्थान पुलिस के साथ समन्वय कर घटनाओं में शामिल अन्य व्यक्तियों तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं।

केमिकल फैक्टरी में आग लगी

कोटा, (निसं)। औद्योगिक क्षेत्र के रोड नम्बर छह पर स्थित एक केमिकल फैक्टरी में अचानक से आग लग गई, आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निश्मन विभाग की दमकलें मौके पर पहुंची और चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

- **मौके पर पहुंची चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया**

अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र के रोड़ नम्बर छह पर स्थित एक केमिकल फैक्टरी मे आग लगने की सूचना मिली, केमिकल फैक्टरी में केमिकल के कारण इसके फैलने की आशंका को देखते हुए अलग-अलग फायर स्टेशनों से 4 दमकलों को मौके पर भेजा गया और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। अग्निश्मन अधिकारी ने बताया कि रविवार को केमिकल फैक्टरी के अलावा शहर में एक दो अन्य स्थानों पर आग लगने की घटना सामने आई, जहां दमकल भेजकर समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

नशा कोई भी हो, घातक होता है : डॉ. मोहन भागवत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्रीराजाराम आश्रम में चल रहे मरूनिनाद कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। इस शिविर में पांच हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। समापन कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मौजूद रहे। इस दौरान भागवत ने कहा कि ब्रिटिशर्स ने हमारी शिक्षा खत्म कर दी और खुद की हम पर लाद दी। इसलिए हमारे सम्पन्न लोग गरीब हो गए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिशर्स ने हमारे देश को एक प्रकार से नशे में डाल दिया। ब्रिटिश शासनकर्ताओं ने देख लिया कि हमारी सत्ता यहां सरक्षित नहीं है, जब तक ये होश में है। इन्हें जीतना संभव नहीं है। इन्हें बेहोश कर दो।

मोहन भागवत ने कहा कि नशा कोई भी हो घातक होता है। नशा केवल केमिकल ड्रग्स नहीं चाय कॉफी भी व्यसन बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि इंस्ट्ग्राम और फेसबुक के साथ प्रसिद्धि का भी नशा होता है। हम धर्मपरायण देश है। पूरी दुनिया को परोपकार से जोड़ने का हमारा स्वभाव रहा है। आक्रमणकारी एक के बाद एक जो नशे

- **जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्रीराजाराम आश्रम में चल रहे मरूनिनाद कार्यक्रम का समापन**

लाए हैं उस स्थिति में भी हम परोपकार को नहीं भूले हैं। मरूनिनाद कार्यक्रम 12 नवंबर को शुरु हुआ था। इसे लेकर शनिवार को शहर में तीन अलग-अलग जगहों से पथ संचलन भी निकला था।

शिविर में 500 से ज्यादा स्वयंसेवक पूरी व्यवस्था देखी। शिकारपुरा स्थित श्रीराजाराम आश्रम में बने मैदान को भी स्वयंसेवकों की ओर से तैयार किया गया। इसमें जोधपुर प्रांत के करीब 5 हजार स्वयंसेवक हिस्सा लिया। भागवत ने कहा कि एक ही आहवान करूंगा, समय बड़ा नाजुक है लेकिन एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगे। संघ की शाखा में आने से संघ के हो जाएंगे। यदि शाखा में नहीं आ सकते तो दायित्व निभा सकते हैं। कई काम हैं उसमें आइए..या ऐसा करने वालों की सहायता कीजिए। यदि ऐसा नहीं हो सकता है तो जो आप अपनी जगह पर के रहे हो वो निस्वार्थ होकर देश का सोचकर कीजिए। उन्होंने कहा कि जब समाज खड़ा होता है तो असंभव काम भी सिद्ध हो जाते है। कार्यक्रम के पीछे ये ही अर्थ है कि परिस्थिति और कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए अपने काम कीजिए। सरसंघचालक ने कहा कि जब संघ शुरू हुआ और शारिरिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई तो बैंड की जरूरत थी। स्वयंसेवकों ने रण संगीत का निर्माण किया था। उसके मन में स्वाभिमान का भाव जगता है। हम सभी को साथ लेकर चलना है। सारे समाज में अपनापन व्याप्त होना चाहिये, छोटे-छोटे अहंकार मिट जाने चाहिए। संगठन की शक्ति ही विजयशाली होती है। भागवत ने कहा कि समाज का आचरण वातावरण से बदलता है। कोई कुछ करता है तो कोई दूसरा भी देखता है। हम धर्म परायण देश है। पूरी दुनिया को परोपकार से जोड़ने का हमारा स्वभाव रहा है। आक्रमकारी एक के बाद एक जो नशे लाए है, उस स्थिति में भी हम परोपकार को नहीं भूले हैं।

चोरी की वारदात का खुलासा

उदयपुर, (का.सं.)। जिले की बडगांव थाना पुलिस ने चोरी की वारदात का 24 घंटे में खुलासा करते हुए दो युवकों सहित एक बाल अपचारी को निरूद्ध किया है।

जानकारी के अनुसार बड़गांव थाना क्षेत्र में एक सूने मकान का ताला

- **पुलिस ने दो युवकों सहित एक बाल अपचारी को निरूद्ध किया है**

तोड़कर चोरी की वारदात हुई थी। पुलिस टीम ने क्षेत्र में लगे एक दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण करते हुए मुखबीर तंत्र की सहायता से संदिग्धों की पहचान कर दबीश देकर 24 घंटे के भीतर ही वारदात का खुलासा कर दिया।

पुलिस ने वारदात में लिप्त डांगियों का गुडा थाना सुखेर निवासी जितेन्द्र (20), विकास (22) को गिरफ्तार करते हुए एक बाल अपचारी को निरूद्ध चोरी गए जेवरात व अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को अदाल में पेश किया जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

मृत युवक के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके में शनिवार देर शाम को स्टेशन क्षेत्र के राम मंदिर रोड पर स्थित मधुर डेयरी में हुए अग्निकांड की चपेट में आने से झुलसने से मृत युवक के परिजनों ने रविवार को मुआवजे की मांग को लेकर पोस्टमार्टम रूम के बाहर प्रदर्शन किया और मुआवजा नहीं मिलने तक पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर मृतक के परिजनों व परिचितों के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही एसडीएम व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश की गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम को स्टेशन क्षेत्र के राम मंदिर रोड स्थित मधुर डेयरी में आग लग गई। आग की चपेट में आने सें मधुर डेयरी में काम करने वाले भदाना निवासी लेखराज की गंभीर रूप से झुलसने से मौत हो गई थी। घटना के बाद रविवार को मृतक के शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही थी, उसी दौरान मृतक के परिजनों व परिचितों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करते हुए पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। बाद में मुआवजे की मांग को लेकर पोस्टमार्टम रूम के बाहर ही धरने पर बैठ गये। एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर हंगामा व धरने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और मृतक के परिजनों से समझाइश की। आलाधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश करते हुए नियमानुसार मिलने वाली सहायता राशि दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन प्रदर्शन कर रहे लोगों द्वारा मुआवजे में आर्थिक सहायता के रूप में करीब 20 लाख से अधिक राशि देने की मांग की जा रही थी, जिसके चलते मृतक के शव का पोस्टमार्टम की कार्यवाही रूक गई बाद मे काफी समझाइश के बाद दुकान के मालिक व व्यापारियों द्वारा परिजनों को ढाई लाख रूपये मौके पर सहायता राशि देने के बाद समझौता हुआ और पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई।

जैसलमेर की धरती आज भी भूमिगत बिजली लाइनों की बाट जोह रही

जैसलमेर, (निसं)। स्वर्णनगरी जैसलमेर की धरती सदियों से अपनी सहनशीलता, अतिथि सत्कार और मानवीय संवेदनाओं के लिए पहचानी जाती रही है। यहां की लोक परंपरा इतनी समृद्ध रही है कि राह चलते किसी प्यासे व्यक्ति के पानी मांगने पर उसे केवल पानी ही नहीं, बल्कि गाय का शुद्ध दूध पिलाकर सत्कार करने की परंपरा भी रही है। सीमित संसाधनों और विषम रेगिस्तानी परिस्थितियों के बावजूद यहां के बाशिंदों ने हमेशा उदारता और सहनशीलता का परिचय दिया है। लेकिन विडंबना यह है कि राज्य और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला जैसलमेर आज भी बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए परेशान है।

गौरतलब है कि जैसलमेर जिला प्राकृतिक संपदा, खनिज, सौर ऊर्जा, पर्यटन और कृषि के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी

- **सोनू के लाइमस्टोन से रेलवे, सौर ऊर्जा से देश और पर्यटन से प्रदेश को मिल रहा भारी राजस्व**

विशिष्ट पहचान रखता है। सोनू क्षेत्र की लाइमस्टोन खदानों से निकलने वाला चूना पत्थर रेलवे के लिए महत्वपूर्ण राजस्व और औद्योगिक गतिविधियों का आधार बना हुआ है। वहीं जिले के विशाल रेगिस्तानी भूभाग में स्थापित सौर ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित बिजली देश के विभिन्न हिस्सों को रोशन करने में योगदान दे रही है। देशी-विदेशी पर्यटकों की आवाजाही से पर्यटन व्यवसाय के माध्यम से प्रदेश और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा लाभ मिल रहा है। इसके अतिरिक्त जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विशाल कृषि भूमि पर मेहनतकश किसान खेती के माध्यम से धरती से सोना उगा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्र होने के बावजूद जैसलमेर के लोगों ने अपनी मेहनत, धैर्य और जीवटता से इस क्षेत्र को आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण बनाया है।

जैसलमेर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्की बरसात, तेज आंधी और मौसम में मामूली बदलाव आते ही बिजली आपूर्ति बाधित हो जाना आम समस्या बनती जा रही है। कई बार थोड़ी सी बूंदाबांदी या तेज हवा चलते ही एहतियात के तौर पर बिजली बंद कर दी जाती है। इससे घरों में रहने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों, व्यापारियों और अन्य नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में बिजली कटौती से पेयजल आपूर्ति, घरेलू कार्य और व्यापार प्रभावित होते हैं। वहीं सर्दियों और पर्यटन सीजन में भी बार-बार बिजली गुल होने से होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन व्यवसाय और स्थानीय व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। बिजली पर निर्भर छोटे व्यवसायों और प्रतिष्ठानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार जहां तकनीकी और भौगोलिक परिस्थितियां अनुकूल हों, वहां भूमिगत विद्युत लाइनें बिछाने से आंधी, बारिश, पेड़ों की डालियों और खुले तारों से होने वाली कई प्रकार की बाधाओं को कम किया जा सकता है। इससे विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ शहर की सुंदरता और सुरक्षा में भी सुधार हो सकता है। जैसलमेर की ऐतिहासिक पहचान, पर्यटन की संभावनाओं और भविष्य की बढ़ती आबादी को देखते हुए चरणबद्ध तरीके से भूमिगत विद्युत लाइन बिछाने की योजना तैयार करना समय की आवश्यकता है। विशेषकर सोनार दुर्ग, भीतरी शहर, प्रमुख बाजारों, घनी आबादी वाली बस्तियों और पर्यटन क्षेत्रों में इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य किया जाना चाहिए।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जंगलों में दिखा ''पैंथर''

बूंदी, (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जंगलों में वन्यजीवों की मौजूदगी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। शनिवार सुबह जोन नंबर एक में जिप्सी सफारी के दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में पर्यटकों को बघेरे (पैंथर)

- **बघेरे की सुनहरी आभा और उसकी मनमोहक झलक ने पर्यटकों की सफारी को यादगार बनाया**

का दीदार हुआ। जंगल के प्राकृतिक परिवेश में बघेरे की सुनहरी आभा और उसकी मनमोहक झलक ने पर्यटकों की सफारी को यादगार बना दिया।

बूंदी के सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी अनिल गुप्ता (भंडारी) अपनी



जिप्सी सफारी के दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में पर्यटकों को बघेरे (पैंथर) का दीदार हुआ।

पत्नी इंदु भंडारी, बैंक ऑफ अमेरिका में मैनेजर पुत्र अधीश भंडारी, पुत्रवधू रितिका भंडारी तथा एसेंचर में मैनेजर बेटी श्रद्धा भंडारी के साथ टाइगर रिजर्व की सैर पर पहुंचे थे। इसी दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में उन्हें बघेरा नजर आया। खास बात यह रही कि दूसरी जिप्सी में सवार गुजरात से आए पर्यटकों को भी बघेरे को करीब से देखने का अवसर मिला।

गौरतलब है कि रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व वन्य जीव पर्यटन के उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। वर्तमान में यहां पर्यटकों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, लेकिन बाघों और बघेरों की लगातार साइटिंग पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जंगल की समृद्ध जैव विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों की मौजूदगी रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व को पर्यटन की दृष्टि से विशेष पहचान दिलाने की क्षमता रखती है। बेहतर प्रचार-प्रसार और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार से आने वाले समय में यह राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में अपनी जगह बना सकता है।

बूंदी शहर की सफाई और अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त

बूंदी, (निसं)। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन एवं नगर परिषद ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। इसी के तहत रविवार को जिला कलैक्टर हरफूल सिंह यादव और नगर परिषद सभापति भरत शर्मा ने शहर के प्रमुख मार्गों का औचक निरीक्षण कर सफाई एवं अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार जिला कलैक्टर और सभापति ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से नैनवां रोड

- **जिला कलैक्टर और सभापति ने शहर का औचक निरीक्षण किया**
- **दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने और कचरा पात्र रखने के निर्देश**

चौराहे तक पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क किनारे और नालियों के ऊपर दुकानदारों द्वारा किए गए अस्थाई अतिक्रमण को देखकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। उन्होंने दुकानदारों से समझाइश करते हुए स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील की। साथ ही प्रत्येक दुकान पर कचरा पात्र रखने और आसपास सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी बहादुर सिंह सर्किल स्थित सब्जी मंडी भी पहुंचे। यहां उन्होंने मंडी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। प्रशासन की ओर से दुकानदारों को आश्वस्त किया गया कि उन्हें जल्द ही व्यवस्थित रूप से दुकानों का आवंटन किया जाएगा।इसके अलावा सब्जी मंडी के मुख्य द्वार और बाहर सड़क परअव्यवस्थिततरीके से खड़े रहने वाले हाथ ठेला चालकों को भी समझाइश दी गई। अधिकारियों ने उन्हें यातायात में बाधा उत्पन्न नहीं करने तथा निर्धारित स्थान पर ही ठेले लगाने के निर्देश दिए।प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य शहर के प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाना, सफाई व्यवस्था में सुधार करना और आमजन के लिए सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है।

सार-समाचार

अन्नकूट महाप्रसादी का वितरण

दौसा (निसं.)। गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण सभा जिला दौसा एवं श्री परशुराम धर्मशाला ट्रस्ट दौसा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को स्थानीय श्री परशुराम धर्मशाला में जिला स्तरीय दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। श्री परशुराम धर्मशाला में आयोजित अन्नकूट महाप्रसादी वितरण में ब्राह्मण समाज के सैकड़ों लोगों ने परिवार सहित हिस्सा लेकर पंगत-प्रसादी ठाहण की। महाप्रसादी वितरण से पूर्व भगवान परशुराम के मंदिर में कड़ी, बजारा, चावल और चौले के अलावा खीर, मालपुआ और पूरी सब्जी का भोग लगाकर कार्यक्रम आरंभ किया गया, जो देर शाम तक जारी रहा। समारोह में गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण सभा जिला दौसा के जिलाध्यक्ष बाबूलाल जैमन, पूर्व जिलाध्यक्ष वैध लक्ष्मीकांत शर्मा सिंगवाड़ा, जिला महामंत्री देवेन्द्र गुमानपुरा, चाणक्य छात्रावास निर्माण समिति के अध्यक्ष कैलाश भारद्वाज, श्री परशुराम धर्मशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार तिवाडी, उपाध्यक्ष वैद्य विनोद कुमार शर्मा, मंत्री मुकेश जैमन, संगठन मंत्री पुरुषोत्तम जैमन महादेपुरा, कोषाध्यक्ष गोविन्द गौड़ के अलावा ब्राह्मण सभा के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर मंडावरी, उपाध्यक्ष मदन मनपुरा, संगठनमंत्री मदन पाराशर पिचूपाड़ा, कोषाध्यक्ष दीपक जटवाड़ा, कार्यालय मंत्री कैलाश बबली महेश्वरा और संगठन प्रभारी रामनारायण पंडा, गोवर्धन पंडा, दौसा ठाामीण अध्यक्ष वैध मुरारी लाल मालगवास, सत्यनारायण शर्मा ट्रांसपोर्टर, पं. रूपेश शास्त्री, धर्मराज शर्मा, रमेश जैमन, शीतल चौबे, पूर्व चेयरमैन सुरेश घोसी, ज्ञान जैमन, नरेंद्र जैमन, सत्यनारायण दुब्बी, रामावतार कौशिक, कैलाश शर्मा तहसीलदार, उर्मिला जोशी, हुकुम मंडावरी, ओम प्रकाश ट्रांसपोर्टवाले, श्याम बिहारी शर्मा टहला और शिवराज शर्मा आदि गणमान्यजन मौजूद रहे।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

फुलेरा। राजस्थान विप्र महासभा शाखा फुलेरा के तत्वावधान में रविवार को राजू दाधीच की अध्यक्षता में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने भगवान परशुराम जी की पूजा-अर्चना कर दीपावली की राम-श्यामा की तथा एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद सभी ने जलपान किया। इस अवसर पर आयोजित सभा में समाज के विकास एवं उत्थान को लेकर विचार-विमर्श किया गया। नंदकिशोर गौड़, यादराम जोशी, प्रभुदयाल दाधीच, सुरेश चंद्र सारस्वत, महेश सहाय शर्मा, महेश दाधीच, मनीष शर्मा, धनराज शर्मा एवं कमलेश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को संगठित एवं मजबूत बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन महासभा के महामंत्री शैलेन्द्र शर्मा ने किया। इस दौरान ओमप्रकाश शर्मा, गोपाल लाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, त्रिलोक चंद शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, मनीष शर्मा, डॉ. सुमित शर्मा, विशाल सुरोलिया, आदित्य दाधीच, शिवकुमार शर्मा, राजेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश दाधीच, संजय शर्मा, दिनेश सुरोलिया, नंदकिशोर शर्मा, रामप्रसाद जोशी, रामविलास शर्मा, गौरीशंकर पारीक, बजरंग जोशी एवं तनिष्क गौड़ सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

हादसे में 16 लोग घायल, आधा दर्जन जयपुर रेफर

लालसोट। लालसोट क्षेत्र के नगरीयावास में कार और जीप के बीच हुई भीषण भिडंत ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर में करीब 16 लोग घायल हो गए। हादसा इतना गंभीर था कि घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और घायलों की मदद के लिए आसपास के लोग दौड़ पड़े । हादसे के बाद सभी घायलों को तत्काल लालसोट जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया। घायलों में करीब आधा दर्जन की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जीप में सवार लोग दौसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र से बताए जा रहे हैं। वहीं, जीप में सवार लोगों का संबंध सवाई माधोपुर जिले से भी बताया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। एक ही हादसे में 16 लोगों के घायल होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। अब पुलिस जांच में हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा होने का इंतजार है।

वरिष्ठ नागरिक संस्थान का दीपावली महोत्सव मनाया

कोटा, (निसं)। वरिष्ठ नागरिक संस्थान कोटा द्वारा स्टेशन स्थित होटल में भव्य दीपावली महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष टीपीएस सेठी ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा थीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता रविन्द्र विजय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन बानी सेठी एवं प्रभज्योत ने किया। समारोह में संस्थान के सदस्यों ने अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। रामलीला के अंतर्गत सीता हरण पर आधारित नाटिका का मंचन किया गया, जिसमें राम मदनानी, डॉली मदनानी, रमाकांत शर्मा एवं सी.पी. चोरसिया ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। इसके अलावा महिलाओं के समूह नृत्य में उमंग भार्गव, सुशीला पवन, पूर्णिमा मेहता एवं वंदना मेवाड़ा ने शानदार प्रस्तुति दी। गीत-संगीत, विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं आकर्षक रैंप वॉक ने समारोह में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में मनोरंजक खेलों, नंबर हाउजी एवं लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया, जिसका सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष टी.पी.सेठी ने कहा कि संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी सदस्यों के बीच प्रेम, सौहार्द्र, भाईचारे एवं पारिवारिक एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। सेठी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक संस्थान केवल सामाजिक मेल-मिलाप तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा हैं। संस्थान समय-समय पर जरूरतमंदों, अनाथ बच्चों, वृद्धजनों एवं वंचित वर्गों की सहायता के लिए विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित करता रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य संस्थान की प्राथमिकता हैं। उन्होंने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को एक ऐसा परिवार और मंच प्रदान करना है।

ग्राम पंचायत तुलसीपुरा नवनिर्वाचित सरपंच अनिल गिठाला ने संभाला पदभार

पावटा। पंचायत समिति विराटनगर की ग्राम पंचायत तुलसीपुरा के नवनिर्वाचित सरपंच अनिल गिठाला ने शनिवार सुबह विधिवत रूप से सरपंच पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत परिसर में भव्य पदभार ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें ठााम विकास अधिकारी अशोक कुमार, पूर्व सरपंच अर्चना देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और नवनिर्वाचित सरपंच का स्वागत किया व पदभार ठाहण करवाया। पदभार ठाहण करने के बाद नवनिर्वाचित सरपंच अनिल गिठाला ने ठाामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत की जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए वह सभी के आभारी हैं। उनका प्रयास रहेगा कि गांव में मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और विकास से जुड़े कार्य करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि ठााामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और गांव का सर्वांगीण विकास करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने गांव के विकास की प्राथमिकताओं को लेकर कहा कि गांव की सड़कों और नालियों का निर्माण एवं मरम्मत, पेयजल व्यवस्था में सुधार, नियमित सफाई, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था और जलभराव की समस्या का समाधान करवाने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षिणक सुविधाएं, आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। गांव में स्वच्छता अभियान को गति देने, सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण, जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, तालाबों एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण और आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का प्रयास रहेगा। युवाओं के लिए खेल मैदान और खेल सुविधाओं का विकास, महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करेंगे।



नवनिर्वाचित सरपंच अनिल गिठाला ने शनिवार सुबह विधिवत रूप से सरपंच पद का कार्यभार ग्रहण किया।

- गांव में मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और विकास से जुड़े कार्य करवाए जाएगे- अनिल गिठाला

मतदान केंद्रों का निरीक्षण

सवाई माधोपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नियोजित निर्वाचन पर्यवेक्षक ब्रजेश कुमार चांदोलिया ने रविवार को जिले में चार पंचायत समिति क्षेत्रों में ठााम पंचायतों के सरपंच और वार्ड पंच के पदों पर मतदान के लिए निर्धारित मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निर्वाचन पर्यवेक्षक ने पंचायत समिति सवाई माधोपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, इटावा तथा पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चौथ का बरवाड़ा स्थित मतदान केन्द्रों के कई बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित मतदान केंद्रों पर सरपंच और वर्ड पंच के पदों पर मतदान के बाद की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निर्वाचन पर्यवेक्षक ने निरीक्षण के दौरान मतगणना के लिए निर्धारित कक्षों एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की जानकारी ली और मतगणना प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करवाया।

महिलाओं के समक्ष आने वाले चुनौतियों पर मंथन

दौसा (निसं.)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ विद्यालय शिक्षा के तत्वावधान में रविवार स्थानीय आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय दौसा में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों, महिला सशक्तिकरण, शैक्षिक एवं सामाजिक विषयों एवं वर्तमान समय में महिलाओं के समक्ष चुनौति और उनके समाधान पर चर्चा की गई।

सम्मेलन में जिला महिला मंत्री एवं मुख्य वक्ता प्रधानाचार्य कमला शर्मा ने संगठन का परिचय, उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। जिला महिला उपाध्यक्ष रश्मि मीना ने संगठन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता सेवानिवृत्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमवती शर्मा ने की। वही दूसरे सत्र की अध्यक्षता सुषमा विजय ने की। राष्ट्र सेविका समिति की वंदना गौतम ने महारानी पद्मावती की व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रेरणादाई व्याख्यान दिया।

सत्र का संचालन जिला महिला मंत्री उर्मिला जांगिड ने किया। तीसरे सत्र का मुख्य विषय महिलाओं के समक्ष चुनौतियां रहा। तीसरे सत्र की अध्यक्षता सेवानिवृत्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अंजना त्यागी मुख्य ने की।

गुलमोहर स्कूल में सजी काव्य रसधार, कवियों की रचनाओं ने बांधा समां

पावटा। कस्बे के गुलमोहर स्कूल प्रांगण में रविवार को संकल्प साहित्य साधना मंच पावटा के तत्वावधान में भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। साहित्यिक माहौल में सजी इस गोष्ठी में जिले के वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने अपनी ओजपूर्ण कविताओं, मधुर गीतों और भावपूर्ण गजलों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान साहित्य, संस्कृति, देशभक्ति, प्रेम और मानवीय संवेदनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकल्प साहित्य साधना मंच के अध्यक्ष वैद्य ओमप्रकाश जोशी ने की, जबकि धर्मपाल धर्म विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन सुनील सलोना ने प्रभावशाली अंदाज में किया। गोष्ठी का शुभारंभ भारत एवं भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात उमेश चंद्र चंदर ने सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति देकर साहित्यिक आयोजन का आगाज किया। अध्यक्ष वैद्य ओमप्रकाश जोशी ने अपनी राजस्थानी कविता के माध्यम से स्थानीय संस्कृति और भाषा की मिठास बिखेरी, जिस पर श्रोताओं ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। काव्य गोष्ठी में मंच के संरक्षक उमेश चंद्र चंदर, कल्याण बख्श कल्याण, नरेश जांगिड जिज्ञासु, शंभू दयाल गढ़वाल, राधेश्याम गंधर्व, दीपक बंसल, प्रकाश प्रियम, भवानी सिंह भूधर, सुनील सलोना, सुरेश धमोरा एवं डॉ. रूप नारायण असवाल सहित अन्य कवियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, भारतीय संस्कृति, प्रेम, राष्ट्रप्रेम और जीवन के विविध पहलुओं को शब्दों में पिरोकर श्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया। एक से बढ़कर एक काव्य प्रस्तुतियों के बीच पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय कवि एवं आयोजक नरेश जांगिड जिज्ञासु ने सभी कवियों, अतिथियों एवं उपस्थित साहित्यप्रेमियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर साहित्यकारों ने साहित्यिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच, सांस्कृतिक चेतना और हिंदी-राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार का संदेश दिया।

- संकल्प साहित्य साधना मंच की काव्य गोष्ठी में वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने कविता, गीत और गजलों से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

चौथे चरण में सरपंच-पंच पदों के लिए मतदान आज

सवाई माधोपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के चतुर्थ चरण में जिले की सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, चौथ का बरवाड़ा एवं वजीरपुर पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं पंच पदों के लिए सोमवार, 16 नवंबर को मतदान होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने बताया कि मतदान प्रात: 7 से सायं 6 बजे तक होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद ठााम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना की जाएगी, जबकि उपसरपंच पद के लिए निर्वाचन 17 नवंबर को होगा।मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं तथा सरपंच एवं पंच पदों के चुनाव बैलेट पेपर से होंगे।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में चुनाव ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों को छोडकर मोबाइल फोन, कॉर्डलेस फोन, वायरलेस सेट एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने तथा उपयोग करने पर प्रतिबंध रहेगा। सुरक्षा घेराबंदी के भीतर भी इन उपकरणों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। उल्लंघन की स्थिति में उपकरण जब्त किए जा सकेंगे । जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से अफवाहों से दूर रहने, लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिकाधिक भागीदारी निभाने की अपील की है।

बिरसा मुंडा जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रुप में मनाई

कोटा, (निसं)। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रविवार को रायपुरा चौराहा स्थित कार्यालय में एसटी जिला अध्यक्ष कर्मेन्द्र मीणा के नेतृत्व में जनजातीय गौरव दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर एसओ जिला अध्यक्ष ने बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन, त्याग, बलिदान एवं जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए किए गए ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके विचार हमें समाज में एकता, शिक्षा, स्वाभिमान एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं। इस दौरान सभी कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से उनके आदर्शों पर चलने तथा जनजातीय समाज के उत्थान, सम्मान एवं अधिकारों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में एसटी जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने भगवान बिरसा मुंडा के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर दिनेश मीणा मामा, पवन मीणा, पहलवान मीणा, नईम, मंडल महामंत्री संतोष मीणा, दिनेश मेहता, विष्णु मीणा, भारत जैन मामा, रामगोपाल बेरवा, रामदेव, धनराज बेरवा सहित कई।

दीपावली मिलन समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी स्थित कैलाशपुरी में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, समारोह का आयोजन एडवोकेट अशोक चौधरी द्वारा किया गया। दीपावली मिलन समारोह के अवसर पर एडवोकेट मोतीलाल उज्जवल ने कविता पाठ किया, समारोह में शामिल हुए अधिवक्ताओ ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी, समारोह में मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम कमल कुमार महर्षि से कमल कुमार शर्मा पुत्र श्री मनोहर लाल शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी फ्लैट नम्बर 202, स्कीम नम्बर 14 बी, विधाधर नगर, प्लाट नम्बर 48, मल्होत्रा नगर, जयपुर

मैंने अपना नाम SHRUTI SARRAF से बदलकर SHRUTI रख लिया है भविष्य में मुझे SHRUTI के नाम से जाना जाए पताः- बखरानियों का मोहल्ला, मेड़ता सिटी, नागौर, राजस्थान 341510

मैंने अपना नाम KAUSALIYA से बदलकर KAUSHALIYA DEVI SONI रख लिया है भविष्य मुझे KAUSHALIYA DEVI SONI के नाम से जान जाए पताः- बखरानियों का मोहल्ला, मेड़ता सिटी, नागौर, राजस्थान 341510

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4, जाब्ता दीवानी)

अज अदालत अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, क्रम सं. 1, सांभरलेक (जिला जयपुर)

गुलखा उर्फ गुलाब देवी

बनाम

श्रीमति ग्यारसी देवी वगै.

दावा बाबत घोषणा, निरस्तीकरण विक्रय विलेख एवं स्थायी निषेधाज्ञा

मुकदमा नं. 01 सन् 2018

बनाम -

1.मुसम्मी सीमा पुत्री लालचन्द, माता स्व. ग्यारसी देवी, कौम धानका (1/2)

2. मुसम्मी लाली पुत्री लालचन्द, माता स्व. ग्यारसी देवी, कौम धानका (1/3)

साकिन निवासी- मकान नंबर 359, जे.पी. कॉलोनी, जोन नंबर 03, अमानीशाह बाबा की मस्जिद के पास, अरमान मीट शॉप के सामने, शास्त्रीनगर, जयपुर।

चूंकि वादीगण ने इस अदालत में 1. गुलखा उर्फ गुलाब देवी बनाम 2. श्रीमति ग्यारसी देवी वगै. दायर की जो कि बाद में फौत हो गया और चूंकि प्रतिवादियां ग्यारसी देवी मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी लाली पुत्री लालचन्द व सीमा पुत्री लालचन्द मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 1/2 व 1/3 बनायें जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही आपको तारीख 17.11.2026 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 13.10.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से रीडर प्रथम

मोहर न्यायालय

अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-01 सांभरलेक, जिला जयपुर

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4, जाब्ता दीवानी)

अज अदालत अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, क्रम सं. 1, सांभरलेक (जिला जयपुर)

गुलखा उर्फ गुलाब देवी

बनाम

श्रीमति ग्यारसी देवी वगै.

दावा बाबत प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा

मुकदमा नं. 01 सन् 2018

बनाम -

1.मुसम्मी सीमा पुत्री लालचन्द, माता स्व. ग्यारसी देवी, कौम धानका (1/2)

2. मुसम्मी लाली पुत्री लालचन्द, माता स्व. ग्यारसी देवी, कौम धानका (1/3)

साकिन निवासी- मकान नंबर 359, जे.पी. कॉलोनी, जोन नंबर 03, अमानीशाह बाबा की मस्जिद के पास, अरमान मीट शॉप के सामने, शास्त्रीनगर, जयपुर।

चूंकि वादीगण ने इस अदालत में 1. गुलखा उर्फ गुलाब देवी बनाम 2. श्रीमति ग्यारसी देवी वगै. दायर की जो कि बाद में फौत हो गया और चूंकि प्रतिवादियां ग्यारसी देवी मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी सीमा पुत्री लालचन्द / लाली पुत्री लालचन्द मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 1/2 व 1/3 बनायें जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही आपको तारीख 17.11.2026 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 13.10.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से रीडर प्रथम

मोहर न्यायालय

अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-01 सांभरलेक, जिला जयपुर

मजदूर व महिलाओं को जज ने दी कानूनी अधिकारों की जानकारी

टोंक। जिला मुख्यालय पर 14 से 15 नवंबर तक आयोजित विधिक सेवा सप्ताह का समापन रविवार को हो गया। इस दौरान असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, महिलाओं, बालिकाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को उनके कानूनी अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता की पात्रता और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी गई। वहीं, 14 नवंबर से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं और बच्चों को जागरूक करने के लिए विशेष पखवाड़ा अभियान भी शुरू किया गया। ये कार्यक्रम अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला एवं सेशन न्यायाधीश मीनाक्षी शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ।

अतिरिक्त जज जलुथरिया ने बताया कि ने बताया कि सप्ताह के दौरान जिले में कई लक्षित वर्गों तक विधिक जागरूकता पहुंचाने के उद्देश्य से कई प्रोग्राम किए गए। यह जागरूकता गतिविधियां जिला मुख्यालय के साथ-साथ कई तालुका विधिक सेवा समितियों के माध्यम से भी आयोजित की गईं। सप्ताह के आखिली दिन 15 नवम्बर को भी विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विधिक सेवा सप्ताह का समापन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं और बच्चों को नशे के खिलाफ जागरूक करना और नशा मुक्ति, पुनर्वास से संबंधित उपलब्ध सहायता और सेवाओं की जानकारी प्रदान करना है।



युवा को नशामुक्ति के लिए जागरूक किया।

उपद्रव की धमकी देने वाले दो युवक गिरफ्तार

लालसोट। युवती के अपहरण के मामले की जांच के दौरान लालसोट थाने में उस समय हंगामे की स्थिति पैदा हो गई, जब पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए लाए गए दो युवकों ने थानाधिकारी के सामने ही ऊंची आवाज में धमकी देना शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार दोनों युवकों ने थानाधिकारी से कहा कि आप मुझे यहां क्यों लेकर आए हो, मैं आपको देख लूंगा। इतना ही नहीं, युवती के परिजनों को भी बाद में देख लेने की धमकी दी तथा थाने में उपद्रव करने की चेतावनी दी।

पुलिस के अनुसार परिवादी श्यामलाल सैनी ने अपनी पुत्री अर्चना सैनी के अपहरण के संबंध में परिवाद पेश किया था। मामले की जांच के दौरान युवती अर्चना सैनी अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची थी। इस दौरान संदिग्ध जितेन्द्र सैनी एवं गुलकेश सैनी भी थाने पर मौजूद थे। जांच के दौरान दोनों युवकों ने पुलिस के सामने तेज एवं बुलंद आवाज में हंगामा करते हुए कहा कि उन्होंने किसी का अपहरण नहीं किया है और अर्चना सैनी के परिजन उन पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने पुलिस से उन्हें छोड़ने की मांग करते हुए उपद्रव करने की धमकी भी दी। पुलिस के मुताबिक थानाधिकारी एवं थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों युवकों को बार-बार समझाइश की, लेकिन वे नहीं माने और थाने में अशांति उत्पन्न करने लगे। इसके बाद पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में दोनों को उनके कृत्य से अवगत कराते हुए नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना भी नियमानुसार दी गई।

उत्साह के साथ मनाया जनजाति गौरव दिवस

बूंदी। 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में 'जनजाति गौरव दिवस' का जिला-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशासनिक अधिकारी ओम प्रकाश वर्मा व सहायक सांख्यिकी अधिकारी धारासिंह मीणा ने दीप प्रज्ज्वलन और भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा चलाए गए 'उलगुलान' और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए दिए गए उनके अद्वितीय बलिदान को याद किया। इस अवसर पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जनजाति गौरव दिवस' से संबंधित मुख्य कार्यक्रम केसंबोधनका जीवंत प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) का प्रदर्शन किया गया,जिसेउपस्थित सभी लोगों ने देखा। कार्यक्रम के दौरान जनजाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं (चित्रकला, निबंध, खेलकूद, कुश्ती दौड़ आदि) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कन्या आश्रम जनजाति छात्रावास (बड़ोदिया व खटकड़) की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जनजाति समुदाय के विकास और सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रशासनिक एवं जिला परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

नम्बर मिलाइए
8890333139



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

रुद्रांश खंडेलवाल को मिला अर्जुन अवॉर्ड, हादसे में गंवाया था पैर

भरतपुर (निसं)। मुश्किलें जब हौसलों से टकराती हैं तो जीत हमेशा हिम्मत की होती है। भरतपुर के पैरा निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल ने अपनी मेहनत, लगन और मजबूत इच्छाशक्ति से इस बात को साबित कर दिखाया है। आठ साल की उम्र में एक दर्दनाक हादसे में अपना एक पैर गंवाने वाले रुद्रांश ने कभी हार नहीं मानी। कृत्रिम पैर के सहारे दोबारा चलना सीखा और फिर निशानेबाजी को अपना लक्ष्य बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया। उनकी इसी असाधारण उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर उनके माता-पिता विनीता खंडेलवाल और आशुतोष खंडेलवाल भी मौजूद रहे। रुद्रांश की सफलता के पीछे संघर्ष की लंबी कहानी है। 24 जनवरी 2015 को एक शादी समारोह के दौरान आतिशबाजी की सामठाी में हुए विस्फोट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पैर में गंभीर चोट और संक्रमण फैलने के कारण डॉक्टरों को उनकी जान बचाने के लिए एक पैर काटना पड़ा। इस हादसे के बाद उन्हें पूरी तरह स्वस्थ होने में करीब तीन साल का समय लगा। इतनी कम उम्र में जीवन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करने के बावजूद रुद्रांश ने हिम्मत नहीं हारी। इस कठिन दौर में मां विनीता खंडेलवाल ने बेटे का आत्मविश्वास बनाए रखा। जब रुद्रांश को लगता था कि अब वह दूसरे बच्चों की तरह खेल नहीं पाएंगे, तब मां उन्हें भरोसा दिलाती थीं कि वे भी अपने सपने पूरे कर सकते हैं। परिवार के सहयोग से उन्होंने कृत्रिम पैर के सहारे दोबारा चलना सीखा और धीरे-धीरे सामान्य जिंदगी की ओर लौटे। इसके बाद शूटिंग कोच सुमित राठी के मार्गदर्शन में निशानेबाजी का सफर शुरू हुआ। देखते ही देखते यह जुनून उनकी पहचान बन गया और मेहनत के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। रुद्रांश ने पैरा शूटिंग में अब तक चार बार विश्व रिकॉर्ड तोड़कर अपनी प्रतिभा साबित की है। वर्ष 2023 में वह 50 मीटर शूटिंग स्पर्धा में दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी भी रहे। उ

हत्या के आरोपी दम्पति न्यायालय से दोष मुक्त

सांभरझील । अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश जगत सिंह पंवार ने हत्या के आरोपों से रामकुंवार बैरवा पुत्र सायर बैरवा व उसकी पत्नी रामप्यारी देवी पत्नी रामकुंवार, निवासी टीबा की ढाणी, तन दयालपुरा, पुलिस थाना दूदू, जिला जयपुर को दोष मुक्त माना, जबकि मारपीट के मामले में पति-पत्नी को दोषी ठहराते हुए तत्काल जेल भेजने के बजाय तीन वर्ष की परिवीक्षा पर छोड़ने का आदेश भी सुनाया।

इसके लिए प्रत्येक आरोपी को 25 हजार रुपये का व्यक्तिगत बंधपत्र और इतनी ही राशि का जमानतदार प्रस्तुत करना होगा। साथ ही प्रत्येक को एक हजार रुपये अभियोजन व्यय जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। घटना के संदर्भ में दर्ज रिपोर्ट में कहा गया कि दिनांक 14/10/2023 को समय करीब 5 बजे रूपादेवी अपने देवर हरिराम के साथ खेत पर बाड़ कर रही थी। उस समय रामकुंवार, रामप्यारी एवं बनवारी ने वहां आकर हरिराम के साथ मारपीट शुरू करदी। रामकुंवार एवं बनवारी ने हरिराम के हाथ पकडे तथा रामप्यारी ने सिर पर लाठी से वार किया। जिसके कारण मौके पर ही हरिराम की मौत हो गई। साथ देने के लिए आरोपियों के साथ जाट समाज के लोग भी मौजूद थे। शोर मचाने पर आरोपी उनके साथ गाड़ी से भाग गए। अदालत ने आरोपियों द्वारा हरिराम को चोट पहुंचाने का तथ्य तो पाया, लेकिन यह संदेह से परे साबित नहीं हो सका कि उन्हीं चोटों के कारण उसकी मृत्यु हुई। सिर के पिछले हिस्से की गंभीर चोट को भी आरोपियों की मारपीट से विश्वसनीय रूप से जोड़ना संभव नहीं होना पाया गया। न्यायालय ने यह भी उल्लेख किया कि हरिराम की मृत्यु होना प्रमाणित है, लेकिन आरोपियों के कृत्य से उसकी मृत्यु होना साबित नहीं हुआ। ऐसे में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत मृतक के परिजनों को उचित प्रतिकर देने पर विचार करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर को अनुशंसा भेजने के निर्देश दिए गए हैं।इस मामले में आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता मंजूर अली ने पैरवी करते हुए बचाव का पक्ष रखा, जबकि राज्य सरकार की ओर से विद्वान अपर लोक अभियोजक नानूराम धाभाई ने पैरवी की।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, तहसीलदार ने रुकवाया

टोंक। आवां में सरकारी जमीन पर कब्जे की सूचना पर पहुंचे तहसीलदार ने काम रुकवाया। आवां कस्बे में करीब एक बीघा बेशकीमती सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश की गई, इस दौरान अतिक्रमियों ने रातों-रात नींव खोदकर पक्का निर्माण शुरू कर दिया और दीवारें खड़ी करने लगा। सूचना मिलने पर रविवार को तहसीलदार अजय पांडे पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण रुकवाकर अतिक्रमी को दोबारा कब्जा करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

- सामग्री जब्त कर अतिक्रमी को पाबंद किया



तहसीलदार अजय पांडे ने निर्माण रुकवाकर अतिक्रमी को दोबारा कब्जा करने पर कानूनी कार्रवाई की।

तहसीलदार अजय पांडे ने बताया कि आवां कस्बे में सरदारपुरा रोड के पास करीब एक बीघा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने की शिकायत मिली थी। इस पर रविवार को पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की तो सरकारी जमीन पर निर्माण कार्य होता मिला। अतिक्रमी ने रातों-रात जमीन पर नींव खोदकर पक्का निर्माण शुरू कर दिया था, वह तेजी से दीवारें खड़ी कर सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा था। इस मामले में सरपंच शोभा भारद्वाज ने भी प्रशासन को जानकारी देकर न्यायसंगत कार्यवाही की मांग की थी।

तहसीलदार ने राजस्व रिकॉर्ड की जांच की तो संबंधित जमीन सरकारी पाई गई।

इस पर उन्होंने सख्ती दिखाते हुए तत्काल निर्माण कार्य बंद करवा दिया। साथ ही मौके पर पड़ी निर्माण सामग्री जब्त करने की चेतावनी भी दी। तहसीलदार ने अतिक्रमी भागचंद गोयल को लिखित में पाबंद किया कि दोबारा इस जमीन पर किसी भी तरह की गतिविधि या निर्माण कार्य किया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

बच्चों को दी नियमित गोसेवा के महत्व की जानकारी

चूरू। भास्कर भवन में सराफ फाउंडेशन बेंगलुरु की ओर से संचालित गीता क्लासेज रविवार को कक्षा का शुभारंभ गिरधारी लाल सर्राफ व गीता क्लासेज के कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम संयोजक संजय सिंघानिया ने बच्चों से महापुरुषों के जयकारे लगवाए। इसके बाद बच्चों को पंचामृत, पांच श्लोक व स्वामी जी की आवाज में प्रार्थना का सामूहिक अभ्यास करवाया गया। जनार्दन आचार्य ने बच्चों को गीता के प्रथम व बारहवें अध्याय का अध्ययन करवाया तथा निरंजन देव आचार्य ने सातवें व पन्द्रहवें अध्याय का अध्ययन करवाया। बच्चों की सुविधा एवं बेहतर अध्ययन के लिए छह अलग-अलग कक्षाएं संचालित की गई। इस दौरान युक्ति संस्थान के डॉ. रमेश सोनी को पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर गीता क्लासेज की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रमेश सोनी ने गीता क्लासेज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चूरू में गीता कक्षा द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किये जा रहे हैं।

सार-समाचार

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन



राजगढ़। कस्बे में ब्राह्मण समाज की ओर से ब्राह्मण धर्मशाला में रविवार को दोपहर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन राजेश शर्मा ठेकेदार की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस दौरान 58 प्रतिभाओं सहित जनप्रतिनिधियों, राज्य सरकार की नौकरी पाने वाले विशिष्ट जनों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष विशंभर दयाल शर्मा ने राजगढ ब्राह्मण समाज की ओर से आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को आगे लाने में इस तरह के सम्मान समारोह प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। माता-पिता एवं गुरुजनों के संस्कारों से प्रतिभाएं आगे बढ़ती है। इससे पूर्व जिला अध्यक्ष विशंभर दयाल शर्मा, राजेश शर्मा, मनोज गौतम, संत ज्ञानेश्वर शर्मा, रामावतार सिद्ध, आकाश मिश्रा, ओम प्रकाश शर्मा, प्रकाश दीक्षित एवं अन्य ने भगवान परशुराम की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के संयोजक दिनेश शास्त्री, अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश शास्त्री ने किया।

भोलेनाथ की मनमोहक झांकी सजाई

दौसा। सुंदरकांड समिति शिक्षक कॉलोनी गुप्तेश्वर रोड दौसा के तत्वावधान में रविवार को स्थानीय शिक्षकेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण सामूहिक अन्नकूट एवं पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया। इस दौरान अखंड रामायण का पाठ प्रारंभ किया गया साथ ही भगवान भोलेनाथ की मनमोहक झांकी भी सजाई गई । अन्नकूट प्रसादी वितरण के दौरान आसपास की कॉलोनियों के सैकडो लोगो ने पंगत प्रसादी ठाहण की तथा प्रसादी वितरण में सहयोग भी किया। सामुहिक अन्नकूट एवं पंगत प्रसादी वितरण के मुख्य यजमान घासीलाल शर्मा चौबे एवं प्रधानाचार्य पीयूष शर्मा ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश शर्मा, पार्षद आशीष आचार्य, योगेंद्र शर्मा मालू, राजेश खांडल, पंडित घनश्याम शर्मा, नरेंद्र शर्मा खुरी, नरेश शर्मा हरिद्वार, महेश जीतपुर, देवकी मोहन शर्मा, आशुतोष जांगिड, मुकेश टापरिया, शिव शंकर गांधी, वैध शिवचरण शर्मा, जयेश शर्मा, कमलेश गौतम, अंबेश जाकड़, पंडित पवन शर्मा, पीयूष जैन, पंकज ढिगारिया, अरविंद चतुर्वेदी, निर्मल हरितवाल, आलोक आचार्य, विवेक शर्मा, दीपक शर्मा हिंगोटिया, अजय गुर्जर रलावता, चंद्र मोहन शर्मा, जयेश खांडल, चंद्र मोहन शर्मा, सोनू जैन आदि समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित रहे। शिक्षकेश्वर महादेव का मनमोहक श्रृंगार राजेश शर्मा द्वारा किया गया। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के सामूहिक आयोजनों से समाज में परस्पर स्नेह एवं प्रेम बढ़ता है और सनातन धर्म का प्रचार प्रसार होता है और आपसी भाईचारा बढ़ता है।

टोंक महोत्सव कार्यक्रम का प्रारम्भ

टोंक। अंजुमन सोसायटी खानदान ऐ अमीरिया एवं जिला प्रशासन के सहयोग से टोंक महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इस दौरान कार्यक्रमो के अन्तर्गत आल इंडिया सेमिनार एवं पुस्तक विमोचन, चारबैत, लान टेनिस, प्रतियोगिता, बैडमिंटन, अखिल भारतीय मुशायरा, और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में रविवार को एपीआरआई संस्थान में टोक के इतिहास और संस्कृति की पुस्तकों का विमोचन किया गया, जिसमें अनेक शोधकर्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अंजुमन सोसायटी खानदान ऐ अमीरिया के सैकडों लोग मौजूद रहे। वही डॉ. मोहम्मद बाकिर हुसैन ने क़ैसर खान की कृति 'फ़रहंग-ए-नौ आईन-ए-हिंदी' का शोधपरक एवं आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह मूलत: क़ैसर खान का एम.फिल. का शोध-प्रबंध है, जिसे प्रो. फ़रीद अहमद बरकाती के निर्देशन में तैयार किया गया था। वर्ष 2026 में यह शोध-प्रबंध पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर पाठकों के समक्ष उपस्थित है। इसमें अठारहवीं शताब्दी में अरबी, फ़ारसी, उर्दू, देवनागरी तथा जनभाषा में प्रचलित शब्दों और मुहावरों का संकलन किया गया है। इसे राजस्थान में उर्दू के कोश-विज्ञान और भाषायी अनुसंधान के क्षेत्र में एक मील का पत्थर कहा जा सकता है।

नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भव्य स्वागत-अभिनंदन

फुलेरा। ग्राम माल्यावास में रविवार को श्री जमवाय माता मंदिर परिसर में ग्रामीणों की ओर से नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ठाामवासियों ने जनप्रतिनिधियों का माला एवं साफा पहनाकर तथा महिला जनप्रतिनिधियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समाजसेवी भूपेंद्र सिंह के अनुसार समारोह में नगर पालिका फुलेरा के उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत, ग्राम पंचायत अरडा का के सरपंच संम्पत सिंह राठौड़, जयपुर नगर निगम के वार्ड 95 के पार्षद मानवेन्द्र सिंह शेखावत, ठााम पंचायत सुरसिंहपुरा की उपसरपंच लाड कंवर, ग्राम पंचायत रोजड़ी की सरपंच गुलाब देवी प्रतिनिधि मोनूकुमावत, उपसरपंच ओमपाल सिंह खंगारोत, ग्राम पंचायत काचरोदा की सरपंच रजनी कुमावत तथा माल्यावास की वार्ड पंच प्रेम देवी, मांगी देवी एवं भूरी देवी का स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ठाामीणों ने सभी जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचल के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। साथ ही सड़क, पेयजल सहित अन्य जनसमस्याओं के समाधान तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का आठाह किया। समारोह में सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और विकास कार्यों में जनभागीदारी का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में मगन सिंह, बजरंग सिंह, मदनलाल, जितेंद्र सिंह, बाघसिंह, तेजसिंह, मालसिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राजेश आचार्य ने नृत्यांजलि समारोह में अपनी वाणी से बिखेरा जादू

सांभरझील। कला की चमक और प्रतिभा की धमक सामान्य ही नहीं, बल्कि असामान्य व्यक्तित्वों को भी अपनी ओर आकर्षित करती है। परमात्मा की इस अनमोल देन को विभिन्न स्वरूपों में दूसरों तक पहुंचाने का संकल्प लेकर अपने अडिग पथ पर अठासर सांभर रामलीला निदेशक राजेश आचार्य की कला का जादू छह दशक की उम्र पार करने के बाद भी बरकरार है। संगीत, गायन, नाटक मंचन और मंच संचालन के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा का कोई सानी नजर नहीं आता । मंच से उनकी प्रभावशाली वाणी का ऐसा जादू चलता है कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। यही वजह है कि उन्हें विभिन्न आयोजनों में आमंत्रित करने के लिए आयोजक अवसर तलाशते रहते हैं। इसी प्रतिभा के चलते उन्हें शिवम नृत्य अकादमी, जयपुर एवं कला क्षेत्र नृत्य अकादमी, पुणे के संयुक्त नृत्यांजलि समारोह में मंच संचालन का अवसर मिला, जिससे शाकंभरी नगरी एक बार फिर गौरवान्वित हुई। राजेश आचार्य ने बताया कि नृत्यांजलि समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. पुनीता सिंह, संयुक्त निदेशक, पर्यटन विभाग तथा विशिष्ट अतिथि लोक कला मर्मज्ञ विनोद जोशी सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में मंच संचालन का अवसर मिलना उनके लिए गौरव का विषय रहा।

ओम बिरला ने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी

अलवर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने बहरोड विधायक एवं पूर्व मंत्री दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव के निधन पर उनके अलवर स्थित आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर श्रृद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रृद्धाजंलि अर्पित की तथा शोक संतृप्त परिवारजनों को ढाढस बंधाया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा, रामगढ विधायक श्री सुखवंत सिंह, पूर्व विधायक श्री बनवारी लाल सिंघल व श्री मंगलराम कोली सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने बहरोड विधायक एवं पूर्व मंत्री दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव को श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।

पावटा में मीणा, बराला आदि जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन

पावटा। निजी कार्यालय प्रागपुरा पर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अध्यक्ष मीना अजय सैनी द्वारा दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, चौमूं विधायक शिखा मील बराला, सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर एवं कोटपुतली बहरोड़ जिलाध्यक्ष तथा पूर्व विधायक इन्द्राज गुर्जर का साफा एवं माला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों का पारंपरिक तरीके से सम्मान करते हुए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। साथ ही उपस्थित सभी साथियों के साथ आत्मीय मुलाकात हुई और विभिन्न विषयों पर आपसी चर्चा एवं विचार-विमर्श का अवसर मिला।

- दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, चौमूं विधायक शिखा मील बराला एवं सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर, जिलाध्यक्ष तथा पूर्व विधायक इन्द्राज गुर्जर का स्वागत



पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अध्यक्ष मीना अजय सैनी ने दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, चौमूं विधायक शिखा मील बराला आदि का स्वागत सम्मान किया।

इस दौरान कार्यालय पर सौहार्दपूर्ण माहौल रहा। सभी जनप्रतिनिधियों एवं साथियों की उपस्थिति ने इस मुलाकात को यादगार बनाया। इस दौरान अध्यक्ष मीना सैनी, अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय सैनी, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि जगदीश मीणा, दशरथ सिंह, गणेश सैनी, रामनिवास यादव, राजीव डहरवाल सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पावटा में सर्विस रोड के किनारे बने नालों की बदहाल स्थिति

पावटा। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 स्थित सर्विस रोड के किनारे बने नालों की बदहाल स्थिति प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल रही है। नाले कचरे और गंदगी से पूरी तरह अटे पड़े हैं। जगह-जगह प्लास्टिक, कूडा-कचरा और अन्य अपशिष्ट जमा होने से नालों का अस्तित्व ही मानो खत्म होता नजर आ रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग और प्रशासन इस गंभीर समस्या से बेखबर बने हुए हैं।

- नालों में कचरा जमा होने से पानी की निकासी बाधित होने की आशंका बनी हुई है

नालों में कचरा जमा होने से पानी की निकासी बाधित होने की आशंका बनी हुई है। बारिश के दौरान यही स्थिति जलभराव का कारण बन सकती है। वहीं गंदगी के चलते दुर्गंध और मच्छरों के पनपने का खतरा भी बढ़ रहा है, जिससे आसपास के दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही हैरानी की बात यह है कि सर्विस रोड के नालों पर कहीं फेरो कवर लगे हुए हैं तो कहीं नाले पूरी तरह खुले पड़े हैं। खुले नाले राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

विशेषकर रात के अंधेरे में खुले नाले दिखाई नहीं देने से दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। ऐसे में किसी वाहन के असंतुलित होने या राहगीर के नाले में गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर सफाई व्यवस्था की यह तस्वीर सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है।

श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का सैलाब

पावटा। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर की पावन धरा पर केशवानंद आशीष गर्ग द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और कथावाचक के मुखारविंद से प्रवाहित हो रही भागवत कथा का रसपान किया। वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक बृजेश पाठक ने कथा के दौरान श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन को सद्मार्ग पर ले जाने वाली आध्यात्मिक प्रेरणा है। इसके श्रवण से मन में सकारात्मक विचारों का संचार होता है तथा व्यक्ति को सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में आध्यात्मिकता और ईश्वर भक्ति ही मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान कर सकती है। कथा के दूसरे दिन बृजेश पाठक महाराज ने भक्त ध्रुव की भक्ति, दृढ़ संकल्प और तपस्या का प्रसंग सुनाया।

- कथावाचक ने श्रीमद्भागवत के महात्म्य, भक्ति और धर्म के महत्व का किया भावपूर्ण वर्णन, भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

उन्होंने बताया कि किस प्रकार बालक ध्रुव ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने संकल्प को नहीं छोड़ा और भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा एवं भक्ति के बल पर विशेष स्थान प्राप्त किया। भक्त ध्रुव का प्रसंग श्रद्धालुओं को यह संदेश देता है कि सच्ची श्रद्धा, दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर साधना से कठिन लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने का प्रयास

मनोहरपुर। बाल दिवस के अवसर पर सेवार्थ फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से जयपुर स्थित महात्मा गांधी मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों की शैक्षिणक सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंप्यूटर सेट भेंट किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने और तकनीकी ज्ञान के प्रति प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया। संस्था प्रमुख साधना सेठी एवं डॉ. एकता वशिष्ठ ने बताया कि शिक्षा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर शिक्षा और तकनीकी संसाधनों से जोड़ना बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय को कंप्यूटर सेट भेंट कर बच्चों के शैक्षिणक विकास में सहयोग किया गया । इस सेवा कार्य में संस्था की सहयोगी सदस्य एवं शिक्षाविद् शीतल अरोरा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में रीना मीणा भी उपस्थित रहीं।

फिजियोथैरेपी चिकित्सा आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत कड़ी : जूली

अलवर। अलवर में चिकित्सा विज्ञान, आधुनिक तकनीक और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब रविवार को प्रताप ऑडिटोरियम में द्वितीय राष्ट्रीय फिजियोथैरेपी कॉन्फ्रेंस 'नेशनल अलवर फिजियोकॉन-2026' सीजन-2 का भव्य शुभारंभ हुआ। अलवर एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट्स के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने किया। इस अवसर पर उन्होंने फिजियोथैरेपी को आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि आज मरीजों के उपचार और तेजी से रिकवरी में फिजियोथैरेपिस्ट्स की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

- अलवर में द्वितीय राष्ट्रीय फिजियोथैरेपी कॉन्फ्रेंस 'नेशनल अलवर फिजियोकॉन-2026' का भव्य शुभारंभ, देशभर के विशेषज्ञों ने साझा किए शोध, अनुभव और आधुनिक उपचार पद्धतियां

जूली ने कहा कि यह अलवर के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि लगातार दूसरे वर्ष देशभर के प्रतिष्ठित फिजियोथैरेपिस्ट्स यहां एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। ऐसे राष्ट्रीय आयोजन न केवल चिकित्सा जगत के विशेषज्ञों को अपने अनुभव और ज्ञान साझा करने का अवसर देते हैं, बल्कि नई तकनीकों, शोध और उपचार की आधुनिक पद्धतियों को आम मरीजों तक पहुंचाने का रास्ता भी खोलते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आज उपचार का दायरा केवल दवाइयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पद्धितयों और विशेषज्ञों के समन्वित प्रयासों से मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, "दवा और दुआ के साथ आधुनिक फिजियोथैरेपी तकनीक मरीजों की रिकवरी को अधिक प्रभावी और तेज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। फिजियोथैरेपिस्ट्स आज चिकित्सा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।"

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि फिजियोथैरेपी केवल शारीरिक तकलीफों से राहत देने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति को दोबारा आत्मनिर्भर और सामान्य जीवन की ओर लौटाने की महत्वपूर्ण चिकित्सा पद्धित है। ऐसे में इस क्षेत्र में लगातार हो रहे शोध, नवाचार और तकनीकी विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे चिकित्सकों और विशेषज्ञों द्वारा नई थीसिस, नवीन विचारों, शोध और आधुनिक तकनीकों पर किए जा रहे विचार-विमर्श को चिकित्सा जगत के लिए उपयोगी बताया।

साल में एक बार गांव में डॉक्टर नहीं, बेटा बनकर लौटते हैं डॉ. नूतन शर्मा

किशनगढ़ बास। मुंबई का सैफी अस्पताल जहां देश के बडे-बड़े लोग इलाज के लिए लाइन में लगते हैं। उसी अस्पताल में न्यूरो सर्जन एवं यूनिट हेड हैं डॉ. नूतन शर्मा।नाम, शोहरत, पैसा सब कुछ है। लेकिन साल में एक बार जब वह अपनी जन्मभूमि पर लौटते हैं, तो न कोई बड़ा डॉक्टर रहता है, न कोई वीआईपी। बस गांव का एक बेटा रहता है, जो अपने लोगों की सेवा के लिए स्टेथोस्कोप लेकर खड़ा होता है।

यह कहानी किशनगढ़ बास नगर पालिका के वार्ड गांव बास कृपाल नगर की जहां दो दिन से लगे दो दिवसीय विशाल मल्टी एवं सुपर स्पेशलिस्ट नि:शुल्क परामर्श शिविर की। जो इस बार 19 वा था। यह शिविर जन कल्याण एवं शिक्षा विकास समिति बास कृपाल नगर व डॉ. श्रॉफ धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय अलवर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस शिविर में हजारों मरीजों ने नि:शुल्क परामर्श लिया और मुफ्त दवाइयां पाईं।

शिविर में 2 दिन तक मरीजों की लंबी कतार लगी रही। सुबह से ही आसपास के गांवों से लोग पहुंच रहे थे। बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे सभी ने शिविर का लाभ उठाया। 14 व 15 को 2 दिन के शिविर में डॉ. नूतन शर्मा सहित डॉ. योगेंद्र शर्मा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर, डॉ. सोनम गुप्ता, डॉ. मेघा गुप्ता, डॉ. पीयूष गुप्ता, डॉ. चंद्रेश यादव, डॉ. हंसराज यादव, डॉ. लक्ष्य की टीम ने मरीजों की जांच की। मरीजों को नि:शुल्क परामर्श के साथ-साथ मुफ्त दवाइयां भी दी गईं। गंभीर मरीजों को आगे के इलाज के लिए उचित मार्गदर्शन भी दिया गया।

- 19 वांविशाल मल्टी एवं सुपर स्पेशलिस्ट नि:शुल्क शिविर, 2 दिन चले शिविर में हजारों मरीजों को मिला मुफ्त परामर्श व दवा। गांव के लोग भी बने सेवक

शिविर में बड़ी संख्या में गांव के लोग अपनी सेवाएं देते नजर आए। किसी ने रजिस्ट्रेशन संभाला, तो किसी ने मरीजों को डॉक्टर तक पहुंचाया। किसी ने पानी पिलाया, तो किसी ने दवा वितरण में मदद की।हर कोई व्यक्ति सेवा में लगा था। लोगों ने कहा 19 साल से लगातार चल रहा यह शिविर अब क्षेत्र की पहचान बन चुका है। मुंबई जैसे बड़े शहर में बड़ा पद और नाम होने के बावजूद डॉ. नूतन शर्मा का गांव से जुड़ाव आज भी वैसा ही है। उनकी इस सेवा भावना से हजारों गरीब मरीजों को महंगे इलाज से राहत मिलती है।

वकीलों का दलित व पीड़ित व्यक्तियों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान : व्यास

भरतपुर । बार एसोसिएशन भरतपुर द्वारा ऑडिटोरियम, महात्मा गांधी वेटरनरी कॉलेज, आगरा रोड, भरतपुर में लॉयर ए रियल कर्मयोगी सेमिनार का आयोजन भव्य रूप से किया गया। लॉयर ए रियल कर्मयोगी बिषय पर आयोजित इस सेमिनार में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता के साथ राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति उमाशंकर व्यास, सुदेश बंसल, ज्ञानेशराम मीणा, विपिन गुप्ता, अनिल उपमन सहित अन्य न्यायाधीश के अलावा बार काउंसिल आफ राजस्थान के को-चेयरमैन सतीश खाण्डल तथा सदस्यगण रजनीश गुप्ता, रामजीत, शशिबाला, हेमा तिवारी और अन्य पदाधिकारीगण तथा राजस्थान उच्च न्यायालय के अनेकों वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शिरकत की। सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति ने राजस्थान उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधिपतियों के साथ दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उसके बाद सीनियर एडवोकेट एस के गुप्ता द्वारा अतिथियों के स्वागत में उद्बोधन देते कहा गया कि भरतपुर बार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पधारकर अधिवक्ताओं का सम्मान बढाया है।



भरतपुर में लॉयर ए रियल कर्मयोगी सेमिनार का आयोजन किया गया।

तत्पश्चात भरतपुर के गार्जियन जज उमाशंकर व्यास ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता ने इस सेमिनार में पधारकर इस संगोष्ठी के महत्व और गंभीरता को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी का जो विषय इस सेमिनार में चुना गया है, उसकी इस ब्रजप्रदेश में महत्वपूर्ण भूमिका है। भरतपुर के अधिवक्ताओं के महत्व को बताते हुए कहा कि भरतपुर के अधिवक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अधिवक्ताओं के व्यवसाय को लोकतंत्र के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा दलित व पीड़ित व्यक्तियों को न्याय दिलाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। आदमी जब निराश हो जाता है, तब वह वकीलों का सहारा लेता है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार उपाध्याय द्वारा इस सेमिनार का आयोजन किया गया है।

इसके बाद राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति सुदेश बंसल ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा की वह स्वयं भरतपुर के रहने वाले हैं तथा वकील कोटे से न्यायाधीश बने हैं। उन्होंने गिरिराज महाराज की ब्रजभूमि में महत्वता को चित्रण किया और गिरिराज महाराज का जयकारा लगाकर अपना उद्बोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की विधिक संगोष्ठी बार काउंसिल आफ राजस्थान के तत्वावधान में भी होनी चाहिए। उन्होंने इस सेमिनार के आयोजन के लिए भरतपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार उपाध्याय को धन्यवाद देते हुए कहा कि सेमिनार गौरव की बात है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता का अभिनन्दन करते हुए कहा कि वह न्याय के क्षेत्र में हम सभी के गुरु हैं। संगोष्ठी से बार-बेंच के मध्य मधुरता आती है, जिससे न्याय में सुगमता होती है। अधिवक्ता कर्मयोगी हैं। वे अपना कर्तव्य निभाते हैं। पुराने मामलों का निपटारे में न्यायपालिका का सहयोग अधिवक्ताओं के बिना नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भरतपुर के वकील कर्म योगी के साथ भक्ति योग में भी रहते हैं।



भारत के लिए खेलने की वही भूख फिर लौट आई है, जब मैं घरेलू क्रिकेट में वापसी करके रन बनाता था, तब भी यही जुनून रहता था। अगर मुझे दोबारा भारत के लिए खेलना है तो मुझे एक बार फिर अपनी जगह बनाने के लिए पूरी ताकत लगानी होगी। – **सूर्यकुमार यादव**

भारतीय बल्लेबाज, टीम में वापसी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



आर्यवीर सहवाग

भारत की अंडर-19 एशिया कप जीत के नायक आर्यवीर सहवाग ने अपने गर्वित पिता वीरेंद्र सहवाग के साथ वीडियो कॉल पर बातचीत के दौरान खुलासा किया कि "जब मेरी कोहनी पर गेंद लगी तो फिजियो दो-तीन बार आए। स्टैंड में करीब 2,000 पाकिस्तानी दर्शक मौजूद थे। वे 'सहवाग-सहवाग' के नारे लगा रहे थे क्योंकि वे चाहते थे कि मैं बल्लेबाजी करता रहूं। वे मेरा समर्थन कर रहे थे। यह बेहद मजेदार था।" आर्यवीर ने यह भी बताया कि रविवार को दिल्ली पहुंचने के बाद उन्हें अपनी कोहनी का एमआरआई कराना होगा।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने एक कैलेंडर वर्ष 2026 में 9वीं बार टी20 इंटरनेशनल में 200 या उससे अधिक रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए राजस्थान की दक्षिणा जोशी ने किया क्वालीफाई



जयपुर, 15 नवंबर। राजस्थान की उभरती तैराक दक्षिणा जोशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दक्षिणा प्रदेश की एकमात्र तैराक हैं, जिन्होंने इन खेलों की तैराकी स्पर्धाओं के लिए पात्रता हासिल की है। वे बालिका वर्ग की 100 और 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धाओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी। राजस्थान तैराकी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल व्यास ने बताया कि स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की ओर से जारी क्वालीफाई तैराकों की सूची में दक्षिणा जोशी का नाम शामिल है। दक्षिणा ने 100 मीटर बटरफ्लाई में 1 मिनट 5.35 सेकंड और 200 मीटर बटरफ्लाई में 2 मिनट 21.21 सेकंड का समय निकालकर दोनों स्पर्धाओं में जगह बनाई है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आठवां संस्करण 11 से 22 दिसंबर तक हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित होगा। इसमें देशभर के करीब 6 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिताएं हैदराबाद सहित तेलंगाना के छह शहरों में होंगी।

भीलवाड़ा ने जीता 12वीं राज्य स्तरीय सीनियर कॉर्फबॉल का खिताब

रत्नगढ़ (चूरू), 15 नवंबर। राजकीय बुद्धमल दुग्गड़ नेहरू स्टेडियम, रत्नगढ़ में 13 से 15 नवंबर तक आयोजित 12वीं राज्यस्तरीय सीनियर कॉर्फबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश की 16 टीमों के करीब 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में भीलवाड़ा ने हनुमानगढ़ को कड़े संघर्ष में 6-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। हनुमानगढ़ को दूसरा स्थान मिला, जबकि जयपुर ने बीकानेर को 6-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी रमाकांत रूंथला रहे तथा अध्यक्षता भामाशाह मनोज सर्राफ ने की। राजस्थान कॉर्फबॉल संघ के अध्यक्ष नरेश कुमार शर्मा ने सफल आयोजन के लिए जिला संघ, खिलाड़ियों और अतिथियों का आभार जताया। प्रतियोगिता प्रतिवेदन इंद्रप्रकाश टांकिवाल ने प्रस्तुत किया। राजस्थान कॉर्फबॉल संघ के सचिव परसराम शर्मा ने सभी खिलाड़ियों और अतिथियों का धन्यवाद किया। समारोह में राजस्थान राज्य सॉफ्टबॉल संघ के अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम नकवी और राजस्थान राज्य सॉफ्ट टेनिस संघ के सचिव अरविंद कुमार टांकिवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विजेता टीमों को ट्रॉफी और खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पदक देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों और ग्रामीणों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

आज से खेला जाएगा चार गोल्स का कोटा कप पोलो

चार टीमें लेंगी हिस्सा, 22 नवंबर को होगा फाइनल मुकाबला

जयपुर, 15 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत राजस्थान पोलो क्लब (आरपीसी) में 16 से 22 नवंबर तक 4 गोल्स का कोटा कप आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में रामबाग, जयपुर, जगत पोलो और आरपीसी की चार टीमें खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। मुकाबले 18 नवंबर से शुरू होंगे। पहले दिन पीपीली ग्राउंड पर रामबाग का मुकाबला जयपुर से और जगत पोलो का सामना आरपीसी से होगा। 19 नवंबर को पीपीसी ग्राउंड तथा 20 नवंबर को आरपीसी ग्राउंड पर क्रॉस सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। 21 नवंबर को विश्राम रहेगा, जबकि फाइनल 22 नवंबर को दोपहर 3:30 बजे आरपीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा। रामबाग टीम में मिर्जा मोहम्मद बेग, सिद्धांत सिंह और प्रताप सिंह कानोता शामिल हैं। जयपुर टीम की ओर से विश्वराज सिंह राग्रैड़, डीनो धनखड़ और एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह खेलेंगे। जगत पोलो टीम में विजयश्री शक्तावत, वीरम देव सिंह कृष्णावत, विशाल सिंह राठौड़ और फेडे बौठडू शामिल हैं। वहीं, आरपीसी की टीम से योगेश्वर सिंह, मुकेश सिंह, एलन शॉन माइकल और जयवीरसिंह गोहिल मैदान में उतरेंगे।

भारत ने न्यूजीलैंड को 5वें वनडे में 22 रन से हराया, सीरीज पर 3-1 से कब्जा किया

अर्शदीप रहे प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि बरार ने प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता



माउंट माउंगानुई, 15 नवंबर। भारतीय तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को पांचवें और निर्णायक वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। बे ओवल में खेले गए कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.1 ओवर में 209 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.1 ओवर में 187 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड की धरती पर तीसरी बार एकदिवसीय श्रृंखला जीतने का गौरव हासिल किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 2009 और 2018-19 में यहां वनडे श्रृंखला जीती थी।

भारत की जीत में अर्शदीप सिंह ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 28 रन देकर दो विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज ने 50 रन देकर दो विकेट हासिल किए। औकीब नबी, यश ठाकुर और नमन धीर को एक-एक सफलता मिली। न्यूजीलैंड की ओर से डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। अर्शदीप सिंह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच व गुरनूर बरार को सीरीज में 9 विकेट हासिल करने के लिए मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत संभली हुई रही। टिम सीफर्ट और विल यंग ने शुरुआती दो ओवर सावधानी से खेले, लेकिन मोहम्मद सिराज ने पांचवें ओवर में सीफर्ट को 14 रन के निजी स्कोर पर मिड-ऑन पर कैच करा दिया। न्यूजीलैंड का पहला विकेट 26 रन पर गिरा।

इसके बाद विल यंग और निक केली ने पारी को आगे बढ़ाया। यंग 42 गेंदों पर 22 रन बनाकर अर्शदीप सिंह की गेंद पर ऋतुराज गायकवाड़ को कैच दे बैठे। 64 रन पर दूसरा विकेट गिरने के बाद निक केली और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने पारी संभालने की कोशिश की। अर्शदीप ने 22 रन बनाने वाले केली और फिन एलन को लगातार दो ओवरों में आउट कर न्यूजीलैंड को 83 रन पर चार झटके दे दिए।

फॉक्सक्रॉफ्ट और माइकल ब्रेसवेल ने पांचवें विकेट के लिए संघर्ष किया। दोनों ने टीम का स्कोर 116 रन तक पहुंचाया। औकीब नबी ने ब्रेसवेल को 19 रन पर आउट किया, जबकि यश ठाकुर ने 42 गेंदों पर 31 रन बनाने वाले फॉक्सक्रॉफ्ट को पवेलियन भेज दिया। न्यूजीलैंड का स्कोर 119 रन पर छह विकेट हो गया।

कप्तान मिचेल सैंटनर और क्रिस्टियन क्लार्क ने इसके बाद पारी को संभालते हुए टीम का स्कोर 155 रन तक पहुंचाया। नमन धीर ने 24 रन बना चुके सैंटनर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद अर्शदीप ने क्लार्क को 16 रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। अक्षर पटेल ने जैकब डफी को विराट कोहली के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को नौवां झटका दिया। डफी ने नौ रन बनाए। अंतिम दो ओवर में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 23 रन की जरूरत थी। अक्षर पटेल ने ब्लेयर टिकनर को 14 रन पर आउट कर मेजबान टीम की पारी 187 रन पर समाप्त कर दी।

गंभीर के कोच बनने के बाद विदेशी धरती पर पहली वनडे सीरीज जीत

भारत ने इस सीरीज के पहले दोनों मैच जीते थे, जबकि तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था और चौथे मैच में न्यूजीलैंड को जीत मिली थी। अब आखिरी मैच जीतकर भारत ने सीरीज पर कब्जा कर लिया है। खास बात यह है कि गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद यह विदेशी धरती पर भारत की पहली वनडे सीरीज जीत है।

रोहित-विराट फिर हुए फेल, 34 रन पर गिरे तीन विकेट

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिली। रोहित शर्मा सिर्फ सात रन बनाकर मैथ्यू फिशर की गेंद पर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को कैच दे बैठे। इसके तुरंत बाद विराट कोहली (05) भी फिशर की बाहर जाती गेंद पर विकेटकीपर टिम सीफर्ट को कैच थमा बैठे।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता, फाइनल में कोकी वातानाबे को दी शिकस्त



कुमामोटो (जापान), 15 नवंबर। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिम्नेजियम में खेले गए पुरुष एकल फाइनल में लक्ष्य ने दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी मेजबान जापान के कोकी वातानाबे को तीन गेम तक चले मुकाबले में 13-21, 21-18, 21-14 से हराया। वर्ल्ड टूर में लगातार अपना दूसरा फाइनल खेल रहे लक्ष्य ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की और वातानाबे को 1 घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में शिकस्त दी।

लक्ष्य ने मुकाबले की शुरुआत संभलकर की, लेकिन जापानी खिलाड़ी ने पहले गेम में उन पर दबाव बनाए रखा। वातानाबे ने लक्ष्य को कोर्ट के दाईं ओर खेलने के लिए मजबूर किया और भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाते हुए पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने आक्रामक रुख अपनाया। उनके दमदार स्मैश और बेहतर कोर्ट कवरेज के सामने वातानाबे को परेशानी हुई। लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-18 से जीतकर मुकाबले में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। निर्णायक तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआत में वातानाबे ने स्मैश के जरिए अंक हासिल किया, लेकिन लक्ष्य ने भी तुरंत वापसी की। नेट के करीब शानदार रिफ्लेक्स दिखाते हुए उन्होंने जापानी खिलाड़ी को गलती करने पर मजबूर किया। इसके बाद वातानाबे ने स्मैश से बराबरी की, लेकिन लक्ष्य ने लगातार अंक जुटाते हुए ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी लक्ष्य ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने दमदार स्मैश और सटीक शॉट्स के जरिए बढ़त बढ़ाई। एक समय वह 17-7 से आगे हो गए और खिताब उनसे कुछ ही अंक दूर रह गया। वातानाबे ने लगातार तीन अंक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन लक्ष्य ने उन्हें ज्यादा मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम 21-14 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

मुख्य कोच गौतम गंभीर की राय से असहमति जताई

आखिरकार हम सभी इंसान हैं, मशीन नहीं : श्रेयस



नई दिल्ली, 15 नवंबर। भारत के कार्यवाहक वनडे कप्तान श्रेयस अय्यर ने रविवार को न्यूजीलैंड में भारतीय बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को लेकर मुख्य कोच गौतम गंभीर की राय से असहमति जताई। उन्होंने कहा कि यहां की परिस्थितियों की तुलना विश्व कप मेजबान दक्षिण अफ्रीका से नहीं की जा सकती और पांच मैचों की सीरीज में दोनों टीम के गेंदबाजों का दबदबा रहा। भारतीय टीम के चौथे वनडे में महज 89 रन पर ऑलआउट होने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन पर चिंता जताई थी।

गंभीर ने कहा था, "मुझे चिंता होगी क्योंकि निश्चित तौर पर यहां की परिस्थितियां विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों के सबसे करीब हो सकती हैं।" जब अय्यर से पूछा गया कि क्या न्यूजीलैंड में खेली गई वनडे सीरीज अगले साल अक्टूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप की तैयारी के लिहाज से अभ्यास का मौका थी तो उन्होंने पांचवें वनडे में जीत के बाद विनम्रतापूर्वक गंभीर की राय से असहमति जताई। भारत ने यह मुकाबला जीतकर सीरीज 3-1 से अपने नाम की। अय्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम न्यूजीलैंड में हैं इसलिए इसकी तुलना दक्षिण अफ्रीका से नहीं कर सकते।

विदेशी दौरों पर बल्लेबाजी की चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर अय्यर ने कहा, "यहां हमें मध्य विकेट पर अभ्यास करने का मौका नहीं मिलता इसलिए हम यह अंदाजा नहीं लगा पाते कि गेंद किस दिशा में जाएगी। जब भी हम विदेश दौरे पर आते हैं, तो हमें खुले नेट में अभ्यास करना पड़ता है। वहां हर चीज एक जैसी रहती है।" उन्होंने कहा, "भारत में जब हम खुले नेट में बल्लेबाजी करते हैं और शॉट लगाते हैं, तो हमें पता होता है कि गेंद कहां जा रही है और किस दिशा में निकल रही है। इसलिए विदेशों में यह हमारे सामने एक चुनौती होती है।"

" अय्यर ने लगातार क्रिकेट खेलने और बीच-बीच में यात्रा करने को भी प्रदर्शन पर असर डालने वाला बताया। उन्होंने कहा, "अगर आप लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं और इस दौरान यात्रा भी कर रहे हैं तथा बीच में अभ्यास करना पड़ता है तो यह काफी थकाने वाला हो जाता है। इसका असर निश्चित रूप से प्रदर्शन पर भी दिखाई देता है। आखिरकार हम सभी इंसान हैं, मशीन नहीं। " टी20 और वनडे में कप्तानी के अंतर के बारे में अय्यर ने कहा कि 50 ओवर के प्रारूप में पूरे मैच के दौरान लगातार दिमाग सक्रिय रखना पड़ता है जो थकाने वाला होता है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि अब मैंने काफी कप्तानी कर ली है।

पाकिस्तान टीम कमजोर : संजय मांजरेकर

नई दिल्ली, 15 नवंबर। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ एक विकेट से मिली रोमांचक जीत के बाद भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ियों के जश्न पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर खिलाड़ियों को मैदान पर आक्रामकता दिखानी है तो उन्हें अपने बराबर की टीमों के खिलाफ ऐसा करना चाहिए। भारत ने आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान के नौ विकेट पर 337 रन के जवाब में एक विकेट शेष रहते जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। हालांकि जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों के जश्न पर मांजरेकर ने सोशल मीडिया के जरिए तीखी प्रतिक्रिया दी। पूर्व क्रिकेटर मांजरेकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पाकिस्तान को आसान और कमजोर निशाना बताते हुए सुझाव दिया कि भारत को अपनी आक्रामकता ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ दिखानी चाहिए। उन्होंने पोस्ट किया, अगर भारतीय क्रिकेटरों को मैदान पर आक्रामकता दिखानी है तो अब उसे अपने बराबर की टीमों को चुनना चाहिए। पाकिस्तान अब आसान और कमजोर निशाना है।

जीत हासिल करने के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा अधिकार : सैकिया



नई दिल्ली, 15 नवंबर। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर एक विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। ओमान में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने 338 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दबाव भरे हालात में शानदार वापसी की। एक समय भारतीय टीम के आठ विकेट गिर चुके थे और जीत के लिए 51 गेंदों पर 86 रन की जरूरत थी। ऐसे मुश्किल समय में मनल चौहान और मोहम्मद मोहिन उलवा ने नौवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। मनल ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहिन ने 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन की पारी खेली। चिगुरुपति वेंकटा ने भी उपयोगी योगदान दिया। मोहिन ने पारी की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को यादगार जीत दिलाई। इस जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों के मैदान पर जश्न मनाने के तरीके को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तानी विकेटकीपर हमजा जहूर और उनके साथियों की ओर इशारे करते नजर आए। इस पर कुछ प्रशंसकों ने भारतीय खिलाड़ियों के व्यवहार की आलोचना की। वहीं, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम का बचाव करते हुए कहा कि मुश्किल परिस्थितियों में शानदार जीत हासिल करने के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह जश्न खिलाड़ियों के संघर्ष, आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने वाले रवैये को दर्शाता है। सैकिया के अनुसार, जब खिलाड़ी इतने मुश्किल हालात में मुकाबला जीतते हैं तो उन्हें अपनी खुशी जाहिर करने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने दर्ज की सीजन की पहली जीत, समलेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब को 2-0 से हराया



जयपुर, 15 नवंबर। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने आईएफएल 2026-27 में शानदार वापसी करते हुए सीजन की पहली जीत दर्ज की। राउरकेला के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में खेले गए तीसरे लीग मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड ने समलेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब को 2-0 से पराजित कर तीन अंक हासिल किए। मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड की ओर से पहला गोल 51वें मिनट में थोम्यो शिमरे ने किया। इसके बाद 86वें मिनट में बृजेश गिरि ने शिमरे के पास पर दूसरा गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। शानदार प्रदर्शन के लिए शिमरे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने एक गोल करने के साथ दूसरे गोल में भी अहम भूमिका निभाई। टीम की कप्तानी क्रिस्टो कामाई ने की। राजस्थान यूनाइटेड एफसी के चेयरमैन कृष्ण कुमार टाक और मुख्य कोच ग्यूसेप्पे क्रिस्टाल्डी ने टीम को पहली जीत पर बधाई देते हुए इसे आगे के मुकाबलों के लिए सकारात्मक शुरुआत बताया। राजस्थान यूनाइटेड का अगला मुकाबला 20 नवंबर को जयपुर में चनमारी एफसी से होगा।

न्यूजीलैंड ने दूसरे मैत्री फुटबॉल मैच में भारत को 3-0 से हराया

क्राइस्टचर्च, 15 नवंबर। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में भी 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। क्राइस्टचर्च के वन न्यूजीलैंड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले हाफ में ही तीन गोल दागकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। उसने गुरुवार को ऑकलैंड में खेले गए पहले मुकाबले में भारत को 5-0 से हराया था। न्यूजीलैंड के लिए फिन सर्मन ने 22वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद जेम्स मैकगैरी ने 40वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। शॉर्ट कॉर्नर से मिले पास पर मैकगैरी ने बॉक्स के किनारे से बाएं पैर से शानदार शॉट लगाया, जो भारतीय गोलकीपर विशाल कैथ को छकाते हुए गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में चला गया। पहले हाफ के 44वें मिनट में कप्तान क्रिस वुड ने तीसरा गोल कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। मैट गार्बेट ने जेसी रैंडल को बॉक्स के अंदर गेंद दी और रैंडल ने उसे खुले गोलपोस्ट के सामने मौजूद वुड तक पहुंचा दिया। वुड ने आसानी से गेंद को गोल में डाल दिया। पहले मुकाबले में 0-5 से हारने वाली भारतीय टीम दूसरे हाफ में भी कोई गोल नहीं कर सकी। हालांकि, 85वें मिनट में बिजॉय वर्गीज ने गोललाइन पर शानदार बचाव करते हुए एलेक्स रुफर के शॉट को गोल में जाने से रोक दिया। एक मिनट के इंजरी टाइम के बाद मुकाबला 3-0 के स्कोर पर समाप्त हुआ।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 135 रनों से धोया

नई दिल्ली, 15 नवंबर। इंग्लैंड ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को दूसरे वनडे मैच में 135 रनों से करारी शिकस्त दी। इंग्लैंड ने एडिलेड ओवल में खेले गए मुकाबले के दौरान ऑस्ट्रेलिया में वनडे में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टॉम बैंटन के दमदार शतक की बदौलत इंग्लैंड की टीम ने दूसरे मैच में 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 355 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती ओवरों में ही विकेट गंवा दिए, जिसके कारण टीम 44.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 220 रन ही बना पाई।

आईओए चुनाव : पीटी उषा और हरजिंदर सिंह का नामांकन स्वीकार, सभी आपत्तियां खारिज

नई दिल्ली, 15 नवंबर। भारतीय ओलंपिक संघ के निर्वाचन अधिकारी ने पांच दिसंबर को होने वाले चुनावों के लिए मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा और भारतीय आइस हॉकी संघ के महासचिव हरजिंदर सिंह को निर्वाचक मंडल में शामिल करने को लेकर उठाई गई आपत्तियों को खारिज करते हुए उनके नामांकन को स्वीकार कर लिया है। आईएचएआई के एक गुट ने शुक्रवार को दावा किया था कि दिग्गज एथलीट उषा आइस हॉकी के राष्ट्रीय महासंघ की सदस्य नहीं हैं और इसलिए आईओए की आम सभा में इसका प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती हैं। निर्वाचक मंडल की अंतिम सूची में शामिल उषा और हरजिंदर की पात्रता पर सवाल उठाए गए थे, जो दोनों आईएचएआई के सदस्य के रूप में सूचीबद्ध हैं। निर्वाचन अधिकारी ने आईएचएआई से जवाब मांगा और 14 नवंबर को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उसके प्रतिनिधियों को बुलाया। हरजिंदर और श्रीनिवास कोटनी बैठक में उपस्थित हुए और उन्होंने पुष्टि की कि उषा और वर्तमान महासचिव आइस हॉकी संघ के सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने 14 नवंबर को नोटरी द्वारा सत्यापित एक विस्तृत हलफनामा भी पेश किया। इसके अलावा आपत्तियों के जवाब में रिकॉर्ड और स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत किए। इस दौरान आईओए से यह स्पष्टीकरण मांगा गया कि क्या किसी विशेष खेल से जुड़ा कोई व्यक्ति केवल उसी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ का सदस्य हो सकता है या वह किसी अन्य एनएसएफ का भी सदस्य बन सकता है।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी : राजस्थान ने गोवा पर बनाई 78 रन की बढ़त, वासुदेव का नाबाद शतक

जयपुर, 15 नवंबर। बीसीसीआई अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान ने गोवा के खिलाफ पहली पारी में 78 रन की बढ़त हासिल की। गोवा की टीम पहली पारी में 228 रन पर आउट हुई। राजस्थान के आंजनेय शर्मा ने चार और हर्षित यादव ने तीन विकेट लिए। जवाब में राजस्थान ने दूसरे दिन पांच विकेट पर 306 रन बना लिए। कप्तान कुमार वासुदेव ने नाबाद 130 रन और तविष शर्मा ने 67 रन बनाए। दैविक



सोमानी ने 47 रन का योगदान दिया। **बीसीसीआई अंडर-23 महिला टी-20 ट्रॉफी** में राजस्थान को गुजरात ने पांच विकेट से हराया। राजस्थान ने छह विकेट पर 132 रन बनाए। डिंपल कंवर ने 64 रन की पारी खेली। गुजरात ने श्रेया खलासी (53) और चार्ली सोलंकी (40) की पारियों से लक्ष्य हासिल कर लिया। **आरसीए अंडर-23 चैलेंजर ट्रॉफी** में टीम एफ ने टीम सी को 25 रन, टीम डी ने टीम जे को 48 रन, टीम आई ने टीम ए को 43 रन से हराया। टीम ई ने टीम जी को छह विकेट और टीम एच ने टीम बी को सात विकेट से पराजित किया। मुकाबलों में सचिन लखेसर (79), सुनील शर्मा (64), भवित कुमावत (85), करण मिराक (72), मोहम्मद सोयब (69), अव्यांश सिंह (58) और अंकित कुमार (नाबाद 78) ने उल्लेखनीय पारियां खेलीं।

राजस्थान रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप में 540 खिलाड़ियों ने लिया भाग

जयपुर, 15 नवंबर। जगतपुरा स्थित रीको खेल सिटी में 12 से 14 नवंबर तक आयोजित राज्य स्तरीय राजस्थान रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का समापन हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से करीब 540 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जयपुर स्केट एसोसिएशन के सचिव ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में ब्रिगेडियर जितेंद्र सिंह, आईपीएस राजेंद्र सिंह सिसोदिया और अखिल शुक्ला अतिथि के रूप में मौजूद रहे। एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र मीणा और अनिल कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया तथा पदक विजेताओं को सम्मानित किया।

जिला क्रिकेट संघ दौसा की नई कार्यकारिणी गठित, बृजकिशोर उपाध्याय फिर बने सचिव

शोभना गुर्जर अध्यक्ष निर्वाचित, सभी पदों पर निर्विरोध हुआ निर्वाचन; 2026-2030 के लिए चुनी गई नई टीम



दौसा, 15 नवंबर। जिला क्रिकेट संघ दौसा की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को महुआ स्थित होटल केशव पैलेस में संपन्न हुए। चुनाव में श्रीमती शोभना गुर्जर को अध्यक्ष और बृजकिशोर उपाध्याय को पुन: सचिव चुना गया। वर्ष 2026-2030 के लिए गठित नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। चुनाव राजस्थान क्रिकेट संघ के पर्यवेक्षक देवाराम चौधरी, जिला खेल अधिकारी पर्यवेक्षक कजोड़मल तथा उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां दौसा के विमलेश कुमार सैनी की निगरानी में संपन्न हुए।

चुनाव अधिकारी राकेश कुमार ने चुनाव प्रक्रिया पूरी कर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। नई कार्यकारिणी में अशोक कुमार कोषाध्यक्ष, रतनचंद शर्मा, शिवचरण शर्मा, हीरालाल सेन और गणेश दत्त शर्मा उपाध्यक्ष चुने गए। शशिकांत शर्मा, यतेश कुमार, पवन कुमार और रविकांत कटारा संयुक्त सचिव तथा जयप्रकाश शर्मा आयोजन सचिव बनाए गए।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रणवीर सिंह गुर्जर, स्वतंत्र कुमार सैन, रामकेश शर्मा, गिरधारी सिंघल, केशव गुर्जर, विकास कुमार, अमित कुमार, इन्द्राज गुर्जर और लक्ष्मण सिंह गुर्जर चुने गए। बैठक में पूर्व कार्यकाल के खेल संबंधी कार्यों, लेखा-जोखा, ऑडिट और पिछली आमसभा के एजेंडे का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। जिले में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सचिव बृजकिशोर उपाध्याय को सौंपी गई। बैठक में पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय ओमप्रकाश भारद्वाज को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। उनकी स्मृति में जिला क्रिकेट संघ की ओर से टूर्नामेंट आयोजित करने के प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

तीन साल में जनजाति के विकास पर 3200 करोड़ रु. का प्रावधान किया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर कहा कि समाज के महापुरुषों के बलिदान को सम्मान देना सभी का दायित्व है

जयपुर, 15 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति, परम्परा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदियों तक संघर्ष किया है। इस समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के बलिदान को सम्मान देना हम सभी का दायित्व है। राज्य सरकार



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जनजातीय गौरव दिवस पर जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों एवं युवाओं से संवाद किया।

- **संवाद के दौरान जनजातीय अंचल से आये अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने उदयपुर लैक्रोस एकेडमी सहित प्रदेश में दी जा रही खेल सुविधाओं के लिये मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।**

वंचितों को वरीयता देते हुए जनजातीय समाज के शैक्षिणक, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

रविवार को जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने तीन वर्षों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसी क्रम में 10 आश्रम छात्रावास, 3 आवासीय विद्यालय, एक नया खेल छात्रावास और 250 नए मां-बाड़ी केन्द्र खोले गए हैं। पीएम-जनमन योजना के तहत बारां जिले के सहरिया क्षेत्र में 15 हजार 233 आवासों, 23 सम्पर्क सड़कों, 15 नए बहुद्देश्यीय केन्द्रों का निर्माण और 51 वन-धन केन्द्र गठित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय किसानों को सशक्त बनाने के लिए निशुल्क संकर मक्का बीज मिनी किट तथा हाइब्रिड सब्जी बीज मिनी किट उपलब्ध करवाए गए हैं। इसी प्रकार पीएम कुसुम योजना में 8 लाख से अधिक निशुल्क सोलर पम्प स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय युवाओं ने खेलों के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय देते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। लैक्रोस में प्रदेश के जनजातीय खिलाड़ियों ने वर्ष 2024 में समरकंद एशियन चैम्पियनशिप में रजत पदक प्राप्त किया। इस वर्ष रियाद एशियन लैक्रोस गेम्स में पुरुष एवं महिला, दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक हासिल किए गए। इसी प्रकार मलेशिया में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशियाई लैक्रोस चैम्पियनशिप-2026 में कांस्य पदक प्राप्त किया।

संवाद के दौरान जनजातीय अंचल से आए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने उदयपुर की लैक्रोस अकैडमी सहित प्रदेश में दी जा रही खेल सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मृत्युदंड पर रोकः यू.एन. में प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया भारत ने

नई दिल्ली, 15 नवंबर। भारत ने युनाइटेड नेशन्स जनरल असैम्बली (यूएनजीए) में मृत्युदंड पर रोक लगाने की मांग करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया है। इस प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड के इस्तेमाल पर रोक लगाने और इसे समाप्त करने की दिशा

- **प्रस्ताव के पक्ष में 133 देशों ने और विरोध में 33 देशों ने मतदान किया।**

में कदम उठाने की अपील की गई थी। शुक्रवार को 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान के बाद यह प्रस्ताव पारित हो गया।मैक्सिको की ओर से पेश किए गए मृत्युदंड के इस्तेमाल पर रोक प्रस्ताव के पक्ष में 133 देशों ने मतदान किया, जबकि 33 देशों ने इसके विरोध में वोट दिया। वहीं, 16 देश मतदान से अनुपस्थित रहे। बहरीन, चीन, मिस्त्र, ईरान, इराक, जापान, कुवैत, मालदीव, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब और अमेरिका सहित भारत ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया।

प्रस्ताव में मृत्युदंड के लगातार इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई गई। साथ ही सभी देशों के इस अधिकार को दोहराया गया कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप अपनी कानूनी व्यवस्था और उचित दंड तय कर सकते हैं। प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड पर रोक लगाने का आग्रह किया गया, ताकि भविष्य में इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सके। इसके अलावा, जिन देशों ने मृत्युदंड खत्म कर दिया है, उनसे इसे दोबारा लागू नहीं करने की अपील की गई।

रहमान गुल बलूच लिबरेशन आर्मी का कमांडर -इन -चीफ बना

रहमान पहले पाकिस्तान सेना में कैप्टन था और बगावत करके बीएलए में शामिल हुआ था

- **रहमान गुल बीएलए की मजीद ब्रिगेड का कमांडर रह चुका है। यह संगठन की प्रमुख ब्रिगेड है और आत्मघाती हमलों के लिये जिम्मेदार मानी जाती है।**

क्वेटा, 15 नवंबर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने अपने शीर्ष नेतृत्व में बड़ा बदलाव किया है। संगठन ने वरिष्ठ कमांडर रहमान गुल उर्फ मुरीद को नया कमांडर-इन-चीफ बनाया है। इस फैसले के साथ ही संगठन की कमान अब एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में आ गई है, जो पहले पाकिस्तान की सेना में कैप्टन के पद पर रह चुका है।

द डॉन अखबार के मुताबिक, वह पहले पाकिस्तान सेना में कैप्टन के पद पर कार्यरत था। बाद में उसने सेना छोड़कर बगावत की और बीएलए में शामिल हो गया। संगठन में शामिल होने के बाद उसने कई अहम जिम्मेदारियां संभालीं और धीरे-धीरे शीर्ष नेतृत्व में अपनी जगह बनाई।

रहमान गुल इससे पहले बीएलए की वरिष्ठ कमांड परिषद का सदस्य था। इसके अलावा वह संगठन की मजीद ब्रिगेड का कमांडर भी रह चुका है। मजीद ब्रिगेड को संगठन की प्रमुख और आत्मघाती हमलों के लिए जिम्मेदार इकाइयों में गिना जाता है। संगठन ने अपने बयान में कहा है कि रहमान गुल को महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का लंबा अनुभव है।

बीएलए में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया नवंबर की शुरुआत में शुरू हुई थी। संगठन ने 3 नवंबर को घोषणा की थी कि बशीर जेब बलोच अब कमांडर-इन-चीफ के पद पर नहीं रहेंगे। इसके बाद संगठन के प्रशासनिक, सैन्य और नीतिगत फैसलों की जिम्मेदारी वरिष्ठ कमांड परिषद को सौंप दी गयी थी। अब रहमान गुल की नियुक्ति के साथ संगठन को नया प्रमुख मिल गया है।

बशीर जेब बलोच दिसंबर 2018 में असलम बलोच की मौत के बाद संगठन के प्रमुख बने थे। असलम बलोच की अफगानिस्तान में आत्मघाती हमले में मौत हुई थी। इसके बाद बशीर जेब ने संगठन की कमान संभाली। उनके नेतृत्व में बीएलए ने पाकिस्तान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सुरक्षा बलों और चीनी हितों को निशाना बनाकर कई बड़े हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

बीएलए ने वर्ष 2018 में कराची स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद 2019 में ग्वादर के पर्ल कॉन्टिनेंटल होटल और 2020 में कराची स्टॉक एक्सचेंज पर हुए हमले में भी संगठन का नाम सामने आया था। मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण की घटना की जिम्मेदारी भी बीएलए ने ली थी।

आरबीआई ने डिजिटल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकेगा। साथ ही भुगतान प्रणाली से जुड़े संभावित खतरों पर नजर रखना आसान होगा।

आरबीआई के नए दिशा-निर्देश गैर-बैंकिंग भुगतान प्रणाली चलाने वाली कंपनियों पर लागू होंगे। इन नियमों में साइबर हमलों से बचाव और डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित रखने के उपाय बताए गए हैं। इनके दायरे में कई संस्थाएं आएंगी। इनमें भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई), कार्ड से भुगतान की प्रणाली चलाने वाली कंपनियां, अलग-अलग भुगतान सेवाओं को जोड़ने वाली कंपनियां और पहले से पैसे जमा करके इस्तेमाल किए जाने वाले भुगतान साधन जारी करने वाली कंपनियां (पीपीआई) शामिल हैं।

इसके अलावा, वाइट लेबल एटीएम संचालक (डब्ल्यूएलएओ) भी इन नियमों के दायरे में होंगे। केंद्रीय बैंक ने डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा को लेकर सख्त शर्तें रखी हैं। इनमें सॉफ्टवेयर की सुरक्षा, प्रणाली का ऑडिट और तीसरे पक्ष की सेवाएं देने वाली कंपनियों से जुड़े नियम शामिल हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शिखर अग्रवाल के खिलाफ जांच तेज की

प्रदूषण नियंत्रण मंडल से रिसॉर्ट से जुड़ी मंजूरियों, एनओसी तथा उनमें समय-समय पर किए गए बदलावों का रिकॉर्ड मांगा

जयपुर, 15 नवंबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आईएएस शिखर अग्रवाल और अन्य के खिलाफ प्रारंभिक जांच तेज कर दी है। जांच के सिलसिले में एसीबी ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को पत्र लिखकर रिसॉर्ट से जुड़ी मंजूरियों, अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और उनमें समय-समय पर किए गए बदलावों का रिकॉर्ड मांगा है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार एसीबी की जयपुर नगर-प्रथम इकाई ने प्रदूषण नियंत्रण मंडल से संबंधित पत्रावलियां और नोटशीट उपलब्ध कराने को कहा है। इनमें अप्रैल 2022 से फरवरी 2024 के बीच विभिन्न परियोजनाओं को जारी किए गए "कंसैंट टू एस्टेब्लिश" और "कंसैंट टू ऑपरेट" सहित अन्य एनओसी का पूरा रिकॉर्ड शामिल है। एजेंसी ने यह भी जानकारी मांगी है कि स्वीकृतियां जारी करते समय

- **एसीबी डीजी गोविन्द गुप्ता के अनुसार लैंड कन्वर्जन और फॉरेस्ट एनओसी से जुड़ी शर्तों में यदि कोई बदलाव हुआ है तो उसके लिये सक्षम स्तर से मिली मंजूरी, संबंधित पत्रावलियां और नोटशीट उपलब्ध कराने के लिये कहा है।**

निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का कितना पालन किया गया।

इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों की भूमिका, प्रकरणों के निस्तारण और स्वीकृति प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज भी तलब किए गए हैं।

एसीबी ने इस अवधि में स्वीकृतियों के लिए निर्धारित चेकलिस्ट में किए गए बदलावों का विवरण और उनके पीछे का औचित्य भी मांगा है।

लैंड कन्वर्जन और फॉरेस्ट एनओसी से जुड़ी शर्तों में यदि कोई बदलाव किया गया है तो उसके लिए सक्षम स्तर से मिली मंजूरी, संबंधित पत्रावलियां और नोटशीट भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। जांच एजेंसी ने नाहरगढ़ इको सैंसिटिव ज़ोन से जुड़े दस्तावेज भी तलब किए हैं। इसमें 8 मार्च 2019 को जारी अधिसूचना और ज़ोनल मास्टर प्लान में बाद में किए गए किसी भी बदलाव का रिकॉर्ड शामिल है। एसीबी ने बदलाव के कारण, उन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारियों और संबंधित दस्तावेजों की जानकारी मांगी है।

एसीबी इन दस्तावेजों के आधार पर स्वीकृतियां जारी करने की प्रक्रिया, नियमों और शर्तों में किए गए बदलावों तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच करेगी।

हजार से अधिक जवानों को छत्तीसगढ़ से मणिपुर भेजा

नई दिल्ली, 15 नवंबर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने छत्तीसगढ़ के नक्सल विरोधी अभियान क्षेत्र से हजार से ज्यादा जवानों वाली एक बटालियन को हटा लिया है। इस बटालियन को छत्तीसगढ़ से हटाकर मणिपुर भेजा गया है, ताकि वहां जारी जातीय हिंसा के बीच सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब मार्च में केंद्र सरकार ने देश में

- **सी.आर.पी.एफ. के ये जवान छत्तीसगढ़ के नक्सल विरोधी अभियान का हिस्सा थे।**

सशस्त्र माओवाद के खत्म होने की घोषणा की थी। इसके बाद से किसी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीआरपीएफ) की पूरी बटालियन को नक्सल-विरोधी क्षेत्र से वापस बुलाने का यह पहला मामला है।

सीआरपीएफ मुख्यालय ने छत्तीसगढ़ से एक जनरल ड्यूटी बटालियन को वापस बुलाने और उसे मणिपुर भेजने का आदेश दिया है। मणिपुर में पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से जातीय हिंसा चल रही है।

बंद पड़ी ज्वेलरी फैक्ट्री का स्ट्रॉन्ग रुम तोड़कर कीमती गहनों की चोरी

सीतापुरा में यह फैक्ट्री 14 माह से बंद थी तथा 6 माह से गार्ड भी छुट्टी पर था

जयपुर, 15 नवंबर। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र के सीतापुरा स्थित एक बंद ज्वेलरी फैक्ट्री में बदमाशों ने सेंध लगाकर स्ट्रॉन्ग रूम से कीमती गहने और अन्य सामान चोरी कर लिया। बदमाशों ने स्ट्रॉन्ग रूम की दीवार काटकर उसमें बड़ा छेद किया और अंदर रखे सामान पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के दौरान फैक्ट्री का सुरक्षा गार्ड छुट्टी पर था। पीड़ित ज्वेलर पार्टनर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच अधिकारी एसआई धर्मवीर ने बताया कि श्याम नगर निवासी अजय शंकर खंडेलवाल (62) ने मामला दर्ज करवाया है कि वह शंकर ज्वेल्स कंपनी में पार्टनर हैं। कंपनी की सीतापुरा स्थित फैक्ट्री में कीमती आभूषण और अन्य सामान तैयार किए जाते थे। इनकी सुरक्षा के लिए परिसर में स्ट्रॉन्ग रूम बनाया गया था। गुरुवार को फैक्ट्री में बने स्ट्रॉन्ग रूम की जांच की गई तो

- **अज्ञात बदमाशों ने 6 फीट ऊंचे व 4 फीट चौड़े स्ट्रॉंग रुम में एक -डेढ़ फीट का छेद बनाया और वहां रखे कीमती गहने आदि चुरा कर भाग गए।**

उसमें एक बड़ा छेद मिला। बदमाश इसी रास्ते अंदर घुसे और वहां रखे कीमती गहने व अन्य सामान चोरी कर ले गए। एसआई धर्मवीर ने बताया कि फैक्ट्री सितंबर 2025 में बंद हो गई थी। इसके बाद कंपनी ने फैक्ट्री को लॉक कर वहां एक सुरक्षा गार्ड तैनात किया था। पिछले 6-7 महीने से गार्ड की तबीयत खराब होने के कारण वह भी छुट्टी पर चला गया था। करीब 14 महीने बाद कंपनी के अधिकारियों ने फैक्ट्री का निरीक्षण किया तो चोरी का पता चला।

जांच के दौरान फैक्ट्री की एक खिड़की का कांच टूटा हुआ मिला और उसकी ग्रिल भी हटाई हुई थी। स्ट्रॉन्ग रूम करीब 6 फीट ऊंचा और 4 फीट चौड़ा है। बदमाशों ने इसे काटकर करीब 1 से1.6 फीट का छेद बनाया था। फिलहाल चोरी हुए आभूषणों और अन्य सामान की वास्तविक कीमत का पता नहीं चल पाया है। सेल्सटैक्स विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में स्ट्रॉन्ग रूम खोलकर जांच करने के बाद ही चोरी गए सामान का पूरा विवरण सामने आएगा।

स्पेसएक्स ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वीडियो साझा करते हुए लिखा, मेकाजिला ने स्टारशिप को पकड़ लिया है! पूरी टीम को बधाई।

शुक्रवार दोपहर टेक्सास के स्टारबेस से उड़ा 407 फीट ऊंचा रॉकेट। दोनों स्टेज सफलतापूर्वक अलग हुए। ऊपरी स्टेज स्टारशिप ने कक्षा में पहुंचकर 26 एडवांस्ड स्टारलिंक सैटेलाइट तैनात किए और करीब 260-265 किलोमीटर की ऊंचाई पर 14 चक्कर पूरे किए। यह स्पेसएक्स का 15वां फुल-स्केल स्टारशिप मिशन और कक्षा तक का दूसरा सफल सफर था।

काडमांडू हवाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तस्करी नेटवर्क का एक प्रमुख सदस्य है। उसके पास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग का प्रमाणपत्र भी बरामद किया गया है।

कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने पहले ही स्थानीय नेताओं की राय को प्रक्रिया का हिस्सा बनाकर संगठन के भीतर संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है।

इंडिगो फ्लाइट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया ताकि लैंडिंग गियर की स्थिति को बाहर से देखा जा सके। इसके बाद, सुबह करीब 9 बजे विमान पुणे एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गया।

पहाड़गंज में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हादसे में कुल आठ लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नेतन्याहू की राष्ट्रीय सरकार की अपील को आइज़नकोट ने खारिज किया

पूर्व सेना प्रमुख आइज़नकोट ने कहा कि चुनाव में हारे हुए नेतन्याहू की चालें उन पर काम नहीं करेंगी

तेलअवीब, 15 नवंबर। इज़राइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक उठापटक तेज हो गई है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पूर्व सेना प्रमुख और नई सरकार बनाने की कोशिश में जुटे गादी आइजनकोट से राष्ट्रीय एकता की सरकार बनाने की अपील की है। नेतन्याहू का कहना है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा हो रहे खतरे और देश की सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को एक साथ आना चाहिए। हालांकि, आइजनकोट ने नेतन्याहू के प्रस्ताव को कुछ ही मिनटों में खारिज कर दिया। आइजनकोट ने कहा कि नेतन्याहू अच्छी तरह जानते हैं कि वह चुनाव हार चुके हैं। उनके मुताबिक, नेतन्याहू ऐसे समय में बातचीत की अपील कर रहे हैं, जब सरकार गठन को लेकर राजनीतिक दलों के बीच पहले से ही बातचीत चल रही है। उन्होंने साफ किया कि नेतन्याहू की राजनीतिक चालें उन पर काम नहीं करेंगी। इस घटनाक्रम से साफ हो गया है कि इज़रायल में नई सरकार बनाने का रास्ता अभी आसान नहीं है और दोनों नेताओं के बीच मतभेद गहरे बने हुए हैं।

- **नेतन्याहू ने कहा था कि ईरान फिर से परमाणु कार्यक्रम शुरु कर रहा है, इसलिये राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर इज़रायल में राजनीतिक एकता जरूरी है।**

नेतन्याहू ने शनिवार को जारी वीडियो संदेश में कहा कि ईरान एक बार फिर अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान का लक्ष्य इज़रायल को खत्म करना है और मौका मिलने पर वह उसके खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। नेतन्याहू ने कहा कि इज़रायल को इस खतरे को हमेशा के लिए समाप्त करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर देश में राजनीतिक एकता जरूरी है। नेतन्याहू के मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों में छोटी सरकार या आतंकवाद समर्थक दलों के सहयोग से चलने वाली सरकार देश की सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना नहीं कर पाएगी। उन्होंने सभी बड़ी पार्टियों से मतभेद भुलाकर एक साथ आने की अपील की। हालांकि, आइजनकोट ने उनके इस तर्क को सरकार गठन के प्रयासों में राजनीतिक दखल के तौर पर देखा।

इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए संसदीय चुनाव में किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। 120 सदस्यीय संसद नेसेट में नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें हासिल हुईं, जबकि आइजनकोट के चार दलों वाले गठबंधन को 48 सीटें मिलीं। अरब दलों ने कुल 19 सीटों पर जीत दर्ज की। चुनाव के बाद राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने सांसदों से पूछा कि वे किस नेता को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते हैं। इस प्रक्रिया में 67 सांसदों ने आइजनकोट का समर्थन किया, जबकि 46 सांसदों ने नेतन्याहू के पक्ष में समर्थन जताया। इसी आधार पर राष्ट्रपति ने आइजनकोट को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्हें इसके लिए 28 दिन का समय दिया गया है। यदि इस अवधि में सरकार नहीं बन पाती है तो उन्हें 14 दिन का अतिरिक्त समय भी मिल सकता है।

आइजनकोट के सामने सबसे बड़ी चुनौती संसद में बहुमत का समर्थन जुटाना है। उनके गठबंधन के पास फिलहाल 48 सांसद हैं। ऐसे में उनकी रणनीति यह है कि उनके गठबंधन के सभी 48 सांसद सरकार के समर्थन में मतदान करें और नेतन्याहू के 46 सांसद इसके खिलाफ वोट डालें। बाकी 26 सांसद मतदान से दूर रहें तो समर्थन में पड़ने वाले वोट विरोध के मुकाबले अधिक हो सकते हैं। इस रणनीति के तहत आइजनकोट अरब दलों को अपनी सरकार में शामिल नहीं करना चाहते, लेकिन उनकी कोशिश है कि ये दल विश्वास मत के दौरान मतदान में हिस्सा न लें। इससे उन्हें सरकार बनाने के लिए जरूरी समर्थन हासिल करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यह रणनीति कितनी सफल होगी, इसका फैसला संसद में होने वाले मतदान से ही होगा।

आज़म खां के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होगी

लखनऊ, 15 नवंबर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री आजम खां से चार दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम करीब 80 सवाल पूछ चुकी है। हालांकि, रविवार को पूछताछ के दौरान टीम कोई खास बयान दर्ज नहीं कर सकी। चार दिन की रिमांड का सोमवार यानी 16 नवंबर को आखिरी दिन है।

आजम खां के विरुद्ध दर्ज मनी लॉन्डरिंग के मामले में ईडी अब

- **ईडी चार दिन में कोई खास बयान दर्ज नहीं कर सकी।**

आरोपपत्र (चार्जशीट) दाखिल करने की तैयारी में है। रिमांड के दौरान पूछताछ से मिले जवाब और साक्ष्यों के आधार पर जांच को अंतिम रूप देने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। इसके अलावा इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ में मामले से संबंधित सुनवाई और संभावित आदेश को लेकर भी ईडी अपनी जांच से जुड़े तथ्य तैयार कर रही है। ईडी की जांच का प्रमुख केंद्र मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में खर्च हुई रकम और उसके स्रोत हैं। एजेंसी विश्वविद्यालय से जुड़ी जमीन और 59 भवनों की संपत्तियों को लेकर पहले ही 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच कर चुकी है।

दस साल में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च बढ़कर 4.14 लाख करोड़ रुपये हुआ

मुफ्त व सस्ती दवाओं, जांच और अस्पतालों में इलाज की सुविधाओं से परिवारों पर सीधे खर्च का बोझ कम हुआ

नई दिल्ली, 15 नवंबर। देश में स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी खर्च पिछले दस वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ कर 4.14 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, कुल स्वास्थ्य खर्च में परिवारों की जेब से होने वाले सीधे खर्च की हिस्सेदारी 64.2 प्रतिशत से घटकर 42.7 प्रतिशत रह गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2023-24 के अनुसार, इस अवधि में परिवारों के सीधे स्वास्थ्य खर्च की हिस्सेदारी में 21.5 प्रतिशत अंक की कमी आई है।

- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2023-24 के अनुसार कुल स्वास्थ्य खर्च में परिवारों की जेब से होने वाले सीधे खर्च की हिस्सेदारी दस वर्ष में 64.2 प्रतिशत से घटकर 42.7 प्रतिशत रह गई।**

परिवारों की जेब से होने वाला स्वास्थ्य खर्च 2013-14 में कुल स्वास्थ्य खर्च का 64.2 प्रतिशत था। वर्ष 2022-23 में यह घटकर 43.4 प्रतिशत और 2023-24 में 42.7 प्रतिशत रह गया। मंत्रालय के अनुसार, सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और मुफ्त या सस्ती दवाओं, जांच तथा अस्पतालों में इलाज की सुविधाओं से परिवारों पर सीधे खर्च का बोझ कम करने में मदद मिली है।

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी खर्च भी बढ़ कर 1.53 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसके तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से लोगों को घर के नजदीक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन केंद्रों पर गैर-संचारी रोगों की जांच, आवश्यक दवाएं, जांच सुविधाएं और बीमारी से बचाव से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा खर्च की हिस्सेदारी भी बढ़ी है। कुल स्वास्थ्य खर्च में इसकी हिस्सेदारी 2013-14 के छह प्रतिशत से बढ़ कर 2023-24 में 11 प्रतिशत हो गई है। इसमें आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, राज्यों की स्वास्थ्य बीमा योजनाएं, सामाजिक स्वास्थ्य बीमा और सरकारी कर्मचारियों के चिकित्सा खर्च शामिल हैं। इसी अवधि में निजी स्वास्थ्य बीमा खर्च की हिस्सेदारी भी 3.4 प्रतिशत से बढ़ कर 10.2 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय के अनुसार, यह देश में स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ ने का संकेत है।

इज़रायल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया। इसमें कहा गया है कि वह हमास को मजबूत करने और आतंकी हमलों को आगे बढ़ ाने और उन्हें अंजाम देने की योजनाएं बनाने का काम कर रहा था। दो महीने पहले, उससे पहले इस पद पर रहे व्यक्ति को भी इज़रायल ने मार दिया गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908